खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 12 मार्च, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-69

अयोध्या में राम रसोई बंद

देशभर में एलपीजी की किल्लत, एजेंसी के बाहर लंबी लाइनें, यूपी–बिहार में पुलिस सुरक्षा में बंट रहे सिलेंडर

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका–इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में एलपीजी की किल्लत हो रही है। गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसियों पर लंबी लाइनें लगी हैं।

दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पर रोक से होटलों और रेस्टोरेंट्स में खाना नहीं बन पा रहा है।

वहीं, एलपीजी सिलेंडर की किल्लत के चलते अयोध्या में राम रसोई को बंद कर दिया गया है। 8 साल में पहला मौका है जब राम रसोई बंद की गई है।

घरेलू सिलेंडर की डिलीवरी 2.5 दिन में ही होगी

इस बीच देश में रसोई गैस (एलपीजी) की कमी की खबरों को सरकार ने फेक बताया। जनता से शांत रहने की अपील की और एलपीजी की कमी को लेकर झूठी खबरें न फैलाने को कहा है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि देश में एलपीजी की डिलीवरी साइकल अभी भी 2.5 दिन ही बना हुआ है।

घरेलू एलपीजी का उत्पादन 25% तक बढ़ाया है

देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है और लोग घबराकर 'पैनिक बुकिंग' न करें। सप्लाई चेन को दुरुस्त रखने के लिए घरेलू एलपीजी का उत्पादन 25% तक बढ़ा दिया गया है।

कुछ जगहों पर गलत जानकारी की वजह से लोग पैनिक बुकिंग और जमाखोरी कर रहे हैं। ग्राहकों को घबराने की जरूरत नहीं है, सप्लाई पूरी तरह सामान्य है।

एलएनजी के 2 जहाज रास्ते में, जल्द पहुंचने की उम्मीद

अब भारत का 70% कच्चा तेल उन रास्तों से आ रहा है जो स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बाहर हैं। पहले यह आंकड़ा 55% था। हमने खरीद में विविधता लाकर अपनी सप्लाई सुरक्षित कर ली है।

गैस कंपनियों ने नए स्रोतों से एलएनजी (एलएनजी) के कार्गो सुरक्षित किए हैं। मंत्रालय के मुताबिक, दो बड़े एलएनजी जहाज अगले एक–दो दिन में भारत पहुंचने वाले हैं।

इससे देश में ईंधन की स्थिति और मजबूत होगी। वर्तमान में भारत की रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं ताकि पेट्रोलियम उत्पादों की कमी न हो।

मध्य प्रदेश: कैटरर्स बोले– ये इमरजेंसी जैसी स्थिति

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई ठप होने से सबसे ज्यादा संकट होटल–रेस्टॉरेंट पर है। वहीं घरेलू रसोई गैस लेने के लिए गैस एजेंसियों के बाहर लंबी लाइनें लगी है।

जिन घरों में शादी है, वे टेंशन में हैं। अकेले भोपाल में ही 20 दिन में एक हजार से ज्यादा शादियां हैं। कैटरर्स का कहना है कि ये इमरजेंसी जैसी स्थिति है।

उत्तर प्रदेश: पुलिस सुरक्षा में बंट रहे सिलेंडर, अयोध्या में राम रसोई बंद

उत्तर प्रदेश में बुकिंग के 4 से 5 दिन बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं। गैस एजेंसियों के बाहर लाइनें लगने लगी हैं। गोरखपुर–सिद्धार्थनगर में पुलिस सुरक्षा में सिलेंडर बांटे जा रहे हैं।

एजेंसियों पर तड़के 3 बजे से ही लोग लाइन लगाने पहुंच रहे हैं। घंटों इंतजार कर रहे हैं, लेकिन सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। वजह– सिलेंडर कम हैं और लेने वालों की संख्या ज्यादा।

दिल्ली: हाई कोर्ट की कैंटीन में मेन कोर्स बनाना बंद

दिल्ली हाई कोर्ट की वकीलों की कैंटीन में भी एलपीजी गैस सिलेंडर न होने की वजह से मेन कोर्स का खाना देना कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया है। कैंटीन प्रबंधन ने बताया कि उनके पास एलपीजी सिलेंडर नहीं हैं और यह भी साफ नहीं है कि गैस सप्लाई कब तक बहाल होगी।

दिल्ली हाई कोर्ट में वकीलों की कैंटीन के मैनेजर मोहर सिंह ने कहा, 'गैस नहीं आई तो हमने लंच में दाल–चावल, कढ़ी–चावल, राजमा–चावल, छोले–चावल, चिकन, बिरयानी ये सब बंद कर दिया है। आगे से गैस नहीं आ रही है। हमने काफी जगह कोशिश की लेकिन गैस नहीं आया।'

बिहार: लोग सुबह से ही गैस एजेंसी पहुंच रहे

यहां भी 2 दिन से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की बुकिंग बंद है। इस वजह से होटल,रेस्टॉरेंट पर असर पड़ा है। घरेलू गैस को लेकर भी राज्य के कई जिलों में लोगों की लंबी कतार दिखी।

गोपालगंज, खगड़िया, औरंगाबाद, पटना समेत कई जिलों में लोग सुबह से ही गैस एजेंसी पहुंचने लगे। कई एजेंसियों में ताला लटका है। कोई कर्मचारी भी यहां मौजूद नहीं हैं।

राजस्थान: 1900 रुपए का सिलेंडर 2500 रुपए में बेचा जा रहा

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई बिल्कुल बंद हो गई है। ऐसे में अलग–अलग एजेंसी तय दाम से ज्यादा में सिलेंडर की कालाबाजारी कर रही है। भास्कर स्टिंग में खुलासा हुआ कि जयपुर में 1911 रुपए में मिलने वाला सिलेंडर 2500 रुपए तक में बेचा जा रहा है। भास्कर ने जयपुर के एक होटल में आए गैस सप्लायर (इंडेन) का स्टिंग किया।

पंजाब: घरेलू सिलेंडरों की भी बुकिंग बंद

लुधियाना और फरीदकोट में सर्वर डाउन होने के कारण घरेलू सिलेंडरों की बुकिंग भी नहीं हो पा रही है। इसके अलावा फरीदकोट, होशियारपुर और पटियाला समेत कई जिलों में सोमवार से कमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई बंद है।

गुजरात: कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के लिए 2500 से 3000 रुपए तक की मांग

मशहूर फूड ट्रक 'महेश पौनभाजी' के मैनेजर शिवचरण अग्रवाल के अनुसार कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के लिए फिलहाल 2500 से 3000 रुपए तक की मांग की जा रही है। इस कालाबाजारी के कारण छोटे–मोटे दुकानदार और होटल मालिकों पर आर्थिक संकट आ गया है। घरेलू गैस के लिए भी राज्य के कई जिलों में लोगों की लंबी लाइन लगी हुई हैं।

रेलवे भी ट्रेनों खाने की सर्विस रोकेगी, यात्रियों को देगी रिफंड

आईआरसीटीसी भी अपनी सीओ कैटरिंग ऑपरेशन ट्रेनों में खाने की सर्विस कुछ समय के लिए रोक सकती है। वहीं उन यात्रियों को रिफंड दे सकती है, जिन्होंने अपने टिकट के साथ खाना पहले से बुक किया था।

आईआरसीटीसी ने कैटरिंग यूनिट्स से एलपीजी की संभावित कमी से निपटने के लिए माइक्रोवेव और इंडक्शन का इस्तेमाल करने को भी कहा है।

शुक्ल तेलुगु शपथ

नए राज्यपाल शिव प्रताप ने सबको चौंकाया

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने बुधवार को तेलंगाना के नये राज्यपाल के रूप में शपथ ली। राजभवन (लोक भवन) में आयोजित एक भव्य समारोह में उन्होंने पद और गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव की ओर से विशेष मुख्य सचिव दाना किशोर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा जारी नियुक्ति वारंट (वॉरंट ऑफ अपॉइंटमेंट) पढ़कर सुनाया। श्री शुक्ल ने तेलुगु भाषा में पद की शपथ लेकर सभी को प्रभावित किया। शपथ ग्रहण के उपरांत मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने नये राज्यपाल को बधाई दी।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार, विधान परिषद के अध्यक्ष गुट्टा सुखेंद्र रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, मंत्रिमंडल के सदस्य, सांसद, विधायक, पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी और विभिन्न राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेता मौजूद थे। एक अप्रैल 1952 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के रुद्रपुर में जन्मे श्री शुक्ल ने कानून में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। वह 1983 में औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल हुए। गोरखपुर शहर निर्वाचन क्षेत्र से 1989, 1991, 1993 और 1996 में लगातार चार बार विधानसभा चुनाव जीते और उत्तर प्रदेश में कल्याण सिंह, राम प्रकाश गुप्त और राजनाथ सिंह की सरकारों में कैबिनेट मंत्री रहे।

सन 2016 में वह उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए और 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में वित्त राज्य मंत्री के रूप में सेवा दी।उनकी नियुक्ति को उनके लंबे प्रशासनिक और राजनीतिक अनुभव के सम्मान के रूप में देखा जा रहा है।

जम्मू में शादी समारोह के दौरान फायरिंग, डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी को छर्रे लगे

जम्मू/कश्मीर, 11 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू के ग्रेटर कैलाश इलाके स्थित होटल रॉयल पार्क में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान अचानक फायरिंग की घटना से अफरा–तफरी मच गई। समारोह में फारूक अब्दुल्ला और जम्मू–कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी समेत नेशनल कॉन्फ्रेंस के कई नेता मौजूद थे।

जानकारी के अनुसार समारोह के दौरान एक व्यक्ति ने पिस्तौल लहराते हुए फायरिंग कर दी। मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हमलावर को काबू में कर लिया।

इस घटना में उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी को छर्रे लगने से मामूली चोट आई, जबकि फारूक अब्दुल्ला पूरी तरह सुरक्षित बताए जा रहे हैं।घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग भी खंगाली जा रही है ताकि घटना से जुड़े हर पहलू को समझा जा सके। अधिकारियों का कहना है कि सभी सबूतों और फुटेज के विश्लेषण के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि फायरिंग किन परिस्थितियों में और किस कारण से हुई।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आरोपी की पहचान कमल सिंह जम्वाल के रूप में हुई है, जो खनन कारोबार से जुड़ा बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि हाल ही में जम्मू–कश्मीर में खनन विभाग द्वारा सख्ती किए जाने के कारण वह नाराज था।

आयाराम–गयाराम

अध्यक्ष ने विधायकों की अयोग्यता संबंधी याचिकाओं को खारिज किया

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने बुधवार को विधायक दानम नागेंद्र और कडियम श्रीहरि के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे यह साबित हो सके कि इन दोनों विधायकों ने अपनी राजनीतिक पार्टियां बदली हैं।

ये दोनों विधायक भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के टिकट पर निर्वाचित होने और बाद में सत्तारूढ़ कांग्रेस को समर्थन देने के बाद दलबदल के आरोपों का सामना कर रहे थे। विधानसभा अध्यक्ष ने पिछले सप्ताह दानम नागेंद्र और कडियम श्रीहरि के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई पूरी कर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। बुधवार को उन्होंने अंतिम निर्णय की घोषणा करते हुए बीआरएस विधायकों द्वारा उनकी अयोग्यता की मांग करने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया।

इससे पहले अध्यक्ष ने उन्हीं आरोपों का सामना कर रहे आठ अन्य विधायकों के खिलाफ भी इसी तरह की याचिकाओं को खारिज कर दिया था। ताजा फैसले के साथ, दलबदल के मामलों में क्लीन चिट पाने वाले विधायकों की कुल संख्या दस हो गई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह निर्णय लोकतंत्र की भावना के विपरीत है।

श्री राव ने मीडिया से कहा कि यह फैसला आश्चर्यजनक है, जबकि इस बात के स्पष्ट सबूत थे कि एक पार्टी के टिकट पर निर्वाचित विधायक छह महीने के भीतर दूसरी पार्टी में शामिल हो गया और उस पार्टी के उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ा। उन्होंने कहा कि पूरी जनता इन घटनाओं की गवाह रही है। यह लोकतंत्र का अपमान और जनता द्वारा दिए गए जनादेश की अवहेलना के अलावा और कुछ नहीं हैं। भाजपा नेता ने इस मुद्दे पर राहुल गांधी के रुख पर भी सवाल उठाए। उन्होंने उल्लेख किया कि दलबदल विरोधी कानून पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कार्यकाल के दौरान एक संवैधानिक संशोधन के माध्यम से पेश किया गया था, लेकिन अब उस कानून का उल्लंघन किया जा रहा है। श्री राव ने कहा कि यह फैसला न केवल लोकतंत्र का अपमान करता है, बल्कि संविधान और जनता के जनादेश को कमजोर करता प्रतीत होता है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 35^{0}

न्यूनतम : 22^{0}

बिरला जी विश्वास जीते

अध्यक्ष पद से हटाने का विपक्ष का संकल्प लोकसभा में ध्वनि मत से खारिज

नयी दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा ने अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए लाया गया विपक्ष का संकल्प लंबी चर्चा के बाद बुधवार को ध्वनि मत से खारिज कर दिया। कांग्रेस के डॉ. मोहम्मद जावेद तथा कुछ अन्य ने श्री बिरला पर सदन में पक्षपात करने का आरोप लगाते हुए बजट सत्र के पहले चरण के दौरान उन्हें पद से हटाने का संकल्प दिया था जो सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन नौ मार्च की कार्यसूची में शामिल था लेकिन उस दिन इसे पेश नहीं किया गया। मंगलवार को पेश किए जाने के साथ इस पर दो दिन चर्चा हुई और सदन ने आज संकल्प को ध्वनि मत से खारिज कर दिया। संकल्प पर चर्चा में 42 से अधिक सदस्यों ने हिस्सा लिया।

चर्चा के दौरान भी विपक्षी सदस्यों ने अध्यक्ष पर विपक्ष के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार करने के आरोप लगाये। गृहमंत्री अमित शाह ने विपक्षी सदस्यों के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि श्री बिरला सदन का संचालन सबके साथ समान भाव से करते हैं और उनकी नैतिकता पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। उनका कहना था कि इतिहास में तीन संकल्प अध्यक्ष को हटाने के लिए लोकसभा में आये हैं लेकिन संकल्प के निपटान तक सदन में नहीं आने की नैतिकता का परिचय सिर्फ श्री बिरला ने ही दिया है।

ज्ञानेश के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी

संसद में चल रहे बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान विपक्षी दल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त को उसी संसदीय महाभियोग प्रक्रिया के तहत पद से हटाया जा सकता है, जिस प्रक्रिया के जरिए सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश को हटाया जाता है।लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर सदन में चर्चा शुरू होने से पहले विपक्षी दल पहली बार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग की मांग को लेकर नोटिस दाखिल करने की तैयारी कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, इस पूरी प्रक्रिया की योजना बनाने में सक्रिय रूप से शामिल ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक वरिष्ठ सांसद ने बताया कि यह एक सामूहिक प्रयास था और इसे तैयार करने में लगभग दो सप्ताह का समय लगा।

बेखौफ होकर करें स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का इस्तेमाल : ट्रंप

वॉशिंगटन, 11 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी तनाव और सैन्य अभियान को लेकर बड़ा बयान दिया है। ओहियो और केंटकी के दौरे पर रवाना होते समय ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सैन्य अभियान अभी जारी रहेगा और जरूरत पड़ने पर इससे भी कड़ी कार्रवाई की जा सकती है।मीडिया से बातचीत में ट्रंप ने दावा किया कि खअॅरप की सैन्य ताकत को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि ईरान की नौसेना और एयरफोर्स को गंभीर क्षति हुई है और उसके कई प्रमुख नेता भी अब नहीं रहे।

ट्रंप ने कहा, उन्होंने अपनी नौसेना खो दी है, अपनी एयरफोर्स खो दी है और उनके कई बड़े नेता भी अब नहीं रहे। अगर जरूरत पड़ी तो हम इससे भी ज्यादा कड़ी कार्रवाई कर सकते हैं।जब उनसे पूछा गया कि सैन्य अभियान खत्म करने के लिए अमेरिका को और क्या करना होगा, तो ट्रंप ने कहा कि फिलहाल अमेरिका वही रणनीति जारी रखेगा जो अभी अपनाई जा रही है।

उन्होंने कहा, हम वही करते रहेंगे जो अभी कर रहे हैं और देखेंगे कि इसका क्या नतीजा निकलता है।ट्रंप ने वैश्विक तेल आपूर्ति के अहम मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने तेल कंपनियों से कहा कि वे इस मार्ग का बेखौफ होकर इस्तेमाल करें और इससे घबराने की जरूरत नहीं है।राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें ईरान समर्थित समूहों की ओर से अमेरिकी जमीन पर हमले की आशंका को लेकर ज्यादा चिंता नहीं है। उनके मुताबिक अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं और किसी भी खतरे से निपटने के लिए तैयार हैं।इस दौरान जब उनसे उस रिपोर्ट के बारे में पूछा गया जिसमें कहा गया कि अमेरिकी हमले में ईरान के एक स्कूल को निशाना बनाया गया, तो ट्रंप ने कहा कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दें

अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में बारूदी सुरंग बिछाने वाले 16 ईरानी सैन्य जलयानों को नष्ट किया

वाशिंगटन, 11 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका-इजराइल के ईरान पर 28 फरवरी के सैन्य आक्रमण के बाद अब होर्मुज स्ट्रेट युद्ध के मैदान में बदलता दिख रहा है। अमेरिका ने कहा है कि उसकी नौसेना ने मंगलवार को होर्मुज स्ट्रेट में बारूदी सुरंग बिछाने वाले 16 ईरानी जलयानों को नष्ट कर दिया है। दुनियाभर के लिए तेल निकासी की दृष्टि से होर्मुज स्ट्रेट सबसे महत्वपूर्ण जलमार्ग है।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पेंटागन ने पुष्टि की है कि अमेरिका ने मंगलवार को ईरान की माइन बिछाने वाली 16 नावों को नष्ट कर दिया। यूएस सेंट्रल कमांड ने विस्तृत जानकारी दी है। कमांड ने कहा कि अमेरिकी सेना ने मंगलवार को होर्मुज जलडमरूमध्य के पास बारूदी सुरंग बिछाने वाली कम से कम 16 नावों को तहस-नहस कर दिया। अमेरिका का सेंट्रल कमांड मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) में अमेरिकी सैन्य अभियान की देखरेख कर रहा है। सेंट्रल कमांड ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, अमेरिकी सेना ने 10 मार्च को होर्मुज जलडमरूमध्य के पास 16 माइन बिछाने वाली नावों सहित कई ईरानी नेवी के जहाजों को नष्ट कर दिया। पेंटागन और सेंट्रल कमांड के इस दावे के कुछ घंटे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल ट्रुथ पोस्ट में यह संख्या 10 बताई थी। इससे पहले अमेरिकी अधिकारियों ने कहा था कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरंग बिछाने की तैयारी कर रहा है। क्या होते हैं सैन्य जलयान इनके माध्यम से समुद्री क्षेत्र में बारूदी सुरंग बिछाई जाती हैं। इनको माइन बिछाने वाली नाव या बोट भी कहा जाता है। इनका उपयोग दुश्मन के जहाजों और पनडुब्बियों के रास्ते में विस्फोटक सुरंगें बिछाकर समुद्री रास्तों को असुरक्षित बनाने या किसी विशेष क्षेत्र (जैसे बंदरगाह या जलडमरूमध्य) की रक्षा करने के लिए किया जाता है। इनका उपयोग रणनीतिक जलमार्गों में विशेष रूप से दुश्मन के जहाजों की आवाजाही को रोकने के लिए किया जाता है। यह छोटे आकार की तेज रफ्तार नावों से लेकर बड़े विशेषीकृत जहाजों तक हो सकते हैं। अमेरिका को आशंका है कि ईरानी नौसेना इन नावों का उपयोग समुद्री माइन बिछाने के लिए कर रही है। यह नावें वैश्विक तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार के लिए बड़ा खतरा मानी जाती हैं। आधुनिक समय में ऐसी माइन को स्वचालित नावों या रोबोटिक प्रणाली के माध्यम से भी बिछाया जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

ईरान ने रातभर इजराइल पर मिसाइलें दागीं, आईडीएफ का बेरूत में हिजबुल्लाह के गढ़ पर हमला

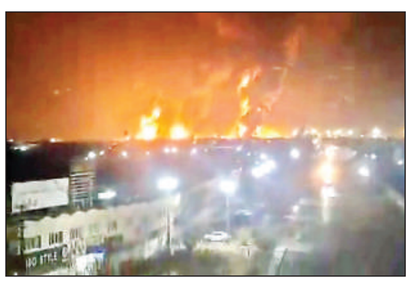

तेल अवीव/तेहरान। अमेरिका और इजराइल के संयुक्त सैन्य अभियान के 12वें दिन अकेले सामना कर रहे ईरान ने बड़ी चुनौती पेश की है। ईरान ने रातभर इजराइल पर मिसाइलें दागी हैं। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने माना है कि ईरान ने रातभर में तीन बार मिसाइलों से हमला किया। ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी ने कहा है कि उसने युद्ध शुरू होने के बाद इजराइल पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया है। दूसरी ओर इजराइल ने रात को लेबनान की राजधानी बेरूत मेंआतंकी समूह हिजबुल्लाह के गढ़ पर हमला किया है। रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ के अधिकारियों ने आज तड़के कहा कि ईरान ने आधीरात के बाद सुबह लगभग साढ़े चार बजे के बीच तीन बार मिसाइलों की बौछार की। अधिकतर मिसाइलों को रोक कर नष्ट्र कर दिया गया। फिलहाल किसी के भी घायल या हताहत होने की खबर नहीं है। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी तसनीम की रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले में कई मिसाइलें दागी गईं, जिनमें लंबी दूरी की खोरमशहर बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल थी। ईरान का कहना है कि इन मिसाइलों से इजराइल के कई ठिकानों और इलाके में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। आईआरजीसी ने कहा है कि उसके हमले तब तक जारी रहेंगे जब तक दुश्मन पूरी तरह हार नहीं मान लेता। आईडीएफ का कहना है कि ईरान से हो रही मिसाइलों की बौछार से प्रभावित क्षेत्रों में खतरे के सायरन बज रहे हैं। लोगों को सुरक्षित स्थान पर भेजा जा रहा है।

अमेरिका बोला- ईरान के मिसाइल उत्पादन ढांचे को करेंगे तबाह, तेहरान का हाइफा की रिफाइनरी पर हमले का दावा

वाशिंगटन/तेहरान। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच अमेरिका ने कहा है कि उसकी सेना ईरान के मिसाइल उत्पादन से जुड़े बुनियादी ढांचे को खत्म करने के लिए अभियान चला रही है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि पिछले 10 दिनों में चलाया गया अमेरिकी सैन्य अभियान काफी सफल रहा है और सैनिक उम्मीद से भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिकी सेना ने अब तक ईरान की नौसेना के 50 से अधिक जहाजों को नष्ट कर दिया है, जिनमें एक बड़ा ड्रोन कैरियर जहाज भी शामिल है। लेविट ने कहा कि यह कार्रवाई अमेरिकी सैन्य अभियान आपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत की जा रही है और इसका उद्देश्य ईरान की मिसाइल तथा सैन्य क्षमताओं को कमजोर करना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को विश्वास है कि अभियान के लक्ष्य जल्द ही हासिल कर लिए जाएंगे। दूसरी ओर, ईरान ने दावा किया है कि उसने इजराइल के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया है। ईरान के खातम अल-अंबिया सशस्त्र बल मुख्यालय के प्रवक्ता के अनुसार ड्रोन हमलों के जरिए हाइफामें स्थित तेल रिफाइनरी और ईंधन भंडारण टैंकों को निशाना बनाया गया।

विदेशी आगंतुकों अमेरिकी कानूनों का करना होगा पालन, नहीं तो छोड़ना होगा देश

वाशिंगटन। अमेरिका की सहायक अटार्नी जनरल हरमीत ढिल्लो ने कहा है कि अमेरिका में आने वाले विदेशी आगंतुकों जिनमें कालेज परिसरों में पढ़ने वाले छात्र भी शामिल हैं, उनको अमेरिकी कानूनों का पालन करना होगा। ऐसा न करने वाले देश में रहने का अधिकार खो सकते हैं। एक साक्षात्कार में ढिल्लो ने कहा कि यदि आगंतुक कानून का उल्लंघन करते हैं या विश्वविद्यालय परिसरों में अव्यवस्था फैलाते हैं तो अधिकारियों को सख्त नियम लागू करने चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका में आने वाले आगंतुकों को कानून का पालन करना होगा, खासकर कालेज परिसरों में वरना उन्हें देश से जाना होगा। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि न्याय विभाग छात्रों के खिलाफ हिंसा या नफरत को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा और उनके नागरिक अधिकारों की रक्षा करेगा। उनकी यह टिप्पणी अमेरिका के कई विश्वविद्यालयों में चल रहे तनाव के बीच आई है। ये तनाव 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हुए हमलों और उसके बाद शुरू हुए मध्य-पूर्व संघर्ष से जुड़े विरोध प्रदर्शनों के बाद बढ़े हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ढिल्लो ने अमेरिकी परिसरों में हुई अशांति का जिक्र करते हुए कहा कि कई प्रमुख विश्वविद्यालयों में यहूदी-विरोध और उग्र विरोध प्रदर्शनों को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं।

दो में से एक सैटेलाइट्स का संपर्क टूटा, ईएसए का मिशन संकट में

वाशिंगटन, 11 मार्च (एजेंसियां)।

सूर्य का अध्ययन करने के लिए भेजे गए यूरोपियन स्पेस एजेंसी (ईएसए) के दो सैटेलाइट्स में से एक का संपर्क अचानक टूट गया है। स्पेस एजेंसी के प्रोबा-3 मिशन के सोलर पैनल सूरज की ओर नहीं रहे और बैटरी तेजी से डिस्चार्ज होने लगी। सैटेलाइट ने स्वयं को सर्वाइवल मोड में डाल लिया और अब यह पृथ्वी से भेजे गए सिग्नल का कोई जवाब नहीं दे रहा। दिसंबर 2024 में भारत के पीएसएलवी राकेट के जरिए लान्च किए गए इस मिशन की सफलता अब गंभीर खतरे में दिख रही है। वैज्ञानिकों ने अभी तक इस तकनीकी खराबी की असली वजह का पता नहीं लगाया है। प्रोबा-3 मिशन में दो यान शामिल हैं - कोरोनोग्राफ और आकुल्टर। इनका काम अंतरिक्ष में कृत्रिम सूर्य ग्रहण उत्पन्न कर सूर्य के बाहरी वातावरण यानी कोरोना की तस्वीरें लेना है। दोनों सैटेलाइट्स को एक-दूसरे से लगभग 150 मीटर की दूरी पर उड़ना होता है और उनकी एलाइनमेंट मिलीमीटर स्तर तक सटीक रखी जाती है। आकुल्टर सूरज की तेज रोशनी को ढकता है, जिससे कोरोनोग्राफ कोरोना की इमेजिंग कर पाता है। जून 2025 में मिशन ने पहली बार सूर्य के कोरोना की ऐतिहासिक तस्वीरें भेजकर वैज्ञानिकों और दुनिया को चौंका दिया था। 6 मार्च 2026 को ईएसए ने जानकारी दी कि कोरोनोग्राफ यान में तकनीकी खराबी के कारण एक चेन रिएक्शन शुरू हो गया। यान ने अपनी दिशा खो दी, सोलर पैनल सूरज की ओर नहीं रहे और बैटरी तेजी से डिस्चार्ज होने लगी। इसके बाद यान सर्वाइवल मोड में चला गया और अब अंतरिक्ष में केवल एक धातु का टुकड़ा तैरता नजर आ रहा है। वैज्ञानिकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि मिशन की सफलता अत्यधिक सटीकता पर निर्भर है। अब ईएसए की टीम सुरक्षित बचे आकुल्टर यान को खराब हुए कोरोनोग्राफ के पास ले जाकर स्थिति का आकलन करने पर विचार कर रही है। यह कदम जोखिम भरा है, लेकिन इससे यह पता लगाया जा सकता है कि यान में कितनी क्षति हुई है और क्या इसे दोबारा सक्रिय किया जा सकता है। यदि अगले कुछ दिनों में संपर्क नहीं सुधरा, तो करोड़ों यूरो के इस मिशन की पूरी सफलता खतरे में पड़ सकती है। प्रोबा-3 का मिशन इस लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सूर्य का कोरोना वह हिस्सा है, जहां से सौर तूफान उत्पन्न होते हैं।

ईरान युद्धः भारत से तेल सप्लाई बंद हुई तो पुतिन के सामने गिड़गिड़ाएगा यूरोप अभी से कांप उठा हंगरी

बुडापेस्ट। दुनिया के राजनीतिक मानचित्र पर एक तरफ युद्ध की लपटें तेज हो रही हैं, तो दूसरी तरफ यूरोपीय अर्थव्यवस्था की धड़कनें ठंडी पड़ती दिखाई दे रही हैं। इस बीच हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिज्जार्टो के एक हालिया बयान ने पूरे यूरोप की बेचैनी को सतह पर ला दिया है। भारत की स्थिति इस पूरे मामले में एक संकटमोचक की रही है। अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को बनाए रखते हुए भारत ने साबित किया कि उसका मध्य मार्ग सबसे सटीक था। हालांकि, यदि समुद्री बीमा और माल ढुलाई की लागत बढ़ती है, तो भारत के लिए भी चुनौतियां बढ़ेंगी। यह स्थिति स्पष्ट करती है कि ऊर्जा सुरक्षा के बिना कोई भी राष्ट्र केवल अपनी राजनीतिक विचारधारा के दम पर आगे नहीं बढ़ सकता। अंतरराष्ट्रीय कानून के संदर्भ में देखें तो रूस पर लगे प्रतिबंध पश्चिमी देशों के अपने निजी फैसले हैं, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र का वैश्विक समर्थन प्राप्त नहीं है। यही कारण है कि भारत और चीन जैसे देश अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप व्यापार करने के लिए स्वतंत्र हैं। अब सवाल यह है कि क्या यूरोप अपनी ईगो को किनारे रखकर ऊर्जा वास्तविकता को स्वीकार करेगा पिछले दो वर्षों से यूरोपीय देश जिस रूसी तेल का उपयोग भारत की रिफाइनरियों के रास्ते कर रहे थे, अब उस पर संकट के गहरे बादल मंडरा रहे हैं। मध्य पूर्व में ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते बारूदी संघर्ष ने ब्रुसेल्स के रणनीतिकारों को हिलाकर रख दिया है। डर इस बात का है कि यदि भारत से होने वाली तेल की आपूर्ति बाधित हुई, तो यूरोप का ऊर्जा सूरज हमेशा के लिए अस्त हो सकता है। यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप ने नैतिकता का हवाला देकर रूसी कच्चे तेल पर कड़े प्रतिबंध लगाए थे, लेकिन अपनी अर्थव्यवस्था को चालू रखने के लिए उसने एक पिछले दरवाजे का सहारा लिया। भारत ने रूस से रियायती दरों पर कच्चा तेल खरीदा, उसे अपनी उन्नत रिफाइनरियों में संसाधित किया और फिर डीजल व जेट फ्यूल के रूप में यूरोप को निर्यात किया। तकनीकी रूप से यूरोप जिन विमानों और गाड़ियों को दौड़ा रहा था, उनका मूल स्रोत रूस ही था।

तीसरे विश्व युद्ध में हो सकता है 12 हजार न्यूक्लियर मिसाइलों का उपयोग

वाशिंगटन, 11 मार्च (एजेंसियां)।

तीसरे विश्व युद्ध के दौरान यदि दुनिया भर की करीब 12,000 न्यूक्लियर मिसाइलों का उपयोग होता है, तो अनुमानित 5 अरब लोग मारे जाएंगे और पूरी पृथ्वी न्यूक्लियर विंटर यानी परमाणु शीत की चपेट में आ जाएगी। इस स्थिति में दस साल तक दुनिया के बड़े हिस्सों में बर्फबारी और अत्यधिक ठंड बनी रहेगी। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध की दहलीज पर खड़ा कर दिया है। विशेषज्ञों और हालिया वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, इस भीषण परिदृश्य में केवल दो देश - आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड - ही जीवित रहने में सक्षम हो सकते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इन देशों की भौगोलिक स्थिति उन्हें परमाणु शीत की मार के बावजूद कृषि और जीवन बनाए रखने में मदद करेगी। एनी जैकबसन, जो न्यूक्लियर वार: ए सिनेरियो की लेखिका और आर्मगेडन विशेषज्ञ हैं, ने चेतावनी दी कि परमाणु विस्फोटों से निकलने वाली आग 100 मिलियन डिग्री सेल्सियस तक गर्म हो सकती है। उन्होंने कहा कि शुरुआती धमाकों में करोड़ों लोग मारे जाएंगे, लेकिन असली तबाही उसके बाद शुरू होगी। कृषि प्रधान क्षेत्रों जैसे आयोवा और यूक्रेन में दस साल तक बर्फ और ठंड की वजह से खेती पूरी तरह विफल हो जाएगी, जिससे लोग भूख और हालात की मार से मरेंगे। जैकबसन ने कहा कि ओजोन परत को नुकसान और रेडिएशन की मौजूदगी स्थिति को और भयावह बना देगी। आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में लोग जीवित तो रहेंगे, लेकिन उन्हें अंधेरे में रहना होगा, भोजन के लिए संघर्ष करना होगा और रेडिएशन से बचने के लिए भूमिगत आश्रय लेना होगा। हालांकि इन देशों की समुद्र से दूरी और भौगोलिक स्थिति उन्हें तापमान में कटौती और कुछ हद तक सुरक्षित रहने में मदद करेगी। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष लगातार बढ़ रहा है। इजरायल, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है, और दोनों पक्षों से हमले और पलटवार हो रहे हैं। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले चार साल से युद्ध जारी है, जबकि अफगानिस्तान में तालिबान ने परमाणु संपन्न पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की धमकी दी है।

राष्ट्रपति ट्रंप का अनुमान फेल, अमेरिका पर उम्मीद से ज्यादा भारी पड़ रहा ईरान

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच छिड़ा सैन्य संघर्ष अब अमेरिकी सेना के लिए उम्मीद से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। पेंटागन द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, ईरान के हमले में घायल एक और अमेरिकी सैनिक की मौत हो गई है, जिससे इस युद्ध में अब तक मारे गए अमेरिकी सैनिकों की कुल संख्या बढ़कर सात हो गई है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पुष्टि की है कि यह सैनिक 1 मार्च को सऊदी अरब स्थित एक सैन्य ठिकाने पर हुए ईरानी हमले में गंभीर रूप से घायल हुआ था। उसे बेहतर इलाज के लिए जर्मनी भेजने की तैयारी चल रही थी, लेकिन शनिवार रात उसने दम तोड़ दिया। माना जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुमान से कहीं ज्यादा भारी पड़ रहा है ईरान। यह क्षति ऐसे समय में हुई है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में डोवर एयर फोर्स बेस पर उन छह सैनिकों के पार्थिव शरीरों की अगवानी की थी, जो कुवैत के शुआइबा पोर्ट पर हुए ड्रोन हमले में मारे गए थे।

संत थिरुमंगई अलवर की 16वीं सदी की दुर्लभ कांस्य प्रतिमा भारत को लौटाएगा ब्रिटेन

यह मूर्ति करीब 500 साल पहले तमिलनाडु के साउंडरराजा पेरुमल मंदिर से ले जाई गई थी

ब्रिटेन, 11 मार्च (एजेंसियां)।

ब्रिटेन ने दक्षिण भारत के वैष्णव संत थिरुमंगई अलवर की 16वीं सदी की दुर्लभ कांस्य प्रतिमा भारत लौटाने का फैसला किया है। यह मूर्ति करीब 500 साल पहले तमिलनाडु के साउंडरराजा पेरुमल मंदिर से ले जाई गई थी और 1967 में नीलामी के जरिए म्यूजियम तक पहुंची थी। रिसर्च और जांच के बाद अब इसे अपने मूल स्थान पर लौटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संत थिरुमंगई अलवर दक्षिण भारत के 12 वैष्णव अलवर संतों में अंतिम और बेहद प्रसिद्ध माने जाते हैं। वे 8वीं सदी के महान भक्त और कवि थे, जिनका असली नाम कलियान था और पहले वे सैन्य कमांडर थे। आध्यात्मिक परिवर्तन के बाद उन्होंने भक्ति मार्ग अपनाया और दिव्य प्रबंधम नामक तमिल भक्ति साहित्य में छह अहम रचनाएं लिखीं, जिसमें भगवान विष्णु को समर्पित 4000 भक्ति स्तोत्र शामिल हैं। उन्होंने श्रीरंगम मंदिर के निर्माण और विस्तार में भी योगदान दिया। कांस्य से बनी यह प्रतिमा करीब 57-60 सेंटीमीटर ऊंची है। म्यूजियम ने यह मूर्ति 1967 में प्रसिद्ध नीलामी संस्था सूथेबी से खरीदी थी। उस समय इसे खरीदा गया, लेकिन प्रतिमा के पहले के इतिहास के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं थी।

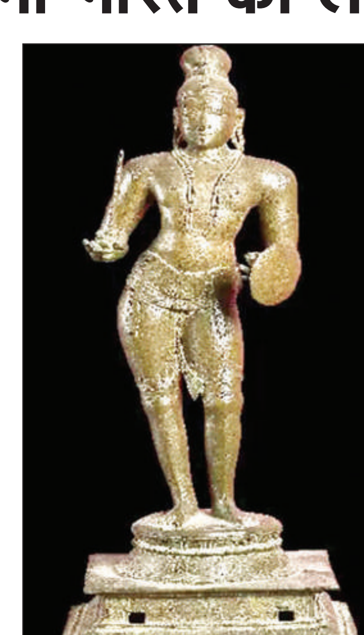

रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में फ्रांसीसी रिसर्चर ने पुडुचेरी के अभिलेखागार में 1957 में मंदिर में खींची गई मूर्ति की तस्वीर देखी, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि मूर्ति चोरी हुई थी। इसके बाद म्यूजियम ने इसकी उत्पत्ति की जांच शुरू की और भारत के उच्चायोग से संपर्क किया। 11 फरवरी 2020 को मंदिर के अधिकारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें बताया गया कि मंदिर में रखी मूल कांस्य प्रतिमा की जगह आधुनिक प्रतिकृति रख दी गई थी। इसके बाद 3 मार्च 2020 को भारतीय उच्चायोग ने म्यूजियम में औपचारिक दावा पेश किया। ऐशमोलियन म्यूजियम ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अनुरोध पर मूर्ति की धातु संरचना की जांच भी करवाई। म्यूजियम के निदेशक ने कहा कि हमें खुशी है कि यह कलाकृति भारत लौट रही है। हम भारतीय अधिकारियों और विद्वानों के आभारी हैं जिन्होंने इसके इतिहास को स्थापित करने में मदद की।

रिपोर्ट के मुताबिक सांस्कृतिक कार्यकर्ता और इंडिया प्राइड प्रोजेक्ट ने बताया कि मूर्ति तमिलनाडु के साउंडरराजा पेरुमल मंदिर से जुड़ी है और 1957 की तस्वीरों के जरिए इसकी पहचान हुई। भारत लौटाने की पूरी प्रक्रिया में करीब आठ साल लगे।

नेपाल में वामपंथी दल दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए

काठमांडू, 11 मार्च (एजेंसियां)।

पांच मार्च को हुए संसदीय चुनाव में जहां राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को अभूतपूर्व सफलता मिली है और यह दल दो तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रहा है, वहीं लंबे समय से सत्ता पर कब्जा जमाए हुए वामपंथी दलों के लिए दहाई का आंकड़ा पार करना भी मुश्किल हो गया है।

प्रत्यक्ष मत परिणाम आने के बाद नेपाल के प्रमुख वामपंथी दल को 10 सीट भी नहीं मिली हैं। पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली के नेतृत्व वाले सीपीएन यूएमएल को सिर्फ 9 सीटे मिली है जबकि पूर्व प्रधानमंत्री पुष्कमल दहाल प्रचण्ड के नेतृत्व वाले नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को सिर्फ 7 सीट ही मिल पाई। इसके अलावा पूर्व प्रधानमंत्री डा बाबूराम भट्टराई के नेतृत्व वाले प्रगतिशील लोकतांत्रिक पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली। इसी तरह माओवादी सहित अन्य छोटे वामपंथी दलों का भी सूपड़ा साफ हो गया है। भारत के विरोध में राष्ट्रवाद की राजनीति कर सत्ता तक पहुंचने वाले वामपंथी दलों को इस बार जनता ने सिरे से खारिज कर दिया है। नेपाल में 1990 के जन आंदोलन के बाद से दशकों तक राजनीति पर प्रभाव बनाए रखने वाले कम्युनिस्ट दल अब अभूतपूर्व अस्तित्व संकट का सामना कर रहे हैं। विश्लेषकों और हालिया चुनाव परिणामों के अनुसार, कम्युनिस्ट दलों का प्रभाव तेजी से घट रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसका मुख्य कारण नेतृत्व के भीतर लगातार विवाद और अस्थिर नीतियां हैं, जिससे आने वाले वर्षों में कम्युनिस्ट प्रभाव और कम होने की आशंका जताई जा रही है। ऐतिहासिक रूप से नेपाल में कम्युनिस्ट दलों की स्थिति उतार-चढ़ाव भरी रही है। वर्ष 1959 के पहले आम चुनाव में 109 सीटों में से कम्युनिस्ट पार्टी आफ नेपाल को केवल चार सीटें मिली थीं, जबकि नेपाली कांग्रेस ने 74 सीटें जीतकर दो-तिहाई बहुमत हासिल किया था। पंचायत व्यवस्था समाप्त होने के बाद कम्युनिस्ट गुट धीरे-धीरे नेपाली कांग्रेस के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी के रूप में उभरने लगे। 1991 के चुनाव में 205 सीटों में से सीपीएन-यूएमएल ने 69 सीटें जीतीं, यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट ने 9 सीटें और नेपाल वर्कर्स एंड पीजेंट्स पार्टी ने 2 सीटें हासिल कीं। 1994 के मध्यावधि चुनाव में यूएमएल ने 88 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनने में सफलता पाई, जबकि वर्कर्स एंड पीजेंट्स पार्टी को चार सीटें मिलीं।

1990 के संविधान के तहत हुए अंतिम चुनाव (1999) में यूएमएल ने 71 सीटें जीतीं, राष्ट्रीय जनमोर्चा को 5, वर्कर्स एंड पीजेंट्स पार्टी को 1 और यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट को 1 सीट मिली। एक दशक लंबे माओवादी विद्रोह और 2006 के 19-दिवसीय जनआंदोलन के बाद 2008 में हुई संविधान सभा चुनाव कम्युनिस्ट दलों के लिए चरम सफलता का दौर साबित हुए। उस समय सीपीएन (माओवादी) ने 601 में से 220 सीटें जीतीं, यूएमएल को 103, सीपीएन (एमएल) को 8, जनमोर्चा नेपाल को 5, सीपीएन यूनाइटेड को 5, राष्ट्रीय जनमोर्चा को 3 और वर्कर्स एंड पीजेंट्स पार्टी को 2 सीटें मिलीं। इस तरह संविधान सभा में कम्युनिस्ट दलों का व्यापक प्रभाव स्थापित हो गया था। हालांकि बाद के वर्षों में कम्युनिस्ट गुटों के बीच विभाजन और आंतरिक संघर्ष के कारण उनकी चुनावी ताकत कमजोर होती चली गई। 2013 के संविधान सभा चुनाव में माओवादी पार्टी की सीटें घटकर 80 रह गईं, जबकि यूएमएल 175 सीटों तक पहुंच गई। वहीं सीपीएन (एमएल) को 5, वर्कर्स एंड पीजेंट्स पार्टी को 4, राष्ट्रीय जनमोर्चा को 3 और सीपीएन यूनाइटेड को 3 सीटें मिलीं। इसके बावजूद कम्युनिस्ट दलों का समग्र प्रभुत्व पहले की तुलना में कमजोर हो गया। 2017 में प्रमुख कम्युनिस्ट दलों के लेफ्ट एलायंस में एकजुट होने से उन्हें फिर से संसदीय बहुमत मिला, जो 2022 के चुनाव तक जारी रहा। लेकिन फाल्गुन 21 को हुए ताजा चुनावों में छोटे कम्युनिस्ट दल लगभग पूरी तरह समाप्त हो गए हैं और केवल यूएमएल तथा नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी की सीमित उपस्थिति ही बची है। शहरी मतदाताओं के मतदान पैटर्न से स्पष्ट संकेत मिलता है कि उन्होंने कम्युनिस्ट दलों को नकार दिया है। विश्लेषकों का मानना है कि यह स्थिति 1950 के शुरुआती दशक में उनके कमजोर प्रभाव जैसी हो सकती है। यदि दलों ने गंभीर सुधार नहीं किए, तो नेपाली राजनीति में उनकी भूमिका और सीमित हो सकती है।

अध्यक्ष की व्यवस्थाओं को किसी सदस्य के अहम् का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए : रविशंकर प्रसाद

नयी दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के रविशंकर प्रसाद ने लोक सभा में बुधवार कहा कि अध्यक्ष सदन का मुखिया होता है और उनकी ओर से दी गयी व्यवस्थाओं को किसी सदस्य के अहम् का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए।

श्री प्रसाद ने अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि विपक्षी सदस्यों की ओर से लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर बार-बार सवाल उठाये जा रहे हैं, तो वह उन्हें याद दिलाना चाहते हैं कि आपात काल के दौरान लोकतांत्रिक मूल्यों को दरकिनार कर इसी सदन का कार्यकाल पांच से बढ़ाकर छह वर्ष किया गया था। उन्होंने कहा कि सदन का संचालन नियमों और प्रक्रियाओं से होता है, किसी सदस्य को यहां अराजकता करने नहीं दी जा सकती।

श्री प्रसाद ने सदन विपक्ष के नेता के कर्तव्यों और दायित्वों का जिक्र करते हुए श्री राहुल गांधी का नाम लिया और कहा कि उन्हें नियम पढ़ाये जाने चाहिए। इस पर श्री गांधी ने कहा कि उनका नाम लिया गया है, अत: उन्हें बोलने का मौका दिया जाना चाहिए। पीठासीन दिलीप सैकिया ने कहा कि श्री प्रसाद के वक्तव्य के बाद उन्हें मौका दिया जायेगा। उन्हें अनुमति न मिलने पर कांग्रेस सदस्य शोरशराबा करते हुए सदन के बीचोबीच आ गये।

इसके बाद श्री सैकिया ने श्री गांधी को बोलने का अवसर दिया तब श्री गांधी ने कहा कि उन्हें अक्सर बोलने का मौका नहीं दिया जाता है। यह किसी एक दल का सदन नहीं है, जब भी वह बोलने के लिए खड़े होते हैं, उन्हें मौका नहीं दिया जाता।

समाजवादी पार्टी के आनंद भदौरिया ने कहा कि विपक्ष की ओर से यह अविश्वास प्रस्ताव अध्यक्ष के पद की गरिमा बचाने और आसन के अधिकारों के संरक्षण और सत्ता पक्ष के रवैये के विरोध में लाया गया है। उन्होंने कहा कि सदन की गरिमा बनाये रखना विपक्ष से ज्यादा सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि कुछ महिला सांसद सदन में प्रधानमंत्री की सीट की ओर आ गयीं तो प्रधानमंत्री की जान को खतरा बताया गया। इजरायल-गाजा संकट के बाद कोई राष्ट्राध्यक्ष इजरायल नहीं गया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इजरायल गये। उनके वहां जाने के कुछ ही घंटों बाद इजरायल-ईरान युद्ध शुरू हो गया, तब क्या प्रधानमंत्री की जान को खतरा नहीं हुआ?

उन्होंने ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला खामनेई की इजरायल अमेरिका के हमले के दौरान मारे जाने को शहादत करार देते कहा कि उन्होंने अमेरिका के आगे घुटे नहीं टेके। उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में सरकार पर अमेरिका के आगे घुटने टेक देने का आरोप लगाया।

श्री भदौरिया ने कहा कि वह सदन में महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और महिलाओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार के मामले उठाने आते हैं लेकिन उन्हें पर्याप्त अवसर नहीं दिया जाता।

श्री भदौरिया ने कहा, राहुल जी ने खोली है मोहब्बत की दुकान, क्योंकि नफरती लोगों को प्यार की जरूरत है। जीत ने अंधा कर दिया है तुम्हें, एक हार की जरूरत है।

भारतीय विमान सेवा कंपनियां रियाद के लिए गुरुवार से शुरू करेंगी उड़ानें

नयी दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय विमान सेवा कंपनियां सऊदी अरब की राजधानी रियाद के लिए 12 मार्च से उडानें शुरू करेंगी।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय की मंगलवार देर रात जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस 12 मार्च से रियाद के लिए उड़ानें शुरू करने वाली हैं। इसी तारीख से इंडिगो भी मुंबई और रियाद के बीच उड़ानें शुरू करेगी। अकासा एयर ने भी गुरुवार से दोनों शहरों के बीच उड़ानें शुरू करने का फैसला किया है। मंत्रालय ने बताया कि सभी विमान सेवा कंपनियों को सुरक्षा स्थिति पर पूरी तरह विचार करने के बाद ही उड़ानों के परिचालन की अनुमति दी जा रही है।

इंडिगो ने बुधवार को पश्चिम एशिया के आठ शहरों के लिए कुल 38 उड़ानों का परिचालन करने की बात कही है। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी आज संयुक्त अरब अमीरात के लिए 36 विशेष उड़ानों समेत कुल 58 उड़ानों के परिचालन की बात कही है। उनकी 22 शिड्यूल उड़ानें सऊदी अरब के जेद्दा और ओमान के मस्कट के लिए होंगी।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण 28 फरवरी को क्षेत्र के लिए सभी उड़ानें बंद कर दी गयी थीं। अब धीरे-धीरे परिचालन फिर शुरू किया जा रहा है।

मंत्रालय के अनुसार, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने विभिन्न देशों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करके भारतीय एयरलाइंस कंपनियों के लिए ओमान के मस्कट को पश्चिम एशियाई शहरों दुबई, अबु धाबी, शारजाह, रस-अल-खैमा, अल-अलाम, फुजैरा, जेद्दा और मदीना का वैकल्पिक हवाई अड्डा घोषित किया है।

मंत्रालय ने बताया कि 09 मार्च को विभिन्न पश्चिम एशियाई शहरों से कुल 45 उड़ानें भारत आयीं जिनमें 7,407 यात्री थे।

ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई 'पूरी तरह सुरक्षित'

राष्ट्रपति के पुत्र ने चोटिल होने की खबरों का किया खंडन

तेहरान, 11 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर जारी अटकलों के बीच को एक बड़ा स्पष्टीकरण सामने आया है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के पुत्र, यूसुफ पेजेशकियन ने बुधवार को पुष्टि की कि नये सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई पूरी तरह सुरक्षित और स्वस्थ हैं।

श्री पेजेशकियन ने अपने टेलीग्राम चैनल पर एक पोस्ट के माध्यम से यह जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि कुछ मित्रों, जिनके उच्च स्तर पर संपर्क हैं, उन्होंने उन्हें आश्वस्त किया है कि सर्वोच्च नेता स्वस्थ्य एवं सुरक्षित हैं उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुँचा है।

इससे पहले कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों में दावा किया जा रहा था कि पिछले दिनों ईरान पर हुए अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हवाई हमलों में श्री मोजतबा खामेनेई घायल हो गए थे। नियुक्ति के 48 घंटों बाद भी उनके सार्वजनिक रूप से सामने न आने के कारण इन अफवाहों को और बल मिला था। हालांकि, राष्ट्रपति के परिवार की ओर से आए इस बयान के बाद अब उनके स्वास्थ्य को लेकर बनी अनिश्चितता समाप्त होने की उम्मीद है।

श्री मोजतबा खामेनेई को हाल ही में उनके पिता आयतुल्लाह अली खामेनेई के निधन के बाद ईरान का तीसरा सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया है। वर्तमान में क्षेत्र में जारी युद्ध के कारण उनकी सुरक्षा को लेकर कड़े प्रबंध किए गए हैं।

ईरान के 16 माइनलेयर जहाजों को नष्ट करने का अमेरिका का दावा

वाशिंगटन , 11 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान के समुद्री सुरंग बिछाने वाले (माइनलेयर्स) 16 जहाजों पर हमला किया है।

कमांड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अमेरिकी सेना ने 10 मार्च को होर्मुज जलडमरूमध्य के पास 16 माइनलेयर्स सहित कई ईरानी नौसैनिक जहाजों को नष्ट कर दिया। पोस्ट में शामिल एक वीडियो में दिखाया गया है कि नौ जहाजों पर हमला किया, जिनमें से अधिकांश हमले के समय लंगर डाले हुए प्रतीत हो रहे थे। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर बड़े पैमाने पर हमले शुरू किए जाने के बाद से क्या ईरान ने समुद्री सुरंगें बिछाई थीं या नहीं।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के नौसेना कमांडर अलीरेज़ा तंगसिरी ने मंगलवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले अमेरिका और उसके सहयोगियों के बेड़े की आवाजाही को रोकने के लिए मिसाइलों और पनडुब्बियों का उपयोग करेगा। इस पोस्ट में अमेरिका के उन पिछले दावों को खारिज कर दिया गया जिसमें कहा गया था कि उसकी नौसेना इस महत्वपूर्ण जलमार्ग से गुजरने वाले तेल टैंकरों को सुरक्षा प्रदान कर रही है।

संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास (अंकटाड) ने कल कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात में हालिया व्यवधानों ने ऊर्जा बाजारों, समुद्री परिवहन और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है, जिसने व्यापक चिंताएं बढ़ा दी है।

एक रिपोर्ट में अंकटाड ने कहा कि क्षेत्र में सैन्य तनाव ने होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से होने वाले परिवहन को बाधित किया है। यह एक महत्वपूर्ण मार्ग है जहाँ से वैश्विक समुद्री तेल व्यापार का लगभग एक तिहाई हिस्सा, साथ ही बड़ी मात्रा में तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) और उर्वरकों का परिवहन होता है।

रिचार्ज खत्म होने पर इनकमिंग कॉल बंद करने का मुद्दा उठा राज्यसभा में

नयी दिल्ली , 11 मार्च (एजेंसियां)। मोबाइल फोन का रिचार्ज खत्म होने पर इनकमिंग कॉल भी बंद किये जाने का मुद्दा बुधवार को राज्यसभा में उठा और मोबाइल ऑपरेटरों की इस मनमानी पर रोक लगाये जाने तथा इनकमिंग कॉल की गारंटी सुनिश्चित करने की मांग की गयी। आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा ने शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि मोबाइल फोन आजकल लोगों की जीवनरेखा बन चुका है लेकिन मोबाइल ऑपरेटर रिचार्ज खत्म होने के साथ ही इनकमिंग कॉल भी बंद करते हैं जिससे फोन ठप हो जाता है। उन्होंने कहा कि यह एक तरह से संचार के अधिकार को बंद करना जैसा है।

उन्होंने मांग की कि सरकार को मोबाइल ऑपरेटरों की मनमानी पर रोक लगाने के लिए अंतिम रिचार्ज के बाद तीन साल तक इनकमिंग की सुविधा देने , केवल इनकमिंग कॉल के लिए सस्ता प्लान लाने , और बंद हो चुके सिम के नम्बर को तीन साल तक किसी और को आवंटित नहीं के लिए विशेष नियम बनाने चाहिए।

सदस्य ने महीने के नाम पर केवल 28 दिन के रिचार्ज की व्यवस्था को भी बंद करने तथा इसे तीस दिन करने की मांग की।

भाजपा के दिनेश शर्मा ने माता पिता के निधन पर निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को सवैतनिक शोक अवकाश दिये जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि कनाड़ा आदि देशों में इस तरह का अवकाश दिया जाता है। उन्होंने कहा कि शास्त्रों में माता पिता की सेवा को सर्वोपरि तथा अंतिम संस्कार करने को अनिवार्य धर्म बताया गया है। उन्होंने इसे संविधान के तहत मौलिक अधिकार बताते हुए कर्मचारी को अर्जित अवकाश से अलग अवकाश दिये जाने की मांग की।

आम आदमी पार्टी के अशोक कुमार मित्तल ने विदेश ले जाने के नाम पर लोगों के साथ धोखाधड़ी का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में भारत के हजारों लोग बंधक का जीवन जी रहे हैं। उन्होंने इस समस्या से निपटने के लिए स्थायी ग्लोबल प्रोटोकाल बनाये जाने की मांग की।

समाजवादी पार्टी के रामजी लाल सुमन ने स्कूली पाठ्यक्रम में संविधान को अनिवार्य विषय के रूप में पढाये जाने की मांग की। कांग्रेस के नीरज डांगी ने मैदानों में रैलियों तथा अन्य कार्यक्रमों में अस्थायी ढांचों के निर्माण पर होने वाले भारी भरकम खर्च पर रोक लगाने के लिए इनमें स्थायी संरचना बनाये जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे सरकारी धन की बचत होगी और कार्यक्रमों का प्रबंधन भी अच्छा रहेगा। यह जगह जनहित के सभी सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों में काम में लायी जा सकती है। उन्होंने कहा कि इसके लिए नीतिगत योजना के तहत बहुउद्देशीय स्थल बनाये जाने चाहिए जिससे कि संसाधनों की बर्बादी को रोका जा सके।

अन्ना द्रमुक के तंबी दुरै ने राजधानी के सरदार पटेल मार्ग पर जाम का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इस सड़क पर होटलों ने अतिक्रमण किया हुआ है जिसे हटाकर इस सड़क को चौड़ा किये जाने की जरूरत है।

बीजू जनता दल की सुलता देव ने स्वास्थ्य सेवाओं की कमी का मुद्दा उठाते हुए सरकारी अस्पतालों में सुविधाएं बढाये जाने की मांग की।

देश में किफायती दामों पर है इंटरनेट उपलब्ध : वैष्णव

नयी दिल्ली , 11 मार्च (एजेंसियां)। सरकार ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि देश में किफायती दामों पर लोगों को इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है और वर्तमान में 103 करोड़ लोगों तक इंटरनेट की कनेक्टीविटी है जबकि 2014 में यह मात्र 25 करोड़ लोगों थी।

केंद्रीय इलेक्ट्रोनिकस एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्वनी वैष्णव ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में सरकार ने डिजिटल इंडिया के माध्यम से डिजिटल इनक्लूजन के लिए तीन फ्रंट पर काम किया है। सबसे पहले इंटरनेट को सब तक पहुंच को बढाना, उसके दाम को कम करना और तीसरा डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराना शामिल है।

उन्होंने कहा कि जहां 2014 में मात्र 25 करोड लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करते थे वहीं आज 103 करोड़ लोगों तक इसकी पहुंच है। उन्होंने कहा कि आज भारत में इंटरनेट सबसे किफायती माना जाता है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट के लिए वैश्विक स्तर पर जो औसत टैरिफ लगता है उससे 25 गुना भारत में कम है।

श्री वैष्णव ने कहा कि एआई सम्मेलन के दौरान रोबोट को लेकर जो विवाद उत्पन्न हुआ उस पर तुरंत कार्रवाई की गयी और उस विश्वविद्यालय के स्टाल को सम्मेलन स्थल से हटा दिया गया।

केन्द्रीय मंत्री ने रेल मंत्रालय से संबंधित एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि मुंबई में रेल आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए कई परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए कवच परियोजना पर भी काम तेजी से चल रहा है।

उच्चतम न्यायालय ने पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी

नयी दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को गाजियाबाद के एक युवक को जीवन रक्षक प्रणाली हटाकर 'पैसिव यूथेनेशिया' (निष्क्रिय इच्छामृत्यु) की अनुमति दे दी।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने यह फैसला सुनाया, जो न्यायालय के 2018 के 'कॉमन कॉज' निर्णय (जिसे 2023 में संशोधित किया गया था) पर आधारित है, जिसमें गरिमा के साथ मरने को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी गयी थी।

हरीश राणा (31 वर्षीय) एक इमारत से गिरने के बाद से पिछले 13 वर्षों से चेतना-शून्य अवस्था में हैं। मस्तिष्क की चोट के कारण सभी अंग पूरी तरह लकवाग्रस्त हो गये थे और वह 'परसिस्टेंट वेजिटेटिव स्टेट' (पीवीएस) की स्थिति में चले गये थे।

मेडिकल रिपोर्टों के अनुसार, पिछले 13 वर्षों में उनकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। वह केवल सर्जरी के माध्यम से लगाए गए पीईजी ट्यूबों द्वारा दिए जाने वाले चिकित्सकीय पोषण के सहारे जीवित हैं।

पीठ ने पिता की ओर से दायर उन आवेदनों पर यह आदेश पारित किया, जिसमें उन्होंने अपने बेटे को लगाये गये सभी जीवन रक्षक उपकरणों को हटाने की मांग की थी।

अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में भी सरकार कर रही है परंपरा का उल्लंघन : कांग्रेस

नयी दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाये अपने प्रस्ताव पर जारी चर्चा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गैर मौजूदगी को लेकर सवाल उठाए और कहा कि सरकार इसमें भी परंपराओं और नियमों का उल्लंघन कर रही है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जय राम रमेश ने बुधवार को यहां एक बयान में कहा कि लोकसभा अध्यक्ष को हटाने के प्रस्ताव पर मंगलवार को हुई बहस के दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने गर्व से दावा किया कि इस बहस के लिए 10 घंटे का समय दिया गया है, जबकि दिसंबर 1954 में इसी तरह के एक प्रस्ताव के लिए केवल ढाई घंटे निर्धारित किए गए थे। उन्होंने कहा कि श्री रिजिजू शायद यह बताना भूल गए कि 18 दिसंबर 1954 को स्वयं प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु बहस के दौरान सदन में मौजूद रहे और उसमें हिस्सा भी लिया था। सदन में बोलते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू ने सदन की अध्यक्षता कर रहे उपाध्यक्ष से अनुरोध किया था कि बहस के समय का अधिकांश हिस्सा विपक्ष को दिया जाए। लोकसभा में जब यह प्रस्ताव लाया गया था तो तब 489 सदस्यों वाली लोकसभा में कांग्रेस के 364 सांसद थे।

रिलायंस इंडस्ट्रीज़ 300 अरब डॉलर की तेल रिफाइनरी में साझेदार होगी : ट्रंप

वाशिंगटन, 11 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है उनके देश में पचास साल बाद बनने वाली 300 अरब डॉलर की पहली तेल रिफाइनरी में भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज़ समूह साझेदार होगी।

श्री ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पेज ट्रुथ सोशल पर यह जानकारी दी है।

उन्होंने कहा, इस ज़बरदस्त निवेश के लिए भारत में हमारे साझेदार और उनकी सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी, रिलायंस को धन्यवाद।

श्री ट्रंप ने कहा, अमेरिका असली ऊर्जा प्रभुत्व की ओर लौट रहा है , आज मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग, ब्राउन्सविले, टेक्सास में 50 साल में पहली नई अमरीकी तेल रिफाइनरी खोल रही है। यह एक ऐतिहासिक 300 अरब डॉलर की डील है - अमरीकी इतिहास की सबसे बड़ी, अमेरिकी लोगों, ऊर्जा और दक्षिण टेक्सास के लोगों के लिए एक बड़ी जीत।

उन्होंने आगे कहा: 'यह हमारे अमेरिका फर्स्ट एजेंडा, परमिट को आसान बनाने और कर कम करने की वजह से है, जिसकी वजह से हमारे देश में अरबों डॉलर की डील वापस आ रही हैं।'

उन्होंने कहा कि ब्राउन्सविले पोर्ट पर एक नई रिफाइनरी, अमरीकी बाजार को बढ़ावा देगी, इसकी राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करेगी, अमेरिकन ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाएगी और अरबों डॉलर की अर्थव्यवस्था पर असर डालेगी।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित रिफाइनरी दुनिया की सबसे साफ-सुथरी होगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अभी इस विषय पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

जब संजय लीला भंसाली की इच्छामृत्यु पर आधारित फिल्म बनाने पर हुआ था हल्ला

विवादों में रही थी फ्लॉप फिल्म

हरीश राणा की इच्छामृत्यु के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाते हुए मेडिकल सपोर्ट सिस्टम हटाने का आदेश जारी कर दिया है। हरीश राणा 13 साल से अचेत अवस्था में हैं और उन पर डॉक्टरी इलाज का भी कोई प्रभाव नहीं हो रहा है। यह केस जितना मार्मिक है, उतना ही दिल को दहला देने वाला है क्योंकि किसी भी माता-पिता के लिए अपने ही बच्चे की इच्छामृत्यु मांगना दुनिया का सबसे ज्यादा पीड़ा देने वाला काम है। इस केस ने संजय लीला भंसाली की उस फिल्म की याद दिला दी, जिसे लेकर बवाल हुआ था। इच्छामृत्यु जैसे संवेदनशील विषय पर संजय लीला भंसाली की फिल्म 'गुजारिश' विवादों में रही थी। विवाद कई चीजों को लेकर था, जिसमें फिल्म की स्क्रिप्ट चोरी होने से लेकर भारत में इच्छा मृत्यु गैर-कानूनी का होना शामिल था, लेकिन पहले बात करते हैं फिल्म की। संजय लीला भंसाली की हर फिल्म बॉक्स ऑफिस से लेकर दर्शकों के दिलों पर राज करती है, लेकिन गुजारिश ऐसी फिल्म थी, जिसे देखने के लिए मेकर्स ने फैंस से गुजारिश की थी; हमारा मतलब है कि बड़े बजट और यूनिक विषय पर बनी फिल्म अपना बजट तक नहीं निकाल पाई।

फिल्म के रिलीज के बाद आदित्य देवन नाम के एक वकील ने दिल्ली हाईकोर्ट में फिल्म के खिलाफ याचिका डाली थी। उस वक्त वकील का दावा था कि फिल्म इच्छा मृत्यु जैसे संवेदनशील विषय पर बनी है, जो भारत में गैरकानूनी है। ऐसे में फिल्म में खुले तौर पर ऐसी चीजों को दिखाना इच्छा मृत्यु को बढ़ावा देना है। फिल्म के विषय को लेकर खूब विरोध हुआ था, लेकिन कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करने से मना कर दिया था।

साल 2018 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा इच्छा मृत्यु को लेकर दिए फैसले पर खुद भंसाली ने अपनी भड़ास निकाली थी। उन्होंने कहा आ कि जब मैंने इस विषय पर फिल्म बनाई थी तो चारों तरफ हंगामा हो गया था, लेकिन आज सभी लोग चुप हैं। उन्होंने साफ किया था कि फिल्म की कहानी की प्रेरणा उन्होंने किसी अपने से ली थी, जिसने खुद उस दर्द को झेला था। बता दें कि साल 2010 में रिलीज़ हुई 'गुजारिश' में ऋतिक रोशन ने एक अपाहिज शख्स का किरदार निभाया था, जो अपनी इच्छामृत्यु की मांग के लिए लंबी कानूनी लड़ाई लड़ता है।

फिल्म निशानची में डबल रोल का चला जादू

ऐश्वर्य ठाकरे ने जीता पहला बड़ा अवॉर्ड

फिल्म 'निशानची' से हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने वाले अभिनेता ऐश्वर्य ठाकरे ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। दरअसल, अभिनेता को हाल ही में अपनी डेब्यू फिल्म में शानदार अभिनय के लिए बेस्ट डेब्यू मेल (जूरी) अवॉर्ड मिला। क्राइम ड्रामा फिल्म 'निशानची' साल 2025 में रिलीज हुई थी और इसका निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया था। फिल्म में ऐश्वर्य के अलावा, वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार नजर आए थे। फिल्म में ऐश्वर्य ठाकरे ने अपने डबल रोल से काफी प्रभावित किया था और उनके इस रोल के लिए काफी सराहना भी मिली थी। यह सम्मान ऐश्वर्य ठाकरे के अभिनय करियर का पहला बड़ा अवॉर्ड है। फिल्म निशानची में उनके अभिनय को समीक्षकों और दर्शकों दोनों से सराहना मिल रही है, जिससे वह इंडस्ट्री के उभरते हुए कलाकारों में शामिल हो गए हैं।

ऐश्वर्य ने अपनी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की। उन्होंने फिल्म के निर्देशक अन-ुराग कश्यप का आभार जताया और कहा कि उनके साथ अपने सिनेमा सफर की शुरुआत करना उनके लिए एक सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मेरा सफर इतने ईमानदार और जीनियस क्रिएटर के साथ शुरू हुआ। अनुराग सर ने मुझ पर भरोसा किया और मुझे उनके सिनेमा का हिस्सा बनने का मौका दिया।

ऐश्वर्य ने अपनी पूरी टीम का भी धन्यवाद किया। उन्होंने अपने सह-कलाकारों वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, जीशान अय्यूब, कुमुद मिश्रा और विनीत कुमार सिंह सहित पूरी टीम का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनके लिए सिर्फ खुशी का पल नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी भी है।

उन्होंने कहा, यह अवॉर्ड मेरे लिए सिर्फ खुशी नहीं बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। अब मुझे और भी बेहतर काम करना है। अच्छी कहानियां दर्शकों तक पहुंचानी है और खुद को लगातार बेहतर बनाना है। अपने संबोधन के अंत में ऐश्वर्य ठाकरे ने अपनी लिखी हुई एक शायरी भी सुनाई, रास्ते मैं अपने बनाऊंगा, गलतियां मेरी अब न बढ़ाऊंगा, कामयाबी पाने के बाद भी दुनिया सबको सुनाऊंगा।

मिडलाइफ कोई संकट नहीं बल्कि महिला की असली ताकत का उदय है : लिसा रे

फिल्म 'कसूर' से भारतीय सिनेमा में लोकप्रियता हासिल करने वाली कनाडाई-भारतीय अभिनेत्री लिसा रे अब भले ही स्क्रीन पर दिखाई नहीं देती हैं लेकिन वे सोशल मीडिया के जरिए महिलाओं के स्वास्थ्य, उम्र बढ़ने और जीवन के विभिन्न पहलुओं पर खुलकर बात करती रहती हैं। लिसा रे ने मंगलवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने विचार व्यक्त किए। इस पोस्ट में उन्होंने मिडलाइफ के बारे में अपने भाव व्यक्त किए। अभिनेत्री ने लिखा, जब शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन कम होने लगता है, तो कई बदलाव आते हैं। लोग अब दूसरों को खुश करने की पुरानी आदत छोड़ देते हैं। खुद पर शक करना कम हो जाता है और मन की शांति सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण लगने लगती है। वहीं, अपनी बनाई गई सीमाएं और नियम मजबूत होने लगते हैं।

लिसा ने लिखा, मिडलाइफ वह दौर है जब हार्मोन के बदलाव के साथ-साथ जिंदगी की बेकार चीजें भी दूर हो जाती हैं। अब कम माफी मांगते हैं, कम खुद को साबित करने की कोशिश करते हैं। अपनी कीमत खुद समझ आती है। जरूरत पड़ने पर साफ 'ना' कहना आसान हो जाता है और जीवन ज्यादा सुकून से जीने लगता है।

अपनी बात को खत्म करते हुए अभिनेत्री ने लिखा कि मिडलाइफ कोई संकट या क्राइसिस नहीं है बल्कि यह वह खास समय है जब महिला अपनी असली ताकत के साथ जीना शुरू करती है। यह जीवन की कहानी का दूसरा हिस्सा होता है, जो आखिरकार पूरी तरह उसका अपना होता है। सच तो यह है कि महिलाओं की जिंदगी का यह सबसे महत्वपूर्ण और शक्तिशाली दौर होता है।

लिसा रे 90 के दशक की मशहूर अभिनेत्री और मॉडल हैं। उन्होंने साल 1994 में फिल्म 'हंसते खेलते' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था, लेकिन असल पहचान उन्हें फिल्म कसूर से मिली थी। इसके बाद वे 'वाटर' और 'आई कांट थिंक स्ट्रेट' जैसी फिल्मों में नजर आई थीं। हालांकि, करियर के पीक पर ही उन्हें कैंसर हो गया था और उन्होंने फिल्मों से ब्रेक ले लिया था। हालांकि अब वह ठीक हैं और उन्होंने कैंसर से जंग जीत ली।

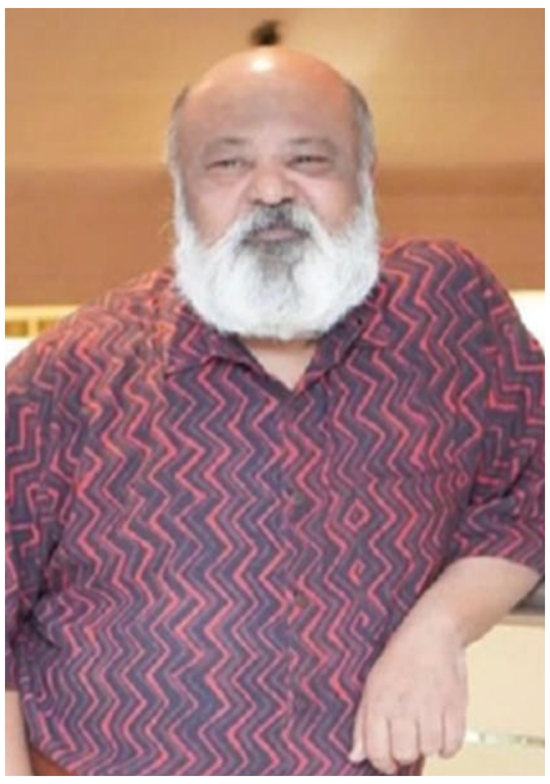

प्यार का रूप बदलता रहता है, यह उम्र बढ़ने के साथ और भी खूबसूरत हो जाता है : सौरभ शुक्ला

फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक फिल्में देने वाले अभिनेता और फिल्ममेकर सौरभ शुक्ला का मानना है कि उम्र के साथ प्यार कम नहीं होता, बल्कि वह और भी गहरा, खूबसूरत हो जाता है। उनकी नई फिल्म 'जब खुली किताब' इसी विचार को केंद्र में रखकर बनी है, जिसमें एक बुजुर्ग दंपति की खुशहाल शादी की कहानी दिखाई गई है। 6 मार्च को जी5 पर रिलीज फिल्म में गोपाल और अनुसूया नामक एक बुजुर्ग जोड़े की जिंदगी की कहानी दिखाई गई है, जो सालों से साथ निभा रहे हैं। फिल्म की कहानी में दिखाया गया है कि सब कुछ सेटल लगता है, लेकिन अचानक एक पुराना राज खुलने से उनके रिश्ते में उथल-पुथल मच जाती है। इस दौरान प्यार, लंबे समय का साथ, माफी और एक-दूसरे को फिर से समझने की कोशिश की भावनाएं दिल को छू लेती हैं। कहानी में कॉमेडी के साथ-साथ भावुक पल भी हैं।

अभिनेता सौरभ शुक्ला ने बताया कि फिल्म बढ़ती उम्र में रोमांस और साथ रहने के विषय को खूबसूरती से दिखाती है, जो हिंदी सिनेमा में अभी भी बहुत कम देखने को मिलता है। स्क्रिप्ट लिखते समय कई लोगों ने उनसे पूछा था कि क्या युवा दर्शक बुजुर्ग कपल की कहानी पसंद करेंगे? लेकिन सौरभ को इस पर कभी शक नहीं हुआ।

उन्होंने बताया, फिल्म में उम्रदराज कपल बाहर से भले ही बड़े लगें, लेकिन मन से वे जवान हैं। जब कोई भावनात्मक बदलाव आता है, तो उनकी युवा दिनों की भावनाएं फिर जाग उठती हैं। वे बच्चों की तरह लड़ते हैं, एक्सप्रेस करते हैं और इमोशंस बाहर निकालते हैं। ऐसे में यंगस्टर्स भी इस कहानी के साथ आसानी से जुड़ सकते हैं, क्योंकि यह दो बूढ़े दिखने वाले युवा दिलों की कहानी है।

सौरभ ने आगे कहा, सिनेमा में प्यार को ज्यादातर जवानी से जोड़ा जाता है। युवावस्था में प्यार ज्यादा फिजिकल और हार्मोनल होता है, जिसमें एक्साइटमेंट, जल्दबाजी और शारीरिक आकर्षण ज्यादा रहता है। लेकिन प्यार कभी खत्म नहीं होता। हम प्यार करना कभी बंद नहीं करते। प्यार का रूप बदलता रहता है।

जब आप सुबह आंखें खोलते हैं और देखते हैं कि दुनिया का सबसे खास इंसान आपके बगल में सो रहा है, तो यह एहसास बहुत खूबसूरत और प्यारा होता है, वास्तव में सच्चा प्यार उम्र की सीमाओं से परे है। यह फिल्म दर्शकों को याद दिलाती है कि जीवन के किसी भी पड़ाव पर प्यार मजबूत और सुंदर रह सकता है।

हिंदी-भोजपुरी-हरियाणवी के बाद अब मराठी गानों का क्रेज, आहो आइका ना रिलीज

त्यौहारों और शादियों के सीजन में बॉलीवुड गानों के अलावा भोजपुरी और हरियाणवी गानों का भी जबरदस्त क्रेज रहता है, लेकिन समय के साथ मराठी गानों की भी लोकप्रियता बढ़ रही है। लोग अब शादी हो या कोई सेलिब्रेशन, हिंदी, भोजपुरी और हरियाणवी गानों के अलावा मराठी सॉन्ग के जबरदस्त बीट्स पर खुद को झूमने से रोक नहीं पाते हैं। इसी बीच टी-सीरीज ने बुधवार को यूट्यूब चैनल पर आधिकारिक तौर पर 'आहो आइका ना' नामक एक ऐसे ही मराठी रोमांटिक सॉन्ग को रिलीज किया है, जो तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। वीडियो पर कुछ ही घंटों में हजारों व्यूज और लाइक्स आ चुके हैं। वहीं, फैंस म्यूजिक पर कमेंट्स के माध्यम से लगातार गाने को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।क्रेटेक्स के गाने 'आहो आइका ना' को अपनी दमदार आवाज वैशाली सामंत ने दिया है। वहीं, संगीत के बोल मंदार चोलकर ने लिखे हैं।'आहो आइका ना' एक ऐसा दमदार मराठी म्यूजिक वीडियो है, जिसके बोल और बीट्स लोगों को शादियों में झूमने पर मजबूर कर देंगे। एल्बम में क्रेटेक्स के साथ वैशाली सामंत, बनशाह, कोमल राऊत, सासा सालुंके, और पल्वी कदम जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं।सॉन्ग में फ्लर्ट, शादी, रोमांस, ग्लैमर के साथ डांस का जबरदस्त सीन दिखाया गया है, जो कि फैंस को काफी पसंद आ रहा है।बता दें कि इससे पहले भारतीय टेलीविजन अभिनेत्री, डांसर, मॉडल और 'बिग बॉस 17' फेम ईशा मालवीय का मराठी डेब्यू पॉप गाना 'शेकी' यूट्यूब पर 2025 में रिलीज हुआ था, जिसे फैंस ने काफी पसंद किया था। अभिनेत्री का यह सॉन्ग इंटरनेट पर काफी वायरल हुआ था। 'शेकी' म्यूजिक वीडियो में ईशा के डांस के साथ उनके स्टाइलिश अवतार को लोगों ने बहुत पसंद किया था।

गाने में मराठी, अंग्रेजी और राजस्थानी के अनूठे मिश्रण हैं, जिनके गायक, गीतकार और संगीतकार संजू राठौड़ हैं। सॉन्ग अपने बीट्स के लिए काफी लोकप्रिय हुआ था।

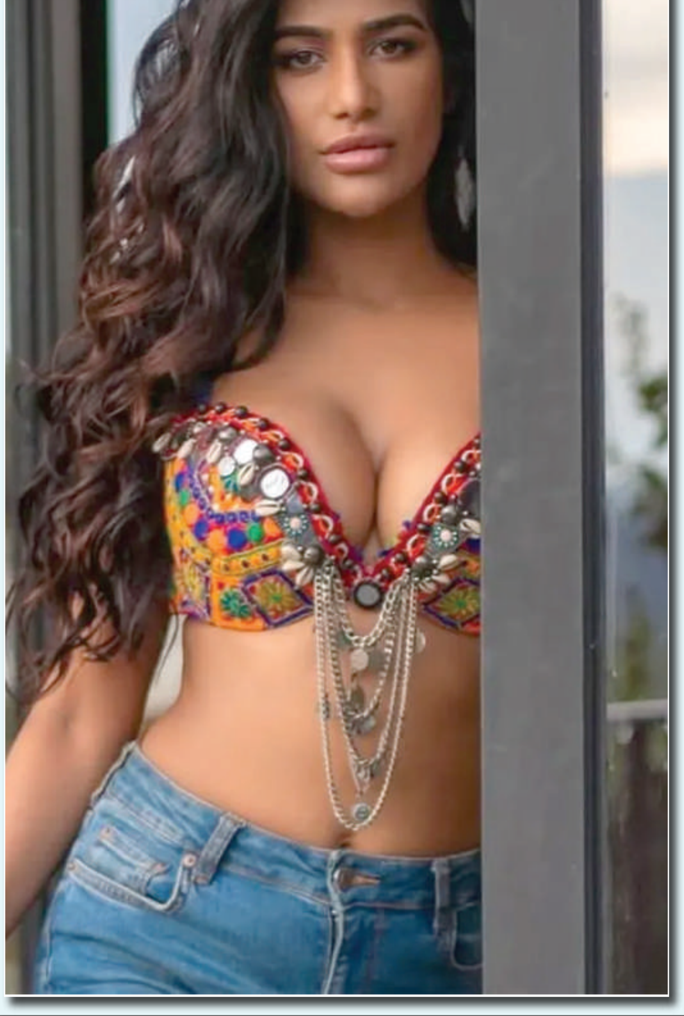

जब पूनम पांडे ने डिजिटल दुनिया में मचाया था तहलका गूगल ने किया था बैन

बॉलीवुड और सोशल मीडिया की दुनिया में कुछ नाम ऐसे हैं जो अपने बोल्ड अंदाज और विवादों के कारण हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। पूनम पांडे भी ऐसे ही नामों में शामिल हैं। मॉडलिंग से लेकर फिल्मों तक, और सोशल मीडिया से लेकर डिजिटल कंटेंट तक, पूनम ने हमेशा लोगों का ध्यान खींचा। एक बार तो नौबत यहां तक आ गई थी कि गूगल ने उन्हें बैन तक कर दिया था। पूनम पांडे का जन्म 11 मार्च 1991 को कानपुर में एक साधारण परिवार में हुआ था। उन्होंने अपनी पढ़ाई दिल्ली से पूरी की और 18 साल की उम्र में मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। उनके बोल्ड फोटोशूट्स ने उन्हें जल्दी ही लोकप्रिय बना दिया। 2010 में ग्लैडरैग्स मैनहंट और मेगा मॉडल प्रतियोगिता में वह टॉप 9 में शामिल हुईं। इसके बाद उन्होंने कई कैलेंडर और फोटोशूट्स में काम किया, जिसमें 2012 का किंगफिशर कैलेंडर सबसे खास रहा। 2011 में पूनम पांडे अचानक सुर्खियों में तब आ गईं, जब उन्होंने कहा कि अगर भारतीय क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप जीतती है तो वह न्यूड हो जाएंगी। मॉडलिंग और विवादों के बीच पूनम ने बॉलीवुड में भी कदम रखा। उन्होंने 2013 में फिल्म 'नशा' से डेब्यू किया। इस फिल्म में पूनम ने एक स्कूल टीचर का रोल निभाया, जिसमें बोल्ड सीन भी शामिल थे। फिल्म का पोस्टर जब रिलीज हुआ तो इसके विरोध में प्रदर्शन हुए और कुछ पोस्टर जला दिए गए। इसके बाद उन्होंने 'मालिनी एंड कंपनी', 'द जर्नी ऑफ कर्मा', 'लव इज पॉइजन', और 'आ गया हीरो' जैसी फिल्मों में भी काम किया।

टीवी और रियलिटी शो की दुनिया में भी पूनम ने अपनी पहचान बनाई। उन्होंने 'खतरों के खिलाड़ी 4' और 'लॉकअप' में हिस्सा लिया। साथ ही, 'टोटल नादानियां' और 'प्यार मोहब्बत श्श्श' जैसे शोज में भी काम किया।

2017 में पूनम पांडे ने अपने नाम का मोबाइल ऐप लॉन्च किया। इस ऐप में उनका बोल्ड और एडल्ट कंटेंट था। यह ऐप जल्दी ही विवादों में घिर गया। गूगल ने इसे सिर्फ एक घंटे में ही प्ले स्टोर से हटा दिया, यह कहते हुए कि ऐप में ऐसा कंटेंट था जो उनकी पॉलिसी के खिलाफ था। इस घटना ने फिर से पूनम को सुर्खियों में ला दिया और लोगों का ध्यान खींचा।

पर्सनल लाइफ की बात करें तो पूनम ने 2020 में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड सैम बॉम्बे से शादी की, लेकिन शादी के 11 दिन बाद उन्होंने अपने पति के खिलाफ धमकी और हमला करने का आरोप लगाया। गोवा पुलिस ने सैम को गिरफ्तार किया, लेकिन बाद में दोनों ने विवाद सुलझा लिया। इसके बाद भी पूनम विवादों से कभी दूर नहीं रहीं।

साल 2024 में उन्होंने सर्वाइकल कैंसर से अपनी मौत की झूठी खबर फैलाई, जिससे लोगों में बीमारी के प्रति जागरुकता फैल सके। हालांकि इसके लिए उन्हें आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा।

15 से 13 अप्रैल तक रहेगा खरमास

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

इस बार खरमास (मलमास) का महीना 15 मार्च से शुरू होगा। जो 13 अप्रैल 2026 को समाप्त होगा। इस दौरान विवाह, सगाई, यज्ञ, गृह प्रवेश आदि शुभ कार्य नहीं होंगे। साथ ही नया घर या वाहन आदि खरीदना भी वर्जित हैं। ऐसा माना जाता है कि इस माह में सूर्य की गति धीमी हो जाती है। जिस कारण कोई भी शुभ काम सफल नहीं होते हैं। शास्त्रों में खरमास का महीना शुभ नहीं माना गया है। इस अवधि में मांगलिक कार्य करना प्रतिबंधित है। साथ ही कुछ नियमों का पालन करने के लिए भी कहा गया है। ज्योतिष शास्त्र और हिंदू धर्म में खरमास को बहुत ही अशुभ माना जाता है। इस दौरान कोई भी शादी-विवाह आदि मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। खरमास पूरे एक माह तक रहता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 15 मार्च से खरमास शुरू होगा जो 13 अप्रैल 2026 को मेष संक्रांति के दिन समाप्त हो जाएगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य देव के एक राशि से दूसरे राशि में स्थान बदलने की प्रक्रिया को संक्रांति कहते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पूरे एक वर्ष में दो बार ऐसा मौका आता है। जब खरमास लगता है। एक खरमास मध्य मार्च से मध्य अप्रैल के बीच और दूसरा खरमास मध्य दिसंबर से मध्य जनवरी तक होता है।

खरमास के दौरान शादी-विवाह आदि कोई भी मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है। किसी भी नए कार्य की शुरूआत के लिए भी खरमास को अशुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार खरमास पूजा-अर्चना के लिए शुभ माना गया है। इस पूरे माह में सूर्य देव की पूजा का फल बताया गया है। खरमास के पूरे माह में सूर्य देव को तांबे के पात्र से अर्घ्य देना चाहिए। सूर्य पाठ और सूर्य के मंत्रों का जाप करना चाहिए। खरमास में तामसिक भोजन का सेवन न करें। शराब आदि का भी सेवन नहीं करना चाहिए। तांबे के पात्र रखा पानी नहीं पीना चाहिए। इस मास में कोई भी नई वस्तुएं और वाहन नहीं खरीदनें चाहिए। गृह प्रवेश आदि शुभ कार्य नहीं करना चाहिए। कोई भी नया कोराबार इस अवधि में नहीं शुरू करना चाहिए।

15 मार्च से होगा खरमास प्रारंभ

पंचांग के अनुसार, 15 मार्च को सूर्य देव मीन राशि में प्रवेश करेंगे। इसके साथ ही खरमास की शुरुआत हो जाएगी। सूर्य देव 13 अप्रैल तक मीन राशि में रहेंगे। इस अवधि में खरमास रहेगा। राशि चक्र की अंतिम राशि मीन है और जब सूर्य मीन राशि में प्रवेश करता है तो खरमास माना जाता है।

13 अप्रैल को होगा खरमास समापन

15 मार्च से प्रारंभ हो रहे खरमास का समापन 13 अप्रैल को होगा। पंचांग के अनुसार, 15 मार्च को सूर्य देव मीन राशि में प्रवेश करेंगे। इसके साथ ही खरमास की शुरुआत हो जाएगी। सूर्य देव 13 अप्रैल तक मीन राशि में रहेंगे। इस अवधि में खरमास रहेगा।

मांगलिक कार्य करना वर्जित

धार्मिक और ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, खरमास को शुभ नहीं माना जाता है। इसलिए इस माह के दौरान कोई भी शुभ, मांगलिक कार्य करना वर्जित माना जाता है। इस दौरान हिंदू धर्म में बताए गए संस्कार, जैसे मुंडन संस्कार, यज्ञोपवीत, नामकरण, गृह प्रवेश, गृह निर्माण, नए व्यापार का आरंभ, वधू प्रवेश, सगाई, विवाह आदि कोई भी कार्य नहीं किया जाता है।

साल में दो बार लगता है खरमास

ज्योतिष के अनुसार, साल में दो बार खरमास लगता है। जब सूर्य मार्गी होते हुए बारह राशियों में एक राशि से दूसरी राशि में भ्रमण करते हैं तो इस दौरान बृहस्पति के आधिपत्य वाली राशि धनु और मीन में जब सूर्य का प्रवेश होता है तो खरमास लगता है। इस तरह से मार्च माह में जब सूर्य मीन में प्रवेश करते हैं तब खरमास लगता है तो वहीं दिसंबर में जब सूर्य धनु में प्रवेश करते हैं तब खरमास लगता है। इस समय सूर्य की उपासना करने का विशेष महत्व माना जाता है। खासतौर पर जिनकी कुंडली में सूर्य कमजोर स्थिति में हो उन्हें खरमास के दौरान सूर्य उपासना अवश्य करनी चाहिए।

क्यों बंद होते हैं शुभ कार्य

गुरु देव बृहस्पति धनु राशि के स्वामी हैं। बृहस्पति का अपनी ही राशि में प्रवेश इंसान के लिए अच्छा नहीं होता है। ऐसा होने पर लोगों की कुंडली में सूर्य कमजोर पड़ जाता है। इस राशि में सूर्य के कमजोर होने कारण इसे मलमास कहते हैं। ऐसा कहा जाता है कि खरमास में सूर्य का स्वभाव उग्र हो जाता है। सूर्य के कमजोर स्थिति में होने की वजह से इस महीने शुभ कार्यों पर पाबंदी लग जाती है।

इन बातों का रखें ध्यान

खरमास में शादी-विवाह जैसे मांगलिक कार्य वर्जित माने जाते हैं। इस समय अगर विवाह किया जाए तो भावनात्मक और शारीरिक सुख दोनों नहीं मिलते हैं। इस समय मकान का निर्माण या संपत्ति की खरीदारी वर्जित होती है। इस दौरान बनाए गए मकान आमतौर पर कमजोर होते हैं और उनसे निवास का सुख नहीं मिल पाता है। खरमास में नया कार्य या व्यापार शुरू न करें। इससे व्यापार में शुभ फलों के प्राप्त होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। इस दौरान द्विरागमन, कर्णवेध और मुंडन जैसे कार्य भी वर्जित होते हैं क्योंकि इस अवधि के किए गए कार्यों से रिश्तों के खराब होने की सम्भावना होती है। इस महीने धार्मिक अनुष्ठान न करें। हर रोज किए जाने वाले अनुष्ठान कर सकते हैं।

खरमास की कथा

पौराणिक कथा के अनुसार भगवान सूर्यदेव अपने सात घोड़ों के रथ पर सवार होकर ब्रह्मांड की परिक्रमा करते हैं। सूर्यदेव को कहीं रुकने की अनुमति नहीं है, लेकिन रथ से जुड़े घोड़े लगातार दौड़ने और आराम न करने के कारण थक जाते हैं। घोड़ों की ऐसी हालत देखकर एक बार सूरज देवता का मन द्रवित हो गया। जिसके बाद वे घोड़ों को तालाब किनारे ले गए। उन्हें यह आभास हुआ कि रथ रुक गया तो अनहोनी हो जाएगी। तब सूर्यदेव ने घोड़ों को पानी पीने और आराम करने के लिए वहीं छोड़ दिया। वह रथ में गधों को जोड़ा। गधों को सूरज देवता का रथ खींचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान रथ की गति धीमी हो जाती है। सूर्य देव एक माह में चक्र पूरा करते हैं। इस बीच घोड़ों ने भी आराम कर लिया। इसके बाद सूर्य का रथ पुनः अपनी गति में लौट आता है। इस तरह यह सिलसिला हर वर्ष जारी जारी रहता है।

खरमास के दौरान क्या करना चाहिए और क्या नहीं

खरमास के महीने के हिंदू धर्म में शुभ नहीं माना गया है। इस महीने में कोई भी शुभ और मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है। जब भी सूर्य का गोचर धनु या मीन राशि में होता है तो खरमास आरंभ हो जाता है। खरमास के दौरान कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता है। अब सूर्य का गोचर मीन राशि में होने जा रहा है। ऐसे में मार्च के महीने में फिर से खरमास का आरंभ हो रहा है। ।

सूर्य मीन राशि में 14 मार्च की मध्य रात्रि 1 बजकर 1 मिनट पर मीन राशि में प्रवेश करेंगे। इसके बाद ही खरमास का आरंभ होगा। मध्य रात्रि में सूर्य का गोचर होने से खरमास का आरंभ 15 मार्च से ही माना जाएगा। खरमास का समापन जब होगा 14 अप्रैल को होगा जब सूर्य मेष राशि में गोचर करेंगे। सूर्य सुबह में 9 बजकर 31 मिनट पर मेष राशि में पहुंचेंगे। तभी खरमास का समापन होगा।

खरमास में भूलकर भी न करें ये काम

* खरमास के दौरान कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता है। इस समय में विवाह, ग्रह प्रवेश आदि कार्य नहीं किए जाते हैं।

* खरमास में नए घर का निर्माण आदि कार्य भी नहीं किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ऐसा करने से घर में सुख शांति का वास नहीं हो पाता है।

* खरमास में कोई भी नया काम शुरू नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से जीवन में आर्थिक हानि का सामना करना पड़ता है। साथ ही काम में सफलता भी नहीं मिल पाती है।

* खरमास में बच्चों का मुंडन आदि भी नहीं किया जाता है।

खरमास में जरूर करें ये काम

* खरमास में जितना हो सके जरूरतमंद लोगों की मदद करनी चाहिए। इस महीने में अपने सामर्थ्य के अनुसार जरूरतमंद लोगों को अन्न धन का दान करना चाहिए। ऐसा करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही घर में कभी भी अन्न धन की कमी नहीं होती है।

* खरमास के दौरान रोजाना सूर्यदेव को अर्घ्य देना चाहिए। ऐसा करने से सूर्यदेव की कृपा बनी रहती है। साथ ही घर परिवार में भी सुख शांति रहती है।

* खरमास के दौरान भगवान विष्णु की पूजा रोजाना करना चाहिए। रोजाना उन्हें भोग में तुलसी के पत्ता डालकर जरुर देने चाहिए।

* खरमास के दौरान अगर हो सके को पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए। ऐसा करने से पापों से मुक्ति मिलती है।

लाल, कोमल और समतल पैर वाली महिलाएं पति के लिए होती हैं भाग्यशाली, भविष्य पुराण से जानें

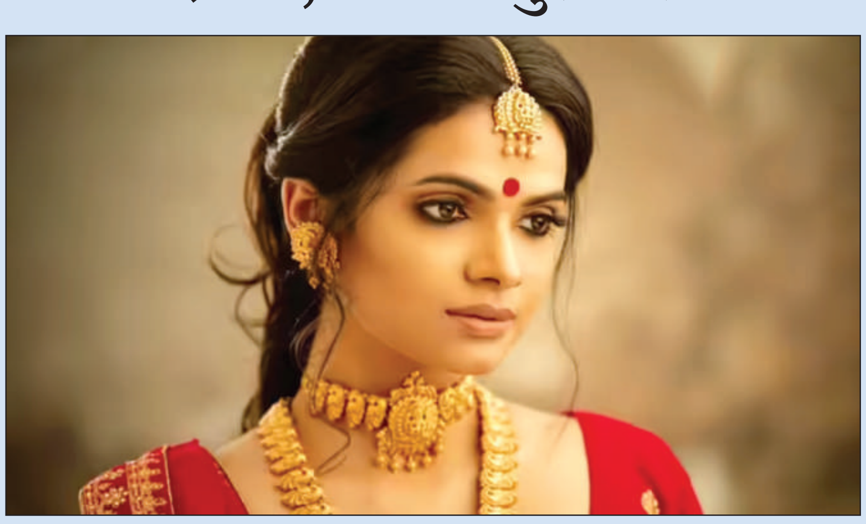

महर्षि वेद व्यास द्वारा रचित भविष्य पुराण में धर्म, नीति, पूजा और समाज से संबंधित बातों को विस्तार से बताया गया है। इसमें कलयुग में होने वाली घटनाओं और भविष्यवाणियों का भी जिक्र मिलता है। भविष्य पुराण के ब्रह्म पर्व में महिलाओं के शुभ और अशुभ लक्षणों को भी बताया गया है। इसके अनुसार, महिलाओं के कुछ शारीरिक लक्षण उनके भाग्यशाली होने का संकेत देते हैं। महिलाओं के हाथ की रेखाएं, पैर और गर्दन की बनावट से उनके सुखद जीवन का पता लगाया जा सकता है। भविष्य पुराण में लाल, कोमल और समतल पैर वाली महिलाओं को पति के लिए सौभाग्यशाली बताया गया है।

कोमल पैर वाली महिलाएं

लाल, कोमल और समतल पैर वाली महिलाओं को पति के लिए भाग्यशाली होती हैं। ऐसे लक्षण वाली महिलाओं को सुख प्रदान करने वाली माना जाता है। वहीं, जिन महिलाओं के पैर की अंगुलियां मिली हुईं, सीधी और गोल होती हैं वे धनवान मानी जाती हैं।

लंबी उंगलियों वाली महिलाएं

हाथ की गहरी रेखाओं वाली महिलाएं सुख भोगने वाली होती हैं। जिन महिलाओं के हाथ में कनिष्ठा के मूल से तर्जनी तक पूरी रेखा दिख रही हो तो उनकी उम्र लंबी होती है। हाथ की उंगलियां गोल, लंबी, पतली और मिलाने पर छिद्र रहित हों तो ऐसी महिला अनेक प्रकार के सुख प्राप्त करती हैं।

लंबी गर्दन वाली महिलाएं

जिन महिलाओं की उंगलियों के पोरों पर समान रेखाएं होती हैं और हाथ में जौ का निशान होता है, वे अपार सुख-संपत्ति और अक्षय धन-धान्य प्राप्त करती हैं। वहीं, लंबी और सुराहीदार गर्दन वाली महिलाओं को अत्यन्त भाग्यशाली और परिवार के लिए मंगलकारी मानी जाती हैं।

सुडौल नाक वाली महिलाएं

वहीं, जिन महिलाओं की नाक सुडौल होती हैं उन्हें श्रेष्ठ माना जाता है। ये महिलाएं जीवन में रानी जैसा सुख भोगती हैं और जीवन में किसी चीज की कमी नहीं होती है। जिन महिलाओं की भौहें ऊंची, कोमल और छोटी होती हैं ऐसी स्त्री जीवन में सभी तरह के सुख प्राप्त करती है। धनुष के समान भौहें सौभाग्य प्रदान करने वाले माने जाते हैं।

गाय की तरह चाल वाली महिलाएं

इसके अलावा कोयल की तरह मीठी और वीणा के मधुर आवाज वाली महिलाएं अपार सुख-सम्पत्ति प्राप्त करती है। इन महिलाओं पर मां लक्ष्मी की कृपा रहती है। वहीं, हंस, गाय, वृषभ तथा हाथी के समान चाल वाली स्त्रियां अपने कुल को विख्यात बनाने वाली होती हैं।

सुहागिन महिलाएं श्रद्धा भाव से करती हैं छठी मैया व सूर्य भगवान की पूजा

चैती छठ का पर्व चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से शुरू होता है और इसका समापन सप्तमी तिथि को होता है। विशेष रूप से यह त्यौहार झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश में मनाया जाता है। छठ पूजा 4 दिनों तक चलने वाला पर्व है जिसकी शुरुआत नहाय खाय से होती है और समापन परना यानी उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के साथ। चैती छठ में नहाय खाय के बाद 36 घंटे तक चलने वाला कठिन व्रत शुरू हो जाता है। सुहागिन महिलाएं पूरे श्रद्धा भाव से इस व्रत को करती हैं और छठी मैया व सूर्य भगवान की पूजा करती हैं।

चैती छठ 2026 नहाय खाय तिथि

छठ पर्व के पहले दिन नहाय खाय होता है जो इस साल 22 मार्च, रविवार को होगा। इस दिन व्रती द्वारा पवित्र नदी व तालाब में स्नान किया जाता है। ऐसा संभव न होने पर घर में भी स्नान किया जा सकता है। इसके पश्चात सफाई और शुद्धता का ध्यान रखते हुए कद्दू की सब्जी, चावल और चने की दाल बनाई जाती है। व्रती नहाय खाय के दिन इसी सात्विक भोजन को ग्रहण करती हैं। मान्यता है की इससे तन-मन शुद्ध होता है।

चैती छठ 2026 खरना तिथि

छठ पूजा के दूसरे दिन खरना होता है जो इस बार 23 मार्च, सोमवार को होगा। इस दिन शाम के समय सूर्य भगवान की पूजा करने का विधान होता है। साथ ही, शुद्धता के साथ गुड़ की खीर, फल आदि का सेवन करने का विधान होता है। जिसके पश्चात व्रती का कठिन निर्जला व्रत शुरू हो जाता है।

चैती छठ पर्व 2026 कब है?

चैती छठ का पर्व चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि मनाया जाता है। इस साल यह षष्ठी तिथि 24 मार्च, मंगलवार को पड़ रही है। ऐसे में इसी दिन शाम के समय व्रती अपने परिवार के साथ पवित्र नदी या तालाब के किनारे सूर्य देव को अर्घ्य देते हैं। भोग के लिए फल, ठेकुआ, पूरी आदि का विशेष महत्व होता है।

चैती छठ 2026 परना तिथि

36 घंटे तक चलने वाला निर्जला व्रत परना के दिन समाप्त होता है जो 25 मार्च, बुधवार के दिन होगा। इस दिन व्रती महिलाएं पवित्र नदी या तालाब के किनारे उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देती हैं। सूर्यदेव और छठी मैया का पूजन करने के बाद व्रत का पारण करने का विधान होता है। ऐसी मान्यता है की यह मनोकामना पूरी होने का पर्व होता है।

मधुर दांपत्य जीवन के लिए वास्तु टिप्स और नियम जानें वास्तु अनुसार कैसा होना चाहिए बेडरूम

वास्तु शास्त्र में कई ऐसे नियम और उपाय बताए गए हैं जिनसे घर में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। अगर पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़े या मनमुटाव चलता हो तो इसके पीछे का कारण वास्तु दोष हो सकता है। मान्यता है की कपल्स का बेडरूम और उसमें रखा सामान वास्तु अनुसार न हो तो इससे जीवन में प्रतिकूल प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में माहौल तनावपूर्ण बना रह सकता है। लेकिन वास्तुशास्त्र में इससे छुटकारा पाने के कुछ टिप्स और नियम भी बताए गए हैं जिनका ख्याल रखने से दांपत्य जीवन मधुर बना रहता है।

मधुर दांपत्य जीवन के लिए वास्तु टिप्स

वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनाए रखने के लिए अपने बेडरूम में सोते समय एक तांबे बर्तन में पानी भरें और उसे ढककर ईशान कोण में रख दें। बेड के पूर्व उत्तर कोने में इस बर्तन को रखकर सोना चाहिए।

पति-पत्नी को बेडरूम में इस बात का ख्याल जरूर रखना चाहिए की वहां ऐसी तस्वीर लगाएं जिसमें दोनों साथ में खुश नजर आते हों। ऐसा करने से दांपत्य जीवन मधुर बना रहता है।

अगर अक्सर आपके बीच किसी बात को लेकर झगड़े या तनाव बना रहता है तो इसके लिए एक सरल उपाय आजमा सकते हैं। वास्तु अनुसार बेडरूम के दक्षिण पश्चिम कोने में स्फटिक की बॉल रखें।

माना जाता है की पति-पत्नी के बेडरूम में उत्तर पश्चिम दिशा में एक खिड़की अवश्य होनी चाहिए। लेकिन अगर ऐसा न हो तो आप इस कोने में फेंगशुई की घंटियां लटका सकते हैं। ऐसा करने से रिश्ते में चल रहा तनाव समाप्त हो सकता है।

वास्तु के अनुसार, बेडरूम में लाल रंग के फूल रखना शुभ माना जाता है। इस रंग को प्रेम, उत्साह और शुभता का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में लाल रंग के फूल कमरे में रखने से पति-पत्नी के बीच आपसी प्रेम बना रह सकता है।

बेडरूम में एक मोर पंख इस प्रकार लगाएं की वह रूम में प्रवेश करते समय नजर आता हो। साथ ही, सोते समय भी मोरपंख आपको दिखाई दे।

घर में गाय की मूर्ति दक्षिण-पूर्व दिशा में रखने से जीवन में बनी रहेगी सुख-समृद्धि

हिंदू धर्म में गाय को पूजनीय माना गया है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में गाय की मूर्ति रखने से इसका सकारात्मक प्रभाव आसपास के वातावरण पर भी पड़ता है। ऐसी मान्यता है की गाय शुक्र ग्रह का प्रतीक होती है और बछड़े को प्रेम व मातृत्व का प्रतीक माना गया है। घर में गाय की मूर्ति रखने से घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। साथ ही, परिवार के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम बढ़ता है। विवाहित लोगों को घर में पीतल से बनी गाय की मूर्ति रखनी चाहिए और बच्चों के लिए भी यह बहुत शुभ होता है। हालांकि, गाय की मूर्ति घर में रखने से पहले सही दिशा का ख्याल अवश्य रखना चाहिए।

गाय की मूर्ति घर की इस दिशा में रखें

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में कामधेनु की गाय की मूर्ति को सही दिशा में रखना बेहद जरूरी होता है। इसे गलत स्थान पर रखने से प्रतिकूल प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है। कामधेनु गाय को माता लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है। वास्तु के अनुसार, इसे दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना सबसे उत्तम माना गया है। क्योंकि यह दिशा शुक्र ग्रह से संबंधित होती है। ऐसे में इस स्थान पर पीतल की गाय की मूर्ति रखने से घर में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है।

कामधेनु गाय रखने से पहले जान लें ये बातें

माना जाता है की कामधेनु गाय की मूर्ति को कभी भी बेडरूम, बाथरूम आदि स्थानों के आसपास नहीं रखना चाहिए। वास्तु एक्सपर्ट बताती हैं कि ऐसा करने से दोष उत्पन्न हो सकता है। इसे हमेशा साफ स्थान पर ही रखना चाहिए। अगर आप पीतल की मूर्ति घर में रख रहे हैं, तो इसे घर की दक्षिण-पूर्व दिशा में ही रखना चाहिए। इससे घर का माहौल खुशनुमा बना रहता है।

संपादकीय

संसद में चर्चा का ड्रामा

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च, सोमवार, को शुरू हुआ, लेकिन हंगामे, नारेबाजी, पोस्टरबाजी की बलि चढ़ गया। अजीब सियासी ड्रामा देखने को मिला। विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दिया था, जिसे कार्यसूची में रखा गया। अर्थात प्रस्ताव पर चर्चा होगी और फिर मत-विभाजन होगा। कायदे से विपक्ष को अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का आगाज करना चाहिए था, लेकिन उसने ईरान युद्ध और उससे प्रभावित हालात पर वैकल्पिक चर्चा की नई मांग की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर को अपना वक्तव्य शोर के बीच ही पढ़ना पड़ा। उधर राज्यसभा में भी ईरान युद्ध पर चर्चा के लिए नियम 267 के तहत नोटिस दिए गए। अविश्वास प्रस्ताव स्पीकर के खिलाफ था, लिहाजा विपक्ष की नई मांग को खारिज कर दिया गया और स्पीकर के मुद्दे पर चर्चा के लिए आग्रह पीठासीन अधिकारी ने किया और संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने भी कहा। नतीजतन हंगामा होता रहा। अंततः लोकसभा की कार्यवाही अगले दिन तक स्थगित करनी पड़ी। सवाल है कि लोकसभा में विरोधाभास की स्थिति थी, लेकिन राज्यसभा में ईरान युद्ध पर चर्चा क्यों नहीं कराई गई? वीपी सिंह और अटलबिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री कालों के दौरान हमारी संसद ने ऐसे युद्धों, हमलों पर चर्चा की थी और हमलावर आक्रांता देश की निंदा की थी। लिहाजा ऐसी चर्चाओं की संसदीय परंपरा रही है। कमोबेश राज्यसभा में तो अविश्वास प्रस्ताव जैसा कोई महत्वपूर्ण विषय कार्यसूची में नहीं था। ईरान और खाड़ी के अन्य अरब देशों में तबाही का जो दौर चल रहा है, भारत उससे अछूता नहीं है। बल्कि भारत भी प्रभावित हो रहा है, बेशक सरकारी सूत्र कुछ भी दावे करते रहें। कच्चे तेल की कीमत 118 डॉलर प्रति बैरल तक उछली। शुक्र है कि अंततः यह कीमत 96.88 डॉलर तक लुढ़क गई। मीडिया में यह कीमत 102 डॉलर भी छपी है। यदि कच्चे तेल के दाम 120 डॉलर हो जाते हैं, तो विश्व में 0.4 फीसदी महंगाई बढ़ेगी। दस मार्च मंगलवार की दोपहर में कच्चे तेल की कीमत गिर कर 90 डॉलर पर आ गई। संभावनाओं के मद्देनजर तेल की कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल के 'चरम' तक पहुंचती हैं, तो दुनिया में औसतन जीडीपी 2 फीसदी कम हो सकती है। यदि ईरान युद्ध 15 और दिन जारी रहा, तो तेल 150 डॉलर तक महंगा होना लगभग तय है। चूंकि ईरान के लगातार हमलों के मद्देनजर सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, कतर, कुवैत आदि खाड़ी देशों ने तेल और गैस के उत्पादन कम कर दिए हैं अथवा बंद करने पड़े हैं, क्योंकि रिफाइनरियां, तेल डिपो और ठिकाने धू-धू करके जल रहे हैं। नतीजतन विश्व में तेल और गैस का व्यापक संकट सामने दिख रहा है। कोई भी देश मुगालते में न रहे। अमरीका को लेकर 1929 वाली 'महामंदी' के आकलन सामने आ रहे हैं। युद्ध के 10 दिनों में अमरीका को करीब 6 अरब डॉलर खर्च करने पड़े हैं। यह उसके बजट से परे की यथार्थ स्थिति है। भारत की बात करें, तो हमारे 4 लाख टन बासमती चावल का निर्यात अवरुद्ध हो गया है। करीब 41,000 करोड़ रुपए के इलेक्ट्रॉनिक्स सामान का निर्यात फंसा है। करीब 5000 करोड़ रुपए की दवाओं का निर्यात रुक गया है। चीनी, चाय, मांस, फल और डेयरी उत्पादों की कीमत करोड़ों में है, जो युद्ध के कारण फंसे हुए हैं। अनुमान है कि करीब 1 लाख करोड़ रुपए का भारतीय निर्यात प्रभावित हुआ है, जाहिर है कि इसका असर हमारी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। क्या ऐसे विषय पर संसद में चर्चा नहीं होनी चाहिए? सांसद शशि थरूर का कहना उचित है कि संसद हमारे लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, वहां बहस होनी चाहिए। संसद 'नोटिस बोर्ड' नहीं है कि मंत्री ने वक्तव्य दे दिया और मुद्दे का इति सिद्धम। खाड़ी देशों के साथ भारत का 200 अरब डॉलर का कारोबार है। यदि भारत पर युद्ध का कोई भी असर नहीं है, तो बेंगलुरु में होटलों ने बंद होने की घोषणा क्यों की है? राजधानी दिल्ली में भी रेस्तरां एसोसिएशन ने कमर्शियल गैस की उचित आपूर्ति न किए जाने पर होटल, रेस्तरां बंद करने की चेतावनी क्यों दी है? तेल कंपनियों ने वितरकों को गैस सप्लाई रोकने के आदेश क्यों दिए हैं? जरूर ऐसा कुछ है, जो सरकार देश से छिपा रही है। अलबत्ता संसद में चर्चा तो करनी ही चाहिए। दलीय राजनीति के कारण असल मुद्दों पर संसद में चर्चा नहीं हो पा रही है। यह देशहित में नहीं है। दलीय राजनीति को किनारे रखकर चर्चा होनी चाहिए।

> विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दिया था, जिसे कार्यसूची में रखा गया। अर्थात प्रस्ताव पर चर्चा होगी और फिर मत-विभाजन होगा। कायदे से विपक्ष को अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का आगाज करना चाहिए था, लेकिन उसने ईरान युद्ध और उससे प्रभावित हालात पर वैकल्पिक चर्चा की नई मांग की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर को अपना वक्तव्य शोर के बीच ही पढ़ना पड़ा। उधर राज्यसभा में भी ईरान युद्ध पर चर्चा के लिए नियम 267 के तहत नोटिस दिए गए। अविश्वास प्रस्ताव स्पीकर के खिलाफ था, लिहाजा विपक्ष की नई मांग को खारिज कर दिया गया और स्पीकर के मुद्दे पर चर्चा के लिए आग्रह पीठासीन अधिकारी ने किया और संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने भी कहा। नतीजतन हंगामा होता रहा। अंततः लोकसभा की कार्यवाही अगले दिन तक स्थगित करनी पड़ी। सवाल है कि लोकसभा में विरोधाभास की स्थिति थी, लेकिन राज्यसभा में ईरान युद्ध पर चर्चा क्यों नहीं कराई गई? वीपी सिंह और अटलबिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री कालों के दौरान हमारी संसद ने ऐसे युद्धों, हमलों पर चर्चा की थी और हमलावर आक्रांता देश की निंदा की थी। लिहाजा ऐसी चर्चाओं की संसदीय परंपरा रही है। कमोबेश राज्यसभा में तो अविश्वास प्रस्ताव जैसा कोई महत्वपूर्ण विषय कार्यसूची में नहीं था। ईरान और खाड़ी के अन्य अरब देशों में तबाही का जो दौर चल रहा है, भारत उससे अछूता नहीं है।

कुछ अलग

श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को दिया रक्षा सूत्र बांधने का मंत्र

यह प्रसंग उस समय का है जब महाभारत का युद्ध प्रारंभ होने वाला था। दोनों ओर ही युद्ध की विभीषिका को लेकर चिंता और तनाव व्याप्त था। युधिष्ठिर ज्येष्ठ भ्राता होने के कारण बेहद परेशान थे और इधर से उधर घूम रहे थे। तभी अचानक कृष्ण ने वहां पर प्रवेश किया। कृष्ण ने युधिष्ठिर के चेहरे पर उभरी चिंता की रेखाओं को भांप लिया। वह अपने चिर-परिचित अंदाज में मुस्कुराते हुए बोले, 'किस सोच में डूबे हो?' युधिष्ठिर बोले, 'ऐसा अनुमान है कि महाभारत का युद्ध एक महायुद्ध होगा। मैं अपने सैनिकों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हूं। इनकी सुरक्षा का कोई उपाय सुझाइए।' कृष्ण बोले, 'तुम्हारा युद्ध धर्म बचाने को लेकर है। युद्ध में तो हानि होती ही है। लेकिन हां, युद्ध में अन्याय की जीत कभी नहीं होनी चाहिए। इसलिए यह प्रयत्न करो कि सदाचार, सत्य और न्याय पृथ्वी पर बना रहे।' इस पर युधिष्ठिर बोले, 'हे विश्व ज्ञाता! जब आप सब कुछ जानते ही हैं तो फिर विजय का उपाय भी बताइए।' कृष्ण बोले, 'आज का दिन बेहद शुभ है। आज श्रावण मास की पूर्णिमा है। तुम आज के दिन अपनी पूरी सेना के हाथों में रक्षा का सूत्र बांध दो। यह रक्षा का सूत्र अवश्य ही अधर्म पर धर्म की जीत कराएगा। पवित्र भावना से बांधे गए रक्षा सूत्र में बेहद शक्ति होती है।

भारत सरकार भी इन विदेशों हरामखोर चालों से सावधान है और जो जवाबी कूटनीतिक मोर्चेबंदी करती जा रही है

जितनी जल्दी अमेरिका, भारत के कूटनीतिक संदेशों को समझ लेगा, उसकी तिलमिलाहट दूर हो जाएगी!

कमलेश पांडेय

> समकालीन कलह के लिए अमेरिका-यूरोप की साम्राज्यवादी शह-मात के खेल जिम्मेदार हैं। इसमें जिस तरह से अरब व खाड़ी देश पिस रहे हैं, यूक्रेन से लेकर ईरान तक बर्बादी ही बर्बादी नजर आ रही है, वह भारतीय कूटनीति के लिए एक अलग ही चुनौती पैदा करती जा रही है। लेकिन हमारी जेन-जेड पीढ़ी इतनी जांबाज और कार्यकुशल है कि निकट भविष्य में एक मजबूत भारत का डंका पीट देगी और दुनिया के मुल्क देखते रह जाएंगे। कहना न होगा कि जिस तरह से रायसीना डायलॉग 2026 में अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ ने अपने बेबाक अंदाज में कहा कि अमेरिका, भारत को चीन जैसी आर्थिक सुविधाएं नहीं देगा, क्योंकि इससे चीन प्रतिद्वंद्वी बन गया। उनका तातपर्य यह कि चीन के अभूतपूर्व विकास का दंश झेल रहा अमेरिका अब यह कभी नहीं चाहेगा कि भारत भी उसी वैश्विक स्थिति को प्राप्त करे।

वैश्विक सम्बन्धों को नया आयाम देने वाले रायसीना डायलॉग 2026 में अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ के एक बेबाक से अब यह बात साफ हो चुकी है कि जब भारत के दोस्त अमेरिका जैसे हों, तो उसे बर्बाद होने के लिए चीन जैसे आस्तीन के सांपों की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। तब शायद यूरोप और रूस मिलकर भी भारत को न बचा पाएं। ऐसा इसलिए कि जो जहर ब्रिटेन और अमेरिका जैसे साम्राज्यवादी देशों के दिलोदिमाग में भरा हुआ है, उससे न तो ब्रिटेन का कल्याण हुआ, न ही अमेरिका का होगा। हां, इनकी क्षुद्र चालों से भारतीय उपमहाद्वीप और अरब-खाड़ी देशों में भयंकर धार्मिक कलह पैदा होगी। हालांकि भारत सरकार भी इन विदेशों हरामखोर चालों से सावधान है और जो जवाबी कूटनीतिक मोर्चेबंदी करती जा रही है, वैसी बानगी अतीत में कभी नहीं दिखती। इसलिए भारत का भविष्य उज्ज्वल है। वह वीर भोग्या वसुंधरा की तर्ज पर वसुधैव कुटुम्बकम और सर्वे भवंतु सुखिनः की राह पर अग्रसर है। समकालीन कलह के लिए अमेरिका-यूरोप की साम्राज्यवादी शह-मात के खेल जिम्मेदार हैं। इसमें जिस तरह से अरब व खाड़ी देश पिस रहे हैं, यूक्रेन से लेकर ईरान तक बर्बादी ही बर्बादी नजर आ रही है, वह भारतीय कूटनीति के लिए एक अलग ही चुनौती पैदा करती जा रही है। लेकिन हमारी जेन-जेड पीढ़ी इतनी जांबाज और कार्यकुशल है कि निकट भविष्य में एक मजबूत भारत का डंका पीट देगी और दुनिया के मुल्क देखते रह जाएंगे। कहना न होगा कि जिस तरह से रायसीना डायलॉग 2026 में अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ ने अपने बेबाक अंदाज में कहा कि अमेरिका, भारत को चीन जैसी आर्थिक सुविधाएं नहीं देगा, क्योंकि इससे चीन प्रतिद्वंद्वी बन गया। उनका तातपर्य यह कि चीन के अभूतपूर्व विकास का दंश झेल रहा अमेरिका अब यह कभी नहीं चाहेगा कि भारत भी उसी वैश्विक स्थिति को प्राप्त करे। हालांकि, हमारे दिग्गज विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसका तगड़ा जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि भारत का उदय (अभ्युदय) अपनी आंतरिक शक्ति और क्षमताओं से होगा, न कि दूसरों की गलतियों पर निर्भर रहकर। इसे अंतरराष्ट्रीय

कूटनीतिक बयानबाजी में नहले पर दहले की तरह लिया गया और इसपर गंभीर बहस छिड़ी हुई है। अमेरिकी उपविदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ ने रायसीना संवाद में चेतावनी दी कि अमेरिका भारत को वह आर्थिक लाभ नहीं देगा जो उसने चीन को दिए थे, क्योंकि इससे चीन वैश्विक प्रतिद्वंद्वी बन गया। उनका यह बयान भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों पर सवाल उठाता प्रतीत होता है। भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने उनके ईर्ष्यालु बयान के दो दिन बाद दो टूक शब्दों में साफ-साफ कहा कि, "देशों का उत्थान खुद तय होता है। भारत का उदय हमारी ताकत से निर्धारित होगा, न कि दूसरों की गलतियों से।" उन्होंने हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की केंद्रीय भूमिका पर जोर दिया, और इशारा किया कि यहां सहयोग करने वालों को ही अधिक लाभ मिलेगा। यह वैचारिक घटना मार्च 2026 के रायसीना डायलॉग से जुड़ी है, जहां जयशंकर ने भारत की स्वतंत्र नीतियों को रेखांकित किया। यह रूस, चीन, यूरोपीय-संघ, अरब-खाड़ी देशों, जापान-कोरिया, आशियान देशों, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका के देशों, दक्षिण अमेरिका के देशों और कनाडा आदि को वह बेवाक कूटनीतिक संदेश है जो वैश्विक संघर्षों में भारतीय उपमहाद्वीप के प्रभुत्वशाली देश भारत के अंतरराष्ट्रीय महत्व को उजागर करता है। अमेरिका जैसे देश भारत की गुटनिरपेक्षता और रणनीतिक स्वायत्तता की अडिग नीति बौखलाहट दिखा रहे हैं, जो खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचे वाली कहावत को चरितार्थ करते हैं। ऐसा इसलिए कि रायसीना डायलॉग 2026 में अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ के बयान पर भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत का उदय अपनी आंतरिक शक्ति से होगा। उन्होंने कहा कि देशों का उत्थान खुद तय होता है, न कि दूसरों की गलतियों पर निर्भर। जयशंकर ने जोर देकर कहा कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र में केंद्रीय भूमिका निभाएगा, जहां सहयोग करने वालों को अधिक लाभ मिलेगा। उन्होंने अमेरिकी चेतावनी को खारिज करते हुए भारत की स्वतंत्र क्षमताओं पर भरोसा जताया। यह जवाब रायसीना डायलॉग के सत्रों के दौरान आया, जहां जयशंकर ने वैश्विक साझेदारियों पर भारत की रणनीति रेखांकित की। उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 2025 में रूस यात्रा के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दो टूक शब्दों में अमेरिकी विदेश नीति को "पेरप्लेक्सेड" (perplexed)/ (कन्फ्यूजिंग या समझ से परे) कहा। इसका कारण स्पष्ट करते हुए जयशंकर ने बताया कि अमेरिका ने पहले भारत को रूस से तेल खरीदने की अनुमति दी थी ताकि वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर रहे। लेकिन बाद में उसी रूसी तेल खरीद पर भारत पर टैरिफ लगाने की नीति अपना ली, जो विरोधाभासी लगती है। इसलिए अतिरिक्त टिप्पणी करते हुए उन्होंने जोर दिया कि भारत न तो रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है (क्योंकि ऐसा चीन है) और न ही एलएनजी (LNG) का (क्योंकि ऐसे यूरोपीय देश हैं), फिर भी भारत पर विशेष रूप से टारगेट क्यों? यह अमेरिकी नीति उनकी समझ से बाहर थी। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत के प्रति अमेरिका का नजरिया पूरी तरह से नकारात्मक नहीं है, बल्कि दोनों देशों के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी है, लेकिन व्यापार, भू-राजनीति और घरेलू नीतियों पर मतभेद तनाव पैदा करते हैं। इससे व्यापारिक विवाद पैदा होते हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत के रूसी तेल खरीद पर जो 25% टैरिफ लगाया था, उसे भारत ने अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया। चूंकि अमेरिका भारत से डेयरी और कृषि उत्पादों पर टैरिफ कम करने की मांग करता रहा है, लेकिन भारत ने अपने स्थानीय हितों की रक्षा की है, इसलिए अमेरिकी बौखलाहट स्वाभाविक है। जहां तक भू-राजनीतिक मतभेद की बात है तो भारत के रूस और ईरान से रक्षा व ऊर्जा संबंध अमेरिका को चिंतित करते हैं, जिसके कारण प्रतिबंधों की धमकियां दी गईं। वहीं ऐतिहासिक रूप से 1974-98 के परमाणु परीक्षणों पर अमेरिका ने कड़े प्रतिबंध लगाए थे। उसकी मानवाधिकार चिंताएं भी गैरवाजिब हैं क्योंकि अमेरिकी रिपोर्ट्स में भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों, पत्रकारों और असहमतियों पर 'गंभीर उल्लंघन' की आलोचना की गई। वहीं खालिस्तानी मुद्दे और आंतरिक राजनीति पर भी बयानबाजी ने तनाव बढ़ाया। इससे अमेरिका को कुछ नहीं हासिल होने वाला है क्योंकि उसके यूरोपीय मित्र तक उससे दूर जाने की राह तलाश रहे हैं। भारत-यूरोपीय संघ के नजदीक आने की एक वजह यह भी है। इसकी खिसियाहट में अमेरिका ने बेनेजुएला और ईरान के राष्ट्रपतियों के साथ जो सुलूक किए, उससे उसकी वैश्विक दबंगई भले बढ़ी, लेकिन भारत में एक कहावत है कि हर गुंडा 12 वर्षों के उत्पात के बाद मारा जाता है। शायद रूस-चीन का शह पाकर मुस्लिम देशों का संघ ओआईसी भी अमेरिका के साथ कुछ यही करें। यह उसके लिए बहुत बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण घटना होगी और इससे यूरोपीय वैभव लौट सकता है। भारत के लिए यह न तो सुखद न ही दुःखद स्थिति होगी।

देश दुनिया से

समरसता की चेतना का पोषण दूर करेगा विभाजन

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा प्रस्तावित नए नियमों को लेकर देशभर में विवाद पूरी तरह थमा नहीं है। बुद्धिजीवी वर्ग से लेकर शिक्षाविदों, छात्र संगठनों और आम नागरिकों तक, विभिन्न स्तरों पर इस प्रस्ताव का विरोध दिखाई दे रहा है। आलोचकों का मानना है कि इन नियमों से उच्च शिक्षा की स्वायत्तता और शैक्षणिक ढांचे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जबकि सरकार और आयोग का तर्क है कि ये बदलाव शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं। यही कारण है कि यह मुद्दा केवल शैक्षणिक संस्थानों तक सीमित न रहकर सार्वजनिक बहस का विषय बन गया है। इस विरोध की तीव्रता का अंदाज़ा राजधानी दिल्ली में हुए प्रदर्शनों से लगाया जा सकता है। जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्रित हुए और यूजीसी द्वारा प्रस्तावित नियमों का खुलकर विरोध किया। गौरतलब है कि कुछ ही दिनों पूर्व में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशन्स, 2026' के संदर्भ में पूछे गए प्रश्न के उत्तर ने व्यापक बहस को उत्पन्न कर दिया। अवांछित तर्कों के बीच हमें एक गंभीर विषय पर विचार करने की आवश्यकता है कि क्या वास्तव में हमारे उच्च शिक्षण संस्थानों में जाति-आधारित भेदभाव उस रूप में विद्यमान है, जिस रूप में यह प्रचारित और प्रसारित किया जा रहा है? सत्ताईस वर्षों के अध्यापन अनुभव और हजारों विद्यार्थियों के निकट संपर्क के आधार पर मेरा अनुभव रहा है कि महाविद्यालयीन परिसर जातिगत भेदभाव से मुक्त सामाजिक संरचना का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। वहां का वातावरण मूलतः संवाद, सहभागिता और मित्रता के आधार पर विकसित होता है, जहां पारस्परिक संबंध जातिगत पहचान के बजाय मानवीय संपर्क और साझा शैक्षणिक जीवन से निर्मित होते हैं। दुर्भाग्य यह है कि भारतीय समाज आज जातिगत विमर्श के ऐसे जाल में उलझता जा रहा है, जहां पूर्व धारणाएं प्रायः तथ्यों पर भारी पड़ती प्रतीत होती हैं। हम वास्तविकताओं की शांत और गहन पड़ताल करने के बजाय प्रचलित मान्यताओं को ही अंतिम सत्य मान लेने की प्रवृत्ति विकसित कर चुके हैं। यह भी एक व्यापक धारणा बन गई है कि भारतीय परंपराएं स्वयं जातिगत भेदभाव का पोषण करती रही हैं परंतु क्या यह सत्य है? या ऐसा कुछ है जिससे हम परिचित नहीं हैं। एएल बाशम ने 1954 में 'द वन्डर दैट वाज इण्डिया' में लिखा था कि 'मध्य युग के पूर्व भारत में जाति व्यवस्था सरल थी।' बहुत से उदाहरण ऐसे भी मिलते हैं जहां वर्ग परिवर्तित होता रहा है। कार्य को बदलने पर सामाजिक स्थिति बदलती रहती है। वैदिक वाङ्मय और प्राचीन संस्कृत साहित्य में कहीं भी जाति व्यवस्था या अस्पृश्यता के उदाहरण परिलक्षित नहीं होते हैं। शूद्र' शब्द को 'क्षुद्र' से बना हुआ मानना भाषाशास्त्रीय रूप से प्रामाणित नहीं है। इसकी व्युत्पत्ति को लेकर विद्वानों में मतभेद हैं, अतः इसे सीधे 'हीन' अर्थ से जोड़ना उचित प्रतीत नहीं होता। अथर्ववेद के शब्दों की निरुक्ति में अपने श्रम के स्वेद (पसीने) से विविध उत्पादकीय कार्य में रत वर्ग को शूद्र कहा गया है। अर्थात् परिश्रमपूर्वक विविध प्रकार की मूल्यवान वस्तुओं के उत्पादन में रत (संलग्न) रहने वाले वर्ग को शूद्र कहकर संबोधित किया गया। इसमें किंचित भी संशय नहीं कि भारत पर हुए बाहरी आक्रमणों से पूर्व अपने उत्पादन कार्यों के प्रतिफल के स्वरूप शूद्र का समाज में आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण से उच्च स्थान था। इसलिए कामन्दक नीतिसार में कहा गया है कि राजा को नया नगर बसाते समय शूद्र जो कि विभिन्न मूल्यवान वस्तुएं उत्पादित करते हैं उन्हें व वैश्य जो उन वस्तुओं के व्यापार से आय उत्पन्न करके राजस्व बढ़ाते हैं उन्हें अधिक संख्या में बसाना चाहिए। एगंस मेड्डिसन ने अपने अध्ययन में स्पष्ट उल्लेखित किया है कि विश्व का एक-तिहाई उत्पादन भारत में होने व प्राचीन वाङ्मय के अनुसार समग्र उत्पादन का दायित्व शूद्रों के नियंत्रण में होने से ही शूद्र प्राचीन काल से ही राज्य की अर्थव्यवस्था का आधार रहे हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक ही है कि यकायक शूद्र निम्न श्रेणी में कैसे अवस्थित हो गए? अगर इस प्रश्न पर गंभीरता से विचार किया जाए तो यह विदित होगा कि इस वर्ग के पास कौशल और परिश्रम की निधि थी जिसे औद्योगीकरण के प्रभाव ने समाप्त कर दिया और परिणामस्वरूप रोजगार का अभाव उनकी आर्थिक विपन्नता का कारण बना। अंग्रेजों द्वारा उन्हें यह विश्वास निरंतर दिलाया गया कि उनके साथ जो कुछ भी नकारात्मक हुआ है और हो रहा है उसका कारण श्रेष्ठी वर्ग हैं। असत्य को निरंतर दोहराने पर वह सत्य प्रतीत होने लगता है। ब्रिटिश काल में बोया गया जातिगत विभाजन का बीज धीरे-धीरे एक ऐसी बेल में परिवर्तित हो गया, जो समाज के अनेक हिस्सों में फैलता चला गया। समय के साथ हमने यह कठोर सत्य भी भुला दिया। जब-जब समाज बिखरता है तब तक राष्ट्र की शक्ति क्षीण होती है। इतिहास साक्षी है कि आंतरिक विभाजन किसी भी देश की प्रगति को धीमा कर देता है। हमारे पूर्वजों द्वारा स्थापित 'वर्ण व्यवस्था' 'जाति व्यवस्था' का आवरण पहन समय के साथ विकृत रूप ग्रहण करती गई और बीती कई सहस्राब्दियों में उसने भारतीय समाज के मूल आदर्श सहिष्णुता, सामाजिक समरसता तथा एकत्व भाव पर कुठाराघात किया। देश की सुदृढ़ता और अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक है कि हम उन विखंडित इतिहास-कथनों और विभाजनकारी आख्यानों से स्वयं को मुक्त करें, जो हमें बार-बार यह विश्वास दिलाने का प्रयास करते हैं कि हम किसी से श्रेष्ठ हैं या किसी से निम्नतर हैं। हमें यह स्मरण रखना होगा कि समाज किसी एक व्यक्ति, समुदाय या समूह से नहीं बनता; उसका प्रत्येक अंग राष्ट्र-निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अतः आवश्यक है कि हम जातिगत पहचान से ऊपर उठकर व्यक्ति के व्यक्तित्व, उसकी प्रतिभा और उसके चरित्र की विशेषताओं को महत्व दें। किसी भी समाज की वास्तविक उन्नति व्यक्ति की क्षमता, परिश्रम, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक दृढ़ता पर आधारित होती है, न कि जन्माधारित पहचान पर। हम यह कैसे विस्मृत कर सकते हैं कि भारत वह राष्ट्र है जिसने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का उद्घोष किया है। जब हमारी सभ्यता विश्व को एक परिवार के रूप में देखने का आदर्श प्रस्तुत करती है, तब जाति की संकीर्ण विचारधाराओं में उलझे हमारे ही आदर्शों की खिल्ली उड़ाते प्रतीत हो रहे हैं। ध्यान रहे कि एक ऐसा समाज, जो स्वयं को लगातार खांचों में बांटता रहता है, अंततः अपनी सामूहिक शक्ति खो देता है। इसलिए आवश्यक है कि हम विभाजन की मानसिकता को नहीं, बल्कि समरसता की चेतना को पोषित करें।

आप का नज़रिया

एक और महिला शगुन

महिला आत्मसम्मान की पलकों पर नए आदर्श सवार करते हुए, सरकार ने सैद्धांतिक तौर पर यह स्वीकार किया है कि यह वर्ग कितना महत्त्वपूर्ण है। महिला दिवस के प्रांगण में हुए उद्घोष की बानगी यह कि तृतीय श्रेणी के पदों में 25 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। महिला सब इंस्पेक्टर की विशेष भर्ती होगी, जबकि महिला सम्मान राशि अब दो लाख तक पहुंचा दी गई। महिला शगुन की बयार में फैसलों की एक लंबी कतार सुक्खू सरकार खड़ी कर रही है, फिर भी इस वर्ग को अपने हित की गारंटी में पंद्रह सौ रुपए की राशि की दरकार है। हिमाचल में महिला सशक्तिकरण की विभिन्न योजनाओं से हटकर एक अहम पहलू यह कि प्रदेश की बच्चियां स्वावलंबन के पथ पर हर क्षेत्र को अपना रही हैं। यह सरकारी नौकरी या रोजगार गारंटी योजना तक ही सीमित नहीं, बल्कि हर प्रोफेशन में महिला की जीत का परचम है। स्वयं सहायता समूहों के जरिए आई उद्यमशीलता का तकाजा यह कि अब ग्रामीण महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की डगर पर आर्थिक संभावनाएं ढूंढ ली हैं। हिमाचल में महिला साक्षरता दर अस्सी फीसदी से ऊपर पहुंच रही है, तो इस वर्ग की सफलता का पाठ्यक्रम बदल चुका है। हिमाचल में महिला वर्क फोर्स राष्ट्रीय दर से काफी ऊपर है। तकरीबन पचास फीसदी हिमाचली महिलाएं किसी न किसी तरह के रोजगार से सीधी जुड़ी हैं। कुछ महिलाओं ने नए प्रोफेशन भी अपनाए हैं। राष्ट्रीय मंच पर ऐसी महिला खिलाड़ी यहां से निकली हैं, जिन्होंने लड़कियों को खेलों में उपलब्धियों का सारथी बना कर, जिंदगी को सार्थक करने का हुनर सिखा दिया है। ऐसे में सरकार अगर 25 प्रतिशत क्लास थ्री पद महिलाओं के नाम कर रही है, तो इस रसीदी पत्र पर इकबाल दिखाई दे रहा है। राजनीतिक तौर पर आधी आबादी का उत्थान कम से कम पचास फीसदी की महत्त्वाकांक्षा रखता है, लेकिन शुरुआती तौर पर कुछ कदम बढ़ा कर सुक्खू सरकार ने इस वर्ग की उत्कंठा बढ़ा दी है। जाहिर है महिलाएं तो यह चाहेंगी कि सरकारी नौकरियों का बंटवारा कुछ इस तरह से हो कि उन्हें सीधे आरक्षण का ज्यादा लाभ मिले। यह आरक्षण अन्य आरक्षणों से बाहर अगर ताज सजा रहा है, तो यह कैटेगिरी अपने अधिकारों की श्रेणी को बुलंद करेगी। फैसले आजकल जिस संभावना से तराशे जाते हैं, वहां समाज के बीच सियासी सहयोग के समीकरण काफी महत्त्व रखते हैं। जाहिर है आरक्षित पदों के बीच एक और कैटेगिरी जुड़ रही है, तो यह स्पेस विशेषाधिकार की तरह सामान्य महिलाओं को भी न्याय देगा। अभी आरक्षण के वर्गीकरण में केवल चतुर्थ श्रेणी पद ही चुने गए हैं, जबकि आइंदा तमाम बड़ी नियुक्तियों में महिलाएं कम से कम 25 प्रतिशत आरक्षण के कोटे का प्रसार चाहेंगी। मसलन पुलिस, शिक्षा व चिकित्सा भर्ती में अगर सभी पदों के लिए 25 प्रतिशत आरक्षण का फार्मूला चस्पां हो जाए, तो प्रतीक्षारत महिलाओं के नाम नौकरियों का बड़ा पिटारा खुल जाएगा। बहरहाल महिला पुलिस सब इंस्पेक्टर की विशेष भर्ती से एक दरवाजा खुल रहा है। सुक्खू सरकार अब अपने राजनीतिक आईने में अपने पक्ष को प्रतिबिंबित होते देखना चाहती है और इस संदर्भ में महिलाओं की आशाओं को गुलाब सौंपा जा रहा है। पिछले चुनाव के बकाया वादे में, हिमाचल की जागरूक महिलाएं पंद्रह सौ रुपए प्रति माह जोडक़र देखती रही हैं। सरकार ने कुछ कबाइली क्षेत्रों के अलावा कुछ खंड क्षेत्रों में आबंटन की यह राशि जारी की है। अब आगामी विधानसभा चुनावों से पर्दा उठने से पहले सरकार को अपनी इस गारंटी को फूंक मारनी है। खैर आरक्षण की सीधी ताल ठोंकते हुए सुक्खू सरकार ने महिलाओं के करिश्माई घोड़े दौड़ाए जरूर हैं।

> महिला सब इंस्पेक्टर की विशेष भर्ती होगी, जबकि महिला सम्मान राशि अब दो लाख तक पहुंचा दी गई। महिला शगुन की बयार में फैसलों की एक लंबी कतार सुक्खू सरकार खड़ी कर रही है, फिर भी इस वर्ग को अपने हित की गारंटी में पंद्रह सौ रुपए की राशि की दरकार है। हिमाचल में महिला सशक्तिकरण की विभिन्न योजनाओं से हटकर एक अहम पहलू यह कि प्रदेश की बच्चियां स्वावलंबन के पथ पर हर क्षेत्र को अपना रही हैं। यह सरकारी नौकरी या रोजगार गारंटी योजना तक ही सीमित नहीं, बल्कि हर प्रोफेशन में महिला की जीत का परचम है। स्वयं सहायता समूहों के जरिए आई उद्यमशीलता का तकाजा यह कि अब ग्रामीण महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की डगर पर आर्थिक संभावनाएं ढूंढ ली हैं। हिमाचल में महिला साक्षरता दर अस्सी फीसदी से ऊपर पहुंच रही है, तो इस वर्ग की सफलता का पाठ्यक्रम बदल चुका है। हिमाचल में महिला वर्क फोर्स राष्ट्रीय दर से काफी ऊपर है। तकरीबन पचास फीसदी हिमाचली महिलाएं किसी न किसी तरह के रोजगार से सीधी जुड़ी हैं। कुछ महिलाओं ने नए प्रोफेशन भी अपनाए हैं। राष्ट्रीय मंच पर ऐसी महिला खिलाड़ी यहां से निकली हैं, जिन्होंने लड़कियों को खेलों में उपलब्धियों का सारथी बना कर, जिंदगी को सार्थक करने का हुनर सिखा दिया है। ऐसे में सरकार अगर 25 प्रतिशत क्लास थ्री पद महिलाओं के नाम कर रही है, तो इस रसीदी पत्र पर इकबाल दिखाई दे रहा है। राजनीतिक तौर पर आधी आबादी का उत्थान कम से कम पचास फीसदी की महत्त्वाकांक्षा रखता है, लेकिन शुरुआती तौर पर कुछ कदम बढ़ा कर सुक्खू सरकार ने इस वर्ग की उत्कंठा बढ़ा दी है।

दृष्टि कोण

उच्च शिक्षा का दृष्टिकोण बदले

भारत में हर साल लाखों छात्र डिग्री लेकर कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से निकलते हैं। उम्मीद होती है कि पढ़ाई पूरी करते ही उन्हें अच्छी नौकरी मिलेगी और वे अपने करियर की मजबूत शुरुआत कर पाएंगे। हालांकि, जमीनी हकीकत इससे अलग नजर आती है। हाल ही में टीमलीज एडटेक की एक नई रिपोर्ट ने भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था की इस सच्चाई को सामने रखा है, जिसने शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ते अंतर को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत के करीब 75 प्रतिशत उच्च शिक्षा संस्थान (कॉलेज और विश्वविद्यालय) अपने छात्रों को उद्योग-अनुकूल यानी जॉब-रेडी स्किल्स देने में असफल हो रहे हैं। दूसरे शब्दों में छात्र डिग्री तो हासिल कर लेते हैं, लेकिन उनमें वह व्यावहारिक कौशल नहीं होता, जिसकी आज के नियोक्ताओं को जरूरत है। इस रिपोर्ट के अनुसार कई संस्थान सिर्फ डिग्री बांटने का काम कर रहे हैं, न कि छात्रों को रोजगार के लिए तैयार कर रहे हैं। उच्च शिक्षा की स्थिति कितनी चिंताजनक है? देश में सिर्फ 16.67 प्रतिशत संस्थान ही ऐसे हैं, जो अपने 76 से 100 प्रतिशत छात्रों को स्नातक होने के छह महीने के भीतर नौकरी दिला पाते हैं। यह आंकड़ा उन संस्थानों के लिए भी निराशाजनक है, जो खुद को बेहतर प्लेसमेंट देने वाला बताते हैं। आज के समय में शिक्षा का उद्योग से जुड़ा होना बहुत जरूरी है, लेकिन ऐसा बहुत कम जगहों पर हो रहा है। इस रिपोर्ट के अनुसार सिर्फ 8.6 प्रतिशत संस्थानों ने माना कि उनके पाठ्यक्रम पूरी तरह से उद्योग की जरूरतों के अनुरूप हैं। वहीं 51 प्रतिशत से ज्यादा संस्थानों ने साफ कहा कि उनके कोर्स का उद्योग से कोई तालमेल ही नहीं है। यह स्थिति आकांक्षाओं और जमीनी हकीकत के बीच गहरे अंतर को दिखाती है। उन्होंने यहां तक कहा कि भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली अपने तय किए गए लक्ष्यों को हासिल करने में संरचनात्मक रूप से कमजोर है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि कॉलेजों में इंडस्ट्री से जुड़े अनुभवी प्रोफेशनल्स की भागीदारी बहुत कम है।

सिर्फ 7.56 प्रतिशत संस्थानों ने ही कई कोर्सों में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस को शामिल किया है। इसका असर यह होता है कि ज्यादातर छात्रों को असली दुनिया की नौकरी, बदलती भूमिकाओं और काम करने के तरीकों की सही समझ नहीं मिल पाती है। आज के समय में कंपनियां सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि मान्यता प्राप्त इंडस्ट्री सर्टिफिकेट्स को भी महत्व देती हैं। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि 60 प्रतिशत से ज्यादा संस्थानों ने अपने पाठ्यक्रम में ऐसे सर्टिफिकेट्स को शामिल करने पर कभी विचार ही नहीं किया। इससे छात्र ऐसे कौशल के बिना ग्रेजुएट हो जाते हैं, जिन्हें नियोक्ता तुरंत पहचान कर सकें और महत्व दें। नौकरी के लिए तैयार होने में इंटर्नशिप और अनुभवात्मक सीख की भूमिका बहुत अहम होती है। लेकिन यहां भी हालात कमजोर हैं। सिर्फ 9.4 प्रतिशत संस्थानों में सभी कोर्सों के लिए अनिवार्य इंटर्नशिप होती है। वहीं 37.8 प्रतिशत संस्थानों में इंटर्नशिप की कोई व्यवस्था ही नहीं है। इसके अलावा, लाइव इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स, जिनमें छात्र असली समस्याओं पर काम करते हैं, सिर्फ 9.68 प्रतिशत संस्थानों में ही कराए जाते हैं। इन कमियों की वजह से बड़ी संख्या में छात्र बिना किसी व्यावहारिक अनुभव के नौकरी बाजार में कदम रखते हैं। ऐसे में क्लासरूम से वर्कप्लेस तक का सफर उनके लिए बेहद कठिन हो जाता है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि कॉलेज अपने पूर्व छात्रों के नेटवर्क का सही इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं, जबकि यह उद्योग और संस्थानों के बीच एक मजबूत कड़ी हो सकता है।

हरियाणा और कनाडा नवाचार व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मजबूत साझेदारी स्थापित कर सकते हैं : सैनी

चंडीगढ़, 11 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को अपने आवास संत कबीर कुटीर पर इंडो-कनाडा चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रशांत श्रीवास्तव के नेतृत्व में आए एक प्रतिनिधिमंडल के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा कनाडा के साथ बढ़ते सहयोग को एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखता है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में वे देश और क्षेत्र तेजी से प्रगति कर रहे हैं, जो ज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर आधारित साझेदारियां स्थापित कर रहे हैं। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा और कनाडा कई ऐसे क्षेत्रों में मिलकर काम कर सकते हैं, जिनसे साझा प्रगति और सतत विकास का एक मजबूत मॉडल तैयार किया जा सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और स्मार्ट गवर्नेंस में संभावित सहयोग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार प्रशासन को अधिक पारदर्शी, कुशल और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए डिजिटल और एआई आधारित समाधानों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कनाडा वैश्विक स्तर पर अग्रणी देशों में से एक है और स्मार्ट गवर्नेंस, डेटा-आधारित निर्णय प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाओं तथा कृषि क्षेत्र के लिए एआई आधारित समाधानों जैसे क्षेत्रों में सहयोग से शासन और जनसेवा वितरण को और सशक्त बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने शिक्षा और कौशल विकास के महत्व पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य हरियाणा के युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है।

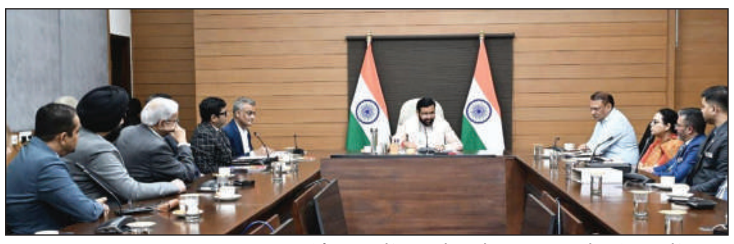

कनाडा की एप्लाइड लर्निंग, पॉलिटेक्निक शिक्षा और सिमुलेशन आधारित प्रशिक्षण प्रणाली अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हैं। संयुक्त डिग्री कार्यक्रम, कौशल विकास कार्यक्रम, एक्सपिरियंस लर्निंग और इंडस्ट्री इंटिग्रेटिड पाठ्यक्रम जैसे क्षेत्रों में साझेदारी से युवाओं के लिए नए अवसर सृजित हो सकते हैं।

कृषि और एग्री-टेक के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रिसिजन फार्मिंग, पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट, फूड प्रोसेसिंग और कोल्ड-चेन इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में सहयोग से हरियाणा के किसानों की उत्पादकता और आय दोनों को बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

उन्होंने कहा कि स्टार्टअप, नवाचार और तकनीकी उद्यमिता भी परस्पर सहयोग के लिए एक बड़ा क्षेत्र है। हरियाणा निरंतर नवाचार-आधारित अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है और कनाडा का वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित टेक स्टार्टअप इकोसिस्टम राज्य के प्रयासों को और मजबूती प्रदान कर सकता है। इन्क्यूबेशन सपोर्ट, अनुसंधान सहयोग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और उद्यमिता कार्यक्रमों के माध्यम से दोनों प्रांतों के युवाओं और उद्यमियों को नए अवसर मिल सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने पर्यटन क्षेत्र में भी व्यापक संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पर्यटन प्रबंधन के क्षेत्र में कनाडा का अनुभव हरियाणा के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल हरियाणा और कनाडा के बीच दीर्घकालिक और संस्थागत सहयोग की मजबूत आधारशिला बन सकती है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को श्रीमद्भगवद्गीता की एक प्रति भी भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को कनाडा आने का निमंत्रण दिया, ताकि सहयोग को और आगे बढ़ाया जा सके तथा भारत-कनाडा साझेदारी को सुदृढ़ किया जा सके।

बिना उचित कारण मरीजों को बाहर से दवा लिखना स्वीकार नहीं किया जाएगा : आरती सिंह राव

पंचकूला, 11 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बुधवार को सेक्टर-6 स्थित नागरिक अस्पताल पंचकूला का औचक निरीक्षण किया और विभिन्न वार्डों का दौरा कर वहां इलाज के लिए आए मरीजों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं का फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने महानिदेशक स्वास्थ्य विभाग और सिविल सर्जन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल की इमरजेंसी, लेबर रूम, एनआईसीयू वार्ड, ओपीडी, आईसीयू, ईएनटी, ऑर्थोपेडिक विभाग सहित विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में मौजूद मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर इलाज, दवाइयों और अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। अधिकांश मरीजों ने डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ के व्यवहार तथा सेवाओं को लेकर संतोष व्यक्त किया। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने अस्पताल में स्थित प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना के तहत संचालित जनऔषधि केंद्र का भी निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध दवाइयों की जानकारी ली। उन्होंने अपने स्टाफ को अलग-अलग काउंटरों पर भेजकर दवाओं की उपलब्धता की जांच करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री अस्पताल की सफाई व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधन को लेकर संतुष्ट नजर नहीं आईं। उन्होंने पाया कि अस्पताल में करीब 16 से 17 सफाई कर्मचारी तैनात होने के बावजूद उनके कार्यस्थल और ड्यूटी का स्पष्ट रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं था। इस पर उन्होंने अधिकारियों को तुरंत व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए और कहा कि भविष्य में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए इसे पीपीपी मोड पर देने पर भी विचार किया जा रहा है।

आरती सिंह राव ने कहा कि अस्पताल में साफ-सफाई सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश दिए कि गर्मियों को देखते हुए अस्पताल में एयर कंडीशनिंग व्यवस्था को भी दुरुस्त किया जाए, ताकि दूर-दराज से इलाज के लिए आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विशेष रूप से महिला वार्ड की सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया और कहा कि अस्पताल में महिला मरीजों की सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए कि महिला वार्ड सहित अन्य संवेदनशील स्थानों पर आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों की नियुक्ति की जाए ताकि महिलाओं को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण मिल सके। स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल की नर्सरी (नवजात शिशु वार्ड) का भी निरीक्षण किया और वहां भर्ती बच्चों की देखभाल की व्यवस्था को देखा।

खाड़ी युद्ध का असर भारत तक, गैस सिलेंडर महंगे और कमी से जनता परेशान : राव नरेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 11 मार्च (एजेंसियां)। खाड़ी युद्ध (विशेष रूप से अमेरिका-इज़राइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष) का असर अब भारत में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। कच्चे तेल और एलपीजी की अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति प्रभावित होने से ऊर्जा संकट गहरा गया है, जिसका सीधा प्रभाव आम उपभोक्ता पर पड़ रहा है। हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में इस मुद्दे पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि खाड़ी युद्ध के कारण कच्चे तेल और एलपीजी की आपूर्ति बाधित होने से देश में घरेलू गैस सिलेंडरों के दाम बढ़े हैं। हाल ही में (7 मार्च 2026 से) घरेलू 14.2 किलो सिलेंडर के दाम 60 बढ़कर दिल्ली में 913 हो गए हैं, जबकि कमर्शियल 19 किलो सिलेंडर 115 महंगा होकर 1,883 पहुंच गया है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा, महंगाई की मार पहले से झेल रही जनता पर अब गैस सिलेंडरों की बढ़ती कीमतों और कमी ने दोहरी मार डाल दी है। इससे घरेलू बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि केंद्र सरकार दामों में कमी नहीं करती और आपूर्ति सुचारू नहीं बनाती, तो हरियाणा कांग्रेस प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू करेगी। हरियाणा में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कमी की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। रिपोर्टों के अनुसार, प्रदेश में केवल 7 दिन का स्टॉक बचा हुआ है (इंडियन ऑयल के पास लगभग 3.5 दिन, भारत पेट्रोलियम के पास 7.1 दिन, और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के पास 5.8 दिन का)। गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं, और लोग परेशान हैं। केंद्र सरकार के निर्देश पर अब घरेलू सिलेंडर बुकिंग के लिए न्यूनतम 25 दिन का अंतराल अनिवार्य कर दिया गया है, जबकि कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति पर अगले आदेश तक रोक लगा दी गई है। शादियों के सीजन में यह स्थिति और भी गंभीर हो गई है, जिससे अराजकता जैसा माहौल पैदा हो गया है।

इसके अलावा, पानीपत में गैस आधारित लगभग 250 टेक्सटाइल और हैंडलूम इंडस्ट्रीज बंद हो गई हैं। पॉलिएस्टर धागों के दाम 20% तक बढ़ गए हैं, और खान-पान से जुड़े कारोबार पर भी गहरा संकट है। यदि समय रहते समाधान नहीं निकाला गया, तो आम जनता के साथ-साथ उद्योगों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी इस संकट पर पहले ही चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि खाड़ी क्षेत्र में तनाव से भारत की ऊर्जा सुरक्षा खतरे में है, क्योंकि हमारी 40% से अधिक तेल आयात और अधिकांश एलपीजी होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरती है।

स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन बनाकर शहर के हर हिस्से को बनाएं स्वच्छ : केके गुप्ता

दौसा, 11 मार्च (एजेंसियां)। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत राजस्थान सरकार के ब्रांड एम्बेसडर केके गुप्ता ने बुधवार को भांकरी रोड स्थित टाउन हॉल में जिले के सभी नगरीय निकायों के अधिकारियों, रूडीप प्रोजेक्ट तथा जेजेएम योजना से जुड़े अधिकारियों की बैठक लेकर मिशन की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान केवल कुछ दिनों का कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह पूरे वर्ष निरंतर चलने वाला जनआंदोलन है। इसे प्रभावी रूप से धरातल पर उतारने में अधिकारियों और कर्मचारियों की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों के पास पर्याप्त संसाधन, कर्मचारी और बजट उपलब्ध हैं, इसलिए इनका सही उपयोग करते हुए स्वच्छता को शहर के हर हिस्से तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता का वास्तविक सर्वेक्षण तब माना जाएगा जब जनता स्वयं हमारे कार्यों की सराहना करे और शहर में दूर-दूर तक कहीं भी गंदगी दिखाई न दे। गंदगी के कारण उल्टी, दस्त, टाइफाइड, डेंगू, मलेरिया और बुखार जैसी गंभीर बीमारियां फैलती हैं, इसलिए स्वच्छता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

ब्रांड एम्बेसडर ने कहा कि सभी निकायों में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए, रात्रिकालीन सफाई सुनिश्चित की जाए तथा सार्वजनिक शौचालयों की नियमित साफ-सफाई कराई जाए। इसके साथ ही खाली प्लॉटों की सफाई, प्लास्टिक मुक्त वातावरण, सड़कों पर आवारा पशुओं की रोकथाम, स्ट्रीट लाइटों की समुचित व्यवस्था, पार्कों की स्वच्छता तथा सड़कों और डिवाइडरों को साफ-सुथरा एवं गड्ढामुक्त रखने पर विशेष ध्यान देने पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की स्वीकृति देते समय यह सुनिश्चित किया जाए कि निर्माण सामग्री सड़कों पर न डाली जाए। स्वच्छता के लिए जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है, इसलिए आमजन स्वयं गंदगी न फैलाएं और यदि कोई गंदगी फैलाता है तो उसे रोकने व टोकने की जिम्मेदारी भी निभाएं।

बैठक में विभिन्न नगरीय निकायों के अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित स्वच्छता गतिविधियों और योजनाओं की जानकारी प्रस्तुत की। साथ ही अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सुझावों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर स्वच्छता के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। बैठक में दौसा नगर परिषद आयुक्त कमलेश कुमार मीणा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी तथा नगर निकायों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मोदी सरकार राष्ट्रीय संकट को लेकर भी लापरवाह और असंवेदनशील है : गहलोत

जयपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि खाड़ी देशों में युद्ध के कारण देश में रसोई गैस आपूर्ति पर गहराता संकट बेहद चिंताजनक है। भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मोदी सरकार इस संभावित राष्ट्रीय संकट को लेकर भी हमेशा की तरह लापरवाह और असंवेदनशील बनी हुई है। समय रहते स्थिति का आकलन ना कर पाना केंद्र सरकार का स्पष्ट कलेक्टिव फेलियर है। गहलोत ने वर्तमान परिस्थितियों में मेरी आमजन से अपील है कि रसोई गैस और पेट्रोल-डीजल का उपयोग पूरी जिम्मेदारी और मितव्ययता के साथ करें। केन्द्र और राज्य दोनों

सरकारों द्वारा दैनिक मजदूरी करने वाले मजदूरों द्वारा रोजाना खाना खाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ढाबों में ड्झत्रः गैस की सप्लाई सुनिश्चित की जाए।

गहलोत ने कहा कि राजस्थान सरकार से मेरा विशेष आग्रह है कि कम से कम 'इंदिरा रसोई' (वर्तमान नाम अन्नपूर्णा रसोई) में गैस की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, क्योंकि लाखों जरूरतमंद, छात्र और श्रमिक भोजन के लिए इन्हीं पर निर्भर हैं।

राजस्थान में खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां निरस्त

जयपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। घरेलू गैस सिलेंडर की कालाबाजरी रोकने और उपभोक्ताओं को आपूर्ति सुनिश्चित करने उद्देश्य से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरकारी आवास पर महत्वपूर्ण बैठक की । इस बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं गैस कंपनियों के प्रमुख मौजूद रहे । मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में गैस एवं पेट्रोलियम पदार्थों की कोई कमी नहीं है, साथ ही प्रदेश में सप्लाई निरंतर जारी रहेगी । वहीं राज्य सरकार ने खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों की छुट्टियां निरस्त कर दी है । खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग एवं तीनों कंपनियों से कहा कि डिस्ट्रीब्यूटर को हिदायत देवे और कालाबाज़ारी से बचें । मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को हिदायत दी है कालाबाज़ारी करने वाले वालों के ख़िलाफ़ कार्रवाई करे ।

दिया कुमारी ने दिए बजट घोषणाओं के शीघ्रता से क्रियान्वयन के निर्देश

जयपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन, कला-साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में बुधवार को पर्यटन भवन में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के चैयरमैन ओंकार सिंह लाखावत, अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यटन,कला-साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व प्रवीण गुप्ता की उपस्थिति में पर्यटन व कला, साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग से सम्बंधित विभिन्न विषयों, योजनाओं तथा बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उपमुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25, 2025-2026 की लंबित बजट घोषणाओं के त्वरित क्रियान्वयन तथा वर्ष 2026-2027 के लिए की गई बजट घोषणाओं की समय सीमा बनाकर संबंधित कार्यकारी एजेंसीज के साथ समन्वय कर डीपीआर/ लागत प्रस्ताव तैयार करवा कर अग्रिम कार्यवाही कराने निर्देश प्रदान किए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 14 से 19 मार्च तक राजस्थान दिवस सप्ताह को पूर्ण भव्यता के साथ प्रदेश भर में आयोजित किया जावे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय लोक कलाओं का भव्यता से प्रदर्शन किया जाए तथा राज्य की कला एवं संस्कृति को केंद्र में रख कर राजस्थान दिवस समारोह को सफल बनाया जाए। उन्होंने इसके साथ ही यह भी निर्देश दिए की 18 नवंबर 2027 में जयपुर के स्थापना के तीन सौ बर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इस हेतु एक समग्र कार्य योजना बनाकर इसे एक भव्य महोत्सव के रूप में मनाए जाने हेतु आवश्यक तैयारियां की जाएं।

दिया कुमारी ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की बजट घोषणाओं की अनुपालना में राज्य के प्रत्येक संभाग स्तर पर वहां की प्रसिद्ध नृत्य शैलियों पर आधारित नृत्य उत्सव आयोजित करने के निर्देश दिए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। कोई आपको नुक़सान पहुँचाने की कोशिश कर सकता है। अगर आप हिसाब बराबर करना चाहें, तो ऐसा सलीके से ही किया जाना चाहिए। आपका प्रिय दिन भर आपको याद करने में समय बिताएगा। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें और आज के कामों को कल तक के लिए टाल दें। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। कामकाज के मोर्चे पर आपको सबसे स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इज़ाफ़ा करेगा। अपने मित्रों या संबंधियों को अपना आर्थिक काम-काज और रुपये-पैसे का प्रबंधन न करने दें, नहीं तो जल्दी ही आप आपने तयशुदा बजट से कहीं आगे निकल जाएंगे। नए कामों को पूरा करने में महिला सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। खाली वक़्त आज व्यर्थ की बहसों में खराब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से कुछ ख़ास देखने को मिल सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे– ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे । जीत का जश्न आपके दिल को ख़ुशी से भर देगा। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। मुमकिन है कि आपके माता-पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। पारिवारिक सदस्य या जीवन-साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। कामकाज में आपको काफ़ी फ़ायदा हो सकता है। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा तनाव और चिंता करने की आदत सेहत को नुक़सान पहुँचा सकती है। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। एक नज़दीकी रिश्तेदार ख़ुद के लिए आपका ज़्यादा ध्यान चाहेगा, हालाँकि वह काफ़ी मददगार और ख़याल रखने वाला होगा। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम-काज निबटाने में मदद करेंगे। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। योजनाओं को अमली जामा पहनाने और नयी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी-मज़ाक़ आपका यादगार दिन बना सकती हैं ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

चूँकि यात्रा के लिहाज़ से आप अभी कुछ कमज़ोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज़्यादा परेशान कर देंगे। व्यवसायियों के लिए अच्छा दिन है, क्योंकि उन्हें अचानक बड़ा फ़ायदा हो सकता है। दिन अच्छा है दूसरों के साथ-साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने जीवन-साथी के साथ पारिवारिक समस्याओं को साझा करें। एक-दूसरे को फिर से भली-भांति जानने के लिए थोड़ा और वक़्त एक-दूसरे के साथ बिताएँ और ख़ुद की स्नेही जोड़े की छवि को मज़बूत करें। आपके बच्चे भी घर में ख़ुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार लें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बच्चों के साथ खेलना बहुत अच्छा और सुकून देने वाला अनुभव रहेगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आप-को इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। आपके परिवार वाले किसी छो-टी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे- और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। अगर आप कोई नया व्यवसाय या योजना शुरू करने की सोच रहे हैं तो जल्दी ही फ़ैसला करें, क्योंकि आपके सितारे महरबान हैं। जो आप करना चाहते हैं, उस ओर क़दम बढ़ाने में घबराएँ नहीं। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तरोताज़ा होने के लिए अच्छी तरह से आराम करें। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। अपनी व्यक्तिगत भावनाएँ और गोपनीय बातें अपने प्रिय से बाँटने का सही समय नहीं है। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 12 मार्च 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र , कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी अहोरात्र
नक्षत्र : मूल रात्रि 12:44 तक
योग : सिद्धि प्रात: 09:57 तक
करण : तैतिल सायं 05:30 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:26, सूर्यास्त 06:25 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:29 , सूर्यास्त 06:29 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:22 , सूर्यास्त 06:22 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:17, सूर्यास्त 06:16 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल रात्रि 12:44 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सिंगूर बहुउद्देश्यीय परियोजना में मरम्मत कार्यों की धीमी गति और निम्न स्तर पर एनडीएसए ने जताई चिंता

संगारेड्डी, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) के अधिकारियों ने संगारेड्डी जिले में सिंगूर बहुउद्देश्यीय परियोजना में किए जा रहे मरम्मत कार्यों के तरीके पर कड़ा गुस्सा व्यक्त किया है।

बुधवार को चल रहे कार्यों का निरीक्षण करने वाली अधिकारियों की टीम ने पाया कि ठेकेदार को शुरुआत में उस स्थान पर काम शुरू करना चाहिए था जहाँ रेवेटमेंट वास्तव में क्षतिग्रस्त हुआ था। हालांकि, काम बांध के एक सिरे से शुरू किया गया था।

इंजीनियरिंग अधिकारियों ने साइट पर ठेकेदार द्वारा केवल एक जेसीबी और एक ट्रक तैनात किए जाने पर भी आश्चर्य व्यक्त किया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भले ही कार्यों में तेजी लाने की आवश्यकता है–क्योंकि आने वाले मानसून के दौरान पेयजल और सिंचाई की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए परियोजना में पानी का भंडारण करना आवश्यक होगा–लेकिन यदि इतने कम कार्यबल और सीमित मशीनरी के साथ काम जारी रहा, तो मरम्मत कार्य पूरा नहीं हो पाएगा।

निरीक्षण टीम ने कार्यों की गुणवत्ता पर भी प्रत्यक्ष रूप से असंतोष व्यक्त किया। अभी तक 'क्रेस्ट गेट्स' पर काम शुरू नहीं हुआ है।यद्यपि सिंचाई विभाग जून से पहले इन कार्यों को पूरा करना चाहता था (जब मंजिरा नदी में ऊपरी धारा से पानी का प्रवाह शुरू होता है), लेकिन तब तक काम पूरा होने की संभावना बहुत कम दिखाई दे रही है। यह स्थिति अंततः विभाग को अगले पूरे वर्ष के लिए परियोजना को सूखा रखने के लिए मजबूर कर सकती है।ऐसी स्थिति किसानों और सरकार दोनों को मुश्किल में डाल सकती है, क्योंकि यह परियोजना संगारेड्डी, मेडक और कामारेड्डी जिलों के लिए सिंचाई के पानी का एकमात्र स्रोत है। इसके अलावा, यह पानी हैदराबाद के कुछ हिस्सों, तत्कालीन मेड जिले और तत्कालीन निजामाबाद जिले को पेयजल आपूर्ति के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

एसआर यूनिवर्सिटी ने अंतरराष्ट्रीय एथलीट नंदिनी अगासरा के साथ मनाया 24वां वार्षिक खेल दिवस

वरंगल, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एसआर यूनिवर्सिटी ने बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर में अपना 24वां वार्षिक खेल दिवस–2026 उत्साहपूर्वक मनाया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के छात्रों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में एसआरयू (डठण) के चांसलर ए. वरदा रेड्डी ने छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ–साथ खेलों में भी सक्रिय रूप से भाग लेने और एक स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन शैली बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।26वीं एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता, अंतरराष्ट्रीय एथलीट नंदिनी अगासरा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि खेलों में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, निरंतर अभ्यास और दृढ़ संकल्प अनिवार्य हैं।उन्होंने छात्रों को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करने की सलाह दी। उन्होंने आगे कहा कि छात्र जीवन के दौरान खेलों में भागीदारी से शारीरिक फिटनेस, आत्मविश्वास, नेतृत्व के गुण और मानसिक शक्ति विकसित करने में मदद मिलती है।कार्यक्रम के दौरान चांसलर वरदा रेड्डी और वाइस चांसलर दीपक गर्ग द्वारा नंदिनी अगासरा को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के प्रो–वाइस चांसलर वी. महेश, रजिस्ट्रार पीवी रमना राव और डीन (छात्र कल्याण) एवीवी सुधाकर भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समन्वय शारीरिक शिक्षा निदेशक और विश्वविद्यालय खेल परिषद के सचिव श्रीनिवास पुल्लुरी द्वारा किया गया।

मंचेरियाल में शराब की दुकानों के खिलाफ अभियान

मंचेरियाल, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । स्थानीय स्वयंसेवी नागरिक सेवा संगठन द्वारा फुले भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अध्यक्ष कनुंटला मल्लैया ने मंचरियाल जिले और नगर निगम में शराब की दुकानों द्वारा नियमों के उल्लंघन की गंभीर समस्या पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ये दुकानें महिलाओं और लड़कियों को परेशान कर रही हैं और अवैध तरीके से संचालित की जा रही हैं।महासचिव तुला मधुसूदन राव ने आरोप लगाया कि दुकानें परमिट से भी अधिक सुविधाएं प्रदान कर रही हैं, जबकि आबकारी अधिकारी इस पर चुप हैं। उन्होंने ट्रैफिक पुलिस और अधिकारियों को भी निंदा की, जिनकी मौजूदगी के बावजूद कानून का पालन नहीं हो रहा है।उन्होंने मांग की कि सभी संबंधित विभागों को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए, अन्यथा वे महिलाओं के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में अन्य सदस्यों ने भी अपनी चिंताओं को साझा किया और शराब विक्रय के बढ़ते स्तर को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की।

कचरे के ढेरों पर क्यों मौन है प्रशासन?

चेतावनी के संकेतों के बावजूद स्वच्छता का अभाव, श्रद्धालुओं की चिंताएं बढ़ीं

मंचेरियाल, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । चेतावनी के संकेतों के बावजूद, कचरे के ढेर अभी भी मौजूद हैं। निंड्यारयाल नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में आने वाले मंदिरों के मुख्य चौराहों पर प्लास्टिक के उपयोग और कूड़ा फेंकने पर रोक लगाने वाले चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं, लेकिन इन बोर्डों का प्रभाव सीमित नजर आता है। बोर्डों पर साफ तौर पर लिखा है कि 'प्लास्टिक और कूड़ा फेंकने पर जुर्माना लगाया जाएगा,' लेकिन यह नियम सिर्फ बोर्ड तक ही सीमित हैं।

यह स्थिति मंचरियाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित श्री वीर हनुमान भक्तंजनेय स्वामी मंदिर के प्रवेश द्वार पर स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। मेवलयम दीवार अधिकारियों द्वारा चेतावनी बोर्ड लगाने के बावजूद, उसी क्षेत्र में कूड़ा जमा होना श्रद्धालुओं के लिए चिंता का विषय बन गया है।

श्रद्धालु इस बात से चिंतित हैं कि कुछ अज्ञात लोग

मनमाने ढंग से कूड़ा फेंककर मंदिर के आसपास के क्षेत्र की उपेक्षा कर रहे हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि मंदिर अधिकारी, जन प्रतिनिधि, पार्षद, विधायक और पूर्व विधायक अक्सर मंदिर का दौरा करते हैं, फिर भी वहां कचरा साफ नहीं किया जा रहा।

स्थानीय लोग यह आरोप लगा रहे हैं कि अब तक सबक सीख चुके लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। पवित्र मंदिर के आसपास जमा कचरा मंचरियाल शहर की स्वच्छता पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

हाल ही में, सुनीपाल निगम ने प्रासंगिकता, स्वच्छता, जन स्वच्छता के नारे के साथ सभी संभागों के वार्डों में व्यापक स्वच्छता कार्यक्रम चलाए हैं। लोग जागरूकता पैदा करने के लिए कचरा हटाने और प्लास्टिक प्रतिबंध जैसे कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं।

हालांकि, अधिकारियों के दावों के बावजूद, स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ इलाकों में स्वच्छता का नामोनिशान नहीं है। स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि न केवल चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं, बल्कि नियमों का सख्ती से पालन भी कराया जाए। उनका मानना है कि स्वच्छता तभी संभव है जब सभी मिलकर जिम्मेदारी निभाएं।

बेल्लमपल्ली में भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री का पुतला जलाया

बेल्लमपल्ली, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नगर अध्यक्ष दारा कल्याणी के नेतृत्व में बेल्लमपल्ली के पुराने बस स्टैंड चौराहे पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का पुतला जलाया गया। इस मौके पर दारा कल्याणी ने रयतू बंधु योजना को रोकने और उसे बेकार बताते हुए मुख्यमंत्री की निंदा की।

जिला उपाध्यक्ष कोडी रमेश ने कहा कि भाजपा मुख्यमंत्री के बयान की कड़ी निंदा करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी किसानों को रोक रहे हैं और यह योजना उन्हें शराबी बना रही है।

भाजपा ने मांग की है कि मुख्यमंत्री किसानों को 'शराबी' कहने के लिए माफी मांगें। इस कार्यक्रम में जिला महिला मोर्चा महासचिव गोमासा कमला, जिला एससी मोर्चा सचिव कोडी सुरेश नायक सहित अन्य कार्यकर्ताओं और नेताओं ने भाग लिया।

करीमनगर: थिम्मापुर मंडल की मल्लापुर नहर में युवक का शव मिला, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

करीमनगर, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

थिम्मापुर मंडल की मल्लापुर नहर में बुधवार को एक युवक, बनका चंद (33), मृत पाया गया।

चंद, जो मंगलवार को घर से निकला था, बुधवार सुबह नहर में मृत मिला। नहर में शव को देखकर स्थानीय निवासियों ने

पुलिस को सूचित किया। मृतक के शरीर पर चोट के निशान होने के कारण, परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि किसी ने चंद की हत्या कर शव को नहर में फेंक दिया है। उन्होंने मांग की कि पुलिस आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करे और सख्त सजा सुनिश्चित करे।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके का दौरा किया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए करीमनगर जिला मुख्यालय अस्पताल भेज दिया गया है।

मदनूर में पानी की समस्या के समाधान के लिए नए बोरवेल खोदे गए

मदनूर, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । मदनूर मंडल केंद्र में ग्रीष्म काल के दौरान स्थानिक जनता को पानी की किल्लत से बचाने के लिए नवनिर्वाचित सरपंच ऊषा संतोष ने नए बोरवेल खोदने की प्रक्रिया शुरू की है।मदनूर वार्ड के सदस्यों ने ग्राम पंचायत सचिव संदीप सर को एक अर्ज देते हुए नए बोरवेल को यथाशीघ्र कनेक्शन उपलब्ध कराने की मांग की। उनका कहना है कि इससे ग्रीष्म काल में स्थानीय जनता को पानी की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।

इस समय वार्ड सदस्य श्रीकांत, नरेशे, सी.एच. हनमंडलू और अन्य ने इस पहल में भाग लिया, जिससे समुदाय की पानी की आवश्यकता को प्राथमिकता दी जा सके।

महिला दिवस समारोह मनाया गया

मंचेरियाल, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंचरियाल कलेक्ट्रेट में महिला दिवस का आयोजन धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कर्मचारियों को प्रशंसा पुरस्कार से नवाजा गया, जिससे उनकी मेहनत और योगदान की सराहना की गई।

तल्लापेल्ली की छठी स्नातक, जिन्होंने पीओएसएच अधिनियम के तहत लोक निर्माण परिषद (एलसीसी) की जिला अध्यक्ष के रूप में कुशलतापूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वाह किया, उन्हें विशेष प्रशंसा पुरस्कार प्रदान किया गया।इस समारोह में बोलते हुए, कविता ने वनिता वक्कू फाउंडेशन (एनजीओ) की ओर से उनकी सेवाओं को मान्यता देने और उन्हें पीओएसएच अधिनियम की अध्यक्ष बनने का अवसर प्रदान करने के लिए कलेक्टर, डीडब्ल्यूओ और डीएमडब्ल्यूओ का विशेष आभार व्यक्त किया।यह कार्यक्रम महिलाओं की उपलब्धियों को पहचानने और उन्हें प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

बेल्लमपल्ली सिंगरेनी एरिया हॉस्पिटल को सुपर–स्पेशियलिटी अस्पताल बनाने की मांग

बेल्लमपल्ली, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बेल्लमपल्ली नगर के सिंगरेनी संस्था के ट्रेड यूनियनों ने बुधवार को बेल्लमपल्ली सिंगरेनी एरिया हॉस्पिटल को सुपर–स्पेशियलिटी अस्पताल बनाने की मांग करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी पांडुरंगाराव को एक याचिका सौंपी।

इस अवसर पर नेताओं ने बताया कि 1 अगस्त 2024 को ट्रेड यूनियनों की एक दिन की भूख हड़ताल के तुरंत बाद बेल्लमपल्ली के विधायक ने सिंगरेनी एरिया हॉस्पिटल की समस्याओं के संबंध में सिंगरेनी चेयरमैन से चर्चा की थी। उस समय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बेल्लमपल्ली सिंगरेनी हॉस्पिटल का दौरा कर ट्रेड यूनियन नेताओं को भरोसा दिलाया था कि अस्पताल को उसकी पुरानी शान वापस दिलाई जाएगी, लेकिन दो वर्ष बीत जाने के बाद भी मरीजों की समस्याएं दूर नहीं हो सकी हैं।

ट्रेड यूनियन नेताओं ने कहा कि आज भी रिटायर्ड कर्मचारी जब दवा लेने के लिए आते हैं तो उन्हें मंदामारी ज़ोन हॉस्पिटल रेफर करना पड़ता है। उनका कहना है कि जहां जरूरत होती है वहीं सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए, इसलिए सिंगरेनी प्रबंधन और बेल्लमपल्ली के विधायक को मिलकर अस्पताल को सुपर–स्पेशियलिटी अस्पताल बनाने की पहल करनी चाहिए।

ट्रेड यूनियन प्लेटफॉर्म संयुक्त शाखा ने मांग की कि संबंधित अधिकारी तुरंत समस्याओं के समाधान की दिशा में कदम उठाएं और कांग्रेस सरकार के तहत बेल्लमपल्ली सिंगरेनी हॉस्पिटल को सुपर–स्पेशियलिटी सूची में शामिल किया जाए। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं तो सभी ट्रेड यूनियनों के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर आंदोलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में टीएनटीयूसी के स्टेट जनरल सेक्रेटरी टी. मणि राम सिंह, एआईएफटीयू के स्टेट जनरल सेक्रेटरी एम. पोचा मल्लू, सिंगरेनी गनी कर्मिका संघ के स्टेट लीडर अंबाला महेंद्र, आई. गोगरला शंकर, टी. श्रीनिवास, पुल्लुरु पोशम, दुग्गुटा रायलिंगु, कोथुरी नारायण, मेकला राजैया सहित अन्य नेता उपस्थित रहे।

स्काउटिंग अभ्यास से छात्रों में देशभक्ति और सेवा भावना का विकास

मदनूर, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्थानिक गुरुकुल बालक जूनियर कॉलेज में भारत स्काउट एंड गाइड यूनिट के छत्रपति शिवाजी ग्रुप के छात्रों द्वारा स्काउटिंग अभ्यासों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्थानिक पुलिस उप निरीक्षण अधिकारी मोहन रेड्डी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

मुख्य अतिथि मोहन रेड्डी ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों में देश, जनता, समाज और ईश्वर के

प्रति श्रद्धा होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि स्काउट और गाइड प्रशिक्षण शिक्षा के साथ–साथ शारीरिक और मानसिक शक्ति प्रदान करने में बहुत उपयोगी है तथा यह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।उन्होंने कहा कि शिविरों के प्रबंधन के अंतर्गत विद्यार्थियों को बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए, सभी के साथ आदरपूर्वक व्यवहार करना चाहिए और बड़ों की पूजा–अर्चना करनी चाहिए। अवसर मिलने पर विद्यार्थियों को मेलों और ग्राम देवी–देवताओं के उत्सवों में स्वयंसेवा करनी चाहिए तथा सभी जीवित प्राणियों के प्रति प्रेम प्रदर्शित करना चाहिए। प्रधानाध्यापक ए. सुधाकर, उप प्रधानाध्यापक एवं प्रख्यात कवि डॉ. बी. वेंकट तथा स्काउट मास्टर एस. नरहरि प्रसाद ने कहा कि वे छात्रों में देशभक्ति की भावना विकसित होते देखना चाहते हैं।भारत स्काउट एंड गाइड यूनिट के छात्रजगदीश, वेंकट, रामकृष्ण, कार्तिक, हर्ष तेजा (9वीं कक्षा), साई तेजा, साई कृष्णा, देवलश, गणेश, वैभव, गब्बर सिंह, पंकज कुमार, विक्रम, हर्षवर्द्धन, मनोहर, दिनेश, रेहान (8वीं कक्षा), जसवंत, देवा, अवंत, सुशांत, रमेश, ऋषिकेष, कार्तिक, मनितेजा, ज्ञानेश्वर, हरिप्रसाद, प्रवीण (6वीं कक्षा), डी. कृष्णा, पी. कृष्णा, चंद्रभान, विशाल (6वीं कक्षा) ने कार्यक्रम में भाग लिया और रोपवे विन्यासा का प्रदर्शन किया।

भारतीय टीम जून से फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में होगी वयस्त

साल 2027 एकदिवसीय विश्वकप तक खेलनी है कई देशों से सीरीज

मुम्बई, 11 मार्च (एजेंसियां)।

टी20 विश्वकप की जीत का जश्न मना रही भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी अब कुछ दिनों के ब्रेक के बाद इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल में खेलेंगे। विश्वकप जीतने के बाद से ही खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में 28 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल में भी इन खिलाड़ियों का प्रदर्शन शीर्ष स्तर का रहने की संभावना है। 31 मई को होने वाले आईपीएल फाइनल के बाद टीम एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में व्यस्त हो जाएगी। भारतीय टीम 2027 एकदिवसीय विश्वकप को ध्यान में रखते हुए तैयारी करेगी। इस दौरान कोचिंग स्टाफ और चयनकर्ता विश्वकप के लिए टीम संयोजन बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे। सीमित ओवरों के क्रिकेट के साथ-साथ टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। भारत का लक्ष्य एक बार फिर विश्व टेस्ट चैम्पियनशपिपन फाइनल में जगह बनाना होगा, जिससे टेस्ट क्रिकेट में भी आईसीसी ट्राफी जीत सके। जून में अफगानिस्तान के खिाफ घरेलू सीरीज भारतीय टीम को अब जून में अफगानिस्तान से खेलेगी। टीम अफगानिस्तान के खिलाफ 1 टेस्ट और तीन एकदिवसीय खेलेगी। ये मुकाबल भारत में ही 6 से 20 जून के बीच खेले जाएंगे। इंग्लैड दौरा भारतीय टीम जुलाई में 5 टी20 और 3 एकदिवसीय मैचों के लिए इंग्लैंड जाएगी। ये मुकाबले एक से 19 जुलाई के बची होंगे। श्रीलंका दौरा भारतीय टीम इसके बाद अगस्त में श्रीलंका का दौरा कर दो टेस्ट और 2 टी20 खेलेगी। बांग्लादेश दौरा भारतीय टी सितंबर में बांग्लादेश जाकर एक से 13 सितंबर के बीच तीन एकदिवसीय और तीन टी20 खेलेगी। एशियाई खेल इसके बाद भारतीय टीम को एशियाई खेलों में भाग लेने जाने जापान जाना है। ये मुकाबले 19 सितंबर से 4 अक्टूबर के बीच खेले जाएंगे। वेस्टइंडीज का भारत दौरा भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय और 3 टी20 मैच अक्टूबर माह में खेलेगी। भारत का न्यूजीलैंड दौरा भारीय टीम इस दौरे में दो टेस्ट, तीन तीन एकदिवसीय के अलावा 5 टी20 मुकाबले खेलेगी। ये मुकाबले अक्टूबर से नवंबर के बीच खेले जाएंगे। श्रीलंका का भारत दौरा भारतीय टीम श्रीलंका के साथ साल के अंत में तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैच खेलेगी। बार्डर-गावस्कर ट्राफी भारतीय टीमी अपनी ही धरती पर आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांव 5 टेस्ट साल 2027 की वहीं क्वालीफाई करने पर जून में इंग्लैंड में उसे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेलने जाना होगा। मैच: 1 टेस्ट तारीख: जून 2027 मेजबान देश: इंग्लैंड एशिया कप 2027 भारतीय टीम एशिया कप किए जुलाई में बांग्लादेश जाएगी। एकदिवसीय क्रिकेट विश्वकप 2027 ये मुकाबले दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे, नामीबिया में खेले जाएंगी। जिसमें भारतीय टीम खिताबी दावेदार के तौर पर उतरेगी।

न्यूज ब्रीफ

आईसीसी रैंकिंग में भारत की मंधाना नंबर एक पर बरकरार, हरमनप्रीत आठवें नंबर पर पहुंची, जेमिमा 12 वें स्थान पर

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना शीर्ष पर बनी हुई है। मंधाना हाल में आस्ट्रेलिया दौरे में अपने शानदार प्रदर्शन से नंबर एक स्थान पर बरकरार हैं। वहीं भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर आठवें स्थान पर हैं पर जेमीमा रोड्रिग्स एक स्थान नीचे आकर 12वें स्थान पर फिसल गयी हैं। हाल में जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के कारण न्यूजीलैंड की आलराउंडर अमेलिया केर गेंदबाजी रैंकिंग में पांच स्थान के लाभ के साथ ही 11वें स्थान पर आ गयी हैं जबकि आलराउंडर की सूची में भी एक स्थान के लाभ के साथ ही पांचवें नंबर पर आ गयी है। न्यूजीलैंड की ही बल्लेबाज ब्रुक हैलीडे आठ स्थान के लाभ के साथ ही 11वें स्थान पर और मैडी ग्रीन चार स्थान के लाभ के साथ ही 22वें स्थान पर आ गयी हैं। हैलीडे ने सीरीज के पहले मैच में शतक लगाया जबकि ग्रीन ने अर्धशतक। वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के कारण श्रीलंका की बाएं हाथ की बल्लेबाज हसिनी परेरा ताजा बल्लेबाजी रैंकिंग में 15 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 28वें स्थान पर पहुंच गयी है। इमेशा दुलानी बल्लेबाजी रैंकिंग में 17 स्थान के फायदे से 72वें नंबर पर हैं पर कविशा दिलहारी गेंदबाजी रैंकिंग में तीन स्थान के लाभ के साथ ही 21वें पायदान पर पहुंच गयी है।

आईपीएल 2026 सत्र के कार्यक्रम की घोषणा शीघ्र की जाएगी : बीसीसीआई

BCCI

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि इसी माह के अंत में शुरु होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए कार्यक्रम की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी। टी20 विश्व कप समाप्त होने के बाद से ही प्रशंसक अब आईपीएल के 19 सत्र का इंतजार कर रहे हैं। ये सत्र 28 मार्च से होना है पर अभी तक कार्यक्रम घोषित नहीं होने से प्रशंसक संशय में है कि किस टीम को मैच कब खेला जाएगा। बीसीसीआई ने कार्यक्रम की घोषणा में हो रही देरी का भी कारण बताया और कहा कि कुछ राज्यों के चुनाव की तारीखों का इंतजार किया जा रहा है। इसी कारण अब बोर्ड कार्यक्रम के सभी मैचों की एकसाथ घोषणा न करते हुए दो चरणों में करेगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि अगले 2-3 दिनों में आईपीएल के पहले 20 दिनों का कार्यक्रम जारी किया जाएगा।

कबड्डी के चाणक्य रणधीर सिंह सेहरावत बने गुजरात जायंट्स के मुख्य कोच

अहमदाबाद। अदाणी स्पोर्ट्सलाइन ने आगामी प्रो कबड्डी लीग सत्र से पहले अनुभवी कोच रणधीर सिंह सेहरावत को गुजरात जायंट्स का मुख्य कोच नियुक्त किया है। कबड्डी के चाणक्य के नाम से प्रसिद्ध सेहरावत लीग के सबसे अनुभवी कोचों में गिने जाते हैं। वह वर्ष 2014 में शुरू हुई प्रो कबड्डी लीग से ही इससे जुड़े रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में टीमों ने एक बार खिताब जीता है और छह बार प्लेआफ में जगह बनाई है। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित सेहरावत के पास कबड्डी का लंबा अनुभव है। उन्होंने भारतीय रेल कबड्डी टीम के कोच के रूप में पुरुष और महिला दोनों टीमों को कई राष्ट्रीय चैंपियनशिप खिताब दिलाए हैं। खिलाड़ी के रूप में भी सेहरावत का करियर शानदार रहा है। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कबड्डी टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया, जिनमें एशियाई कबड्डी चैम्पियनशिप 1988, दक्षिण एशियाई खेल 1989 और एशियाई खेल 1990 शामिल हैं। 1990 के एशियाई खेलों में वह उपकप्तान के रूप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे। अपनी नियुक्ति पर रणधीर सिंह सेहरावत ने कहा कि वह एक बार फिर प्रो कबड्डी लीग में वापसी कर बेहद खुश हैं और इस अवसर के लिए अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात जायंट्स के पास युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है और वह टीम के साथ मिलकर खिताब जीतने के लक्ष्य की ओर काम करेंगे। अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के मुख्य व्यवसाय अधिकारी संजय अडेसरा ने कहा कि रणधीर सिंह सेहरावत जैसे अनुभवी कोच का टीम से जुड़ना गुजरात जायंट्स के लिए बड़ी उपलब्धि है। उनका अनुभव और खेल की गहरी समझ टीम को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

खाड़ी क्षेत्र में संकट के कारण टी20 वर्ल्ड कप टीमों की वापसी में देरी : आईसीसी

मुम्बई, 10 मार्च (एजेंसियां)।

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को बयान जारी कर बताया कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में हिस्सा लेने वाली कुछ टीमों के खिलाड़ियों, कोचों, सपोर्ट स्टाफ और उनके परिवारों की घर वापसी में देरी हो रही है। आईसीसी ने कहा कि टूर्नामेंट में अपने अभियान समाप्त कर चुके सभी लोग जल्द से जल्द घर लौटना चाहते हैं, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों के कारण यह संभव नहीं हो पाया है। आईसीसी के अनुसार यह देरी खाड़ी क्षेत्र में जारी संकट के कारण हो रही है, जिसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। कई देशों के हवाई क्षेत्र बंद हैं, मिसाइल चेतावनियां जारी की जा रही हैं और उड़ानों के मार्ग बदले जा रहे हैं। इसके अलावा कई कमर्शियल और चार्टर उड़ानों को अचानक रद्द या पुनर्निर्धारित करना पड़ा है।

आईसीसी ने स्पष्ट किया कि ये परिस्थितियां उसके नियंत्रण से बाहर हैं, जिससे खिलाड़ियों की यात्रा व्यवस्था सामान्य से कहीं अधिक जटिल और समय लेने वाली हो गई है। आईसीसी ने बताया कि वह लगातार एयरलाइंस, चार्टर आपरेटर, एयरपोर्ट प्राधिकरण, ग्राउंड हैंडलर और विभिन्न देशों की सरकारी एजेंसियों के साथ संपर्क में है, ताकि सभी प्रभावित समूहों की सुरक्षित घर वापसी जल्द से जल्द सुनिश्चित की जा सके। वर्तमान व्यवस्था के अनुसार दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के सदस्य दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना होना शुरू करेंगे और अगले 36 घंटों के भीतर सभी के प्रस्थान की उम्मीद है। वहीं वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के नौ सदस्य पहले ही कैरेबियन के लिए रवाना हो चुके हैं, जबकि बाकी 16 सदस्य अगले 24 घंटों के भीतर भारत से उड़ान भरेंगे। आगे की प्रस्थान व्यवस्था की पुष्टि होने पर आईसीसी अतिरिक्त जानकारी साझा करेगा। आईसीसी ने यह भी स्पष्ट किया कि इन फैसलों के पीछे केवल सुरक्षा, व्यवहारिकता और खिलाड़ियों के कल्याण को ध्यान में रखा गया है। मीडिया के कुछ मंचों पर सामने आ रही अन्य अटकलों को परिषद ने पूरी तरह गलत और भ्रामक बताया।

परिषद ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के लिए की गई यात्रा व्यवस्था का पहले इंग्लैंड क्रिकेट टीम या किसी अन्य देश की व्यवस्था से कोई संबंध नहीं है, क्योंकि सभी मामलों में परिस्थितियां, यात्रा मार्ग और उड़ान विकल्प अलग-अलग रहे हैं।

आईसीसी ने दोहराया कि इस पूरे समय उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता खिलाड़ियों और उनके परिवारों की सुरक्षा और भलाई है। परिषद ने कहा कि जब तक यात्रा व्यवस्था पूरी तरह सुरक्षित नहीं हो जाती, तब तक किसी को भी रवाना नहीं किया जाएगा।

आईसीसी ने खिलाड़ियों, टीम प्रबंधन, क्रिकेट बोर्ड और सहयोगी साझेदारों को इस कठिन परिस्थिति में धैर्य और सहयोग बनाए रखने के लिए धन्यवाद भी दिया।

फीफा विश्व कप 2026 प्लेआफ से पहले इराकी खिलाड़ियों को मिलना शुरू हुए वीज़ा

मेक्सिको सिटी, 11 मार्च (एजेंसियां)।

फीफा विश्व कप 2026 के अंतरमहाद्वीपीय प्लेआफ मुकाबले से पहले इराक राष्ट्रीय फुटबाल टीम के खिलाड़ियों को वीज़ा जारी करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मेक्सिको के विदेश मंत्रालय ने बताया कि 31 मार्च को मान्टेरी में होने वाले क्वालीफायर मुकाबले से पहले इराकी खिलाड़ियों के लिए वीज़ा जारी किए जा रहे हैं।

मंत्रालय के अनुसार 8 मार्च को कुछ खिलाड़ियों की वीज़ा प्रक्रिया मेक्सिको दूतावास, सऊदी अरब में पूरी की गई थी, जबकि अन्य खिलाड़ियों और अधिकारियों की प्रक्रिया मंगलवार को मेक्सिको दूतावास, कतर में पूरी की जानी है। हालांकि सरकार ने यह नहीं बताया कि अब तक कितने खिलाड़ियों को वीज़ा दिया गया है।

दरअसल क्षेत्र में जारी युद्ध के कारण इराकी टीम को यात्रा संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण टीम के कई खिलाड़ी अभी तक एक स्थान पर एकत्र नहीं हो पाए हैं, जिससे उनकी तैयारियों पर असर पड़ा है।

अंतरमहाद्वीपीय प्लेआफ में इराक राष्ट्रीय फुटबाल टीम का सामना सूरीनाम राष्ट्रीय फुटबाल टीम और बोलीविया राष्ट्रीय फुटबाल टीम के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। इस मैच के विजेता को विश्व कप के ग्रुप चरण में जगह मिलेगी, जहां उसे फ्रांस राष्ट्रीय फुटबाल टीम, नार्वे राष्ट्रीय फुटबाल टीम और सेनेगल राष्ट्रीय फुटबाल टीम के साथ ग्रुप में रखा जाएगा। इराक के मुख्य कोच ग्राहम अर्नोल्ड ने मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए फीफा से अंतरमहाद्वीपीय क्वालीफायर को स्थगित करने का अनुरोध भी किया है। उनका कहना है कि इराक का हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण टीम के अधिकांश खिलाड़ी, जो घरेलू लीग में खेलते हैं, अभी तक एक साथ नहीं जुट पाए हैं। इस बीच मेक्सिको के विदेश मंत्रालय ने बताया कि वह मेक्सिको में इराक दूतावास के संपर्क में है और इराकी राष्ट्रीय टीम के सभी सदस्यों के दस्तावेज़ तैयार करने में हर संभव सहायता प्रदान करेगा। गौरतलब है कि फीफा विश्व कप 2026 की मेजबानी संयुक्त रूप से मेक्सिको, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा कर रहे हैं। यह टूर्नामेंट 11 जून 2026 से शुरू होगा।

द हंड्रेड लीग में बर्मिंघम फीनिक्स की कप्तानी करेंगे जैकब बेथेल

THE HUNDRED

लंदन। टी20 विश्वकप में भारतीय टीम के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले इंग्लैंड के युवा आलराउंडर जैकब बेथेल को द हंड्रेड लीग में बर्मिंघम फीनिक्स ने अपना कप्तान बनाया है। बेथेल को आगामी सत्र के लिए होने वाली नीलामी ही लियम लिविंगस्टोन की जगह कप्तान बनाया गया है। वहीं लिविंगस्टोन इस बार लंदन स्पिरिट से खेलते नजर आयेंगे। कप्तानी मिलने से उत्साहित बेथेल ने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, बर्मिंघम फीनिक्स का कप्तान बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। पिछले साल इंग्लैंड की कप्तानी करने के कारण उन्हें अंदाज है कि ये जिम्मेदारी कितनी बड़ी होती है। इसमें हमें और टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लेना होता है। हाल बेथेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लिस्ट ए, फर्स्ट क्लास और टी20 तीनों फार्मेट में शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में खिलाफ उन्होंने में शानदार शतक लगाकर अपनी क्षमता साबित की थी। बर्मिंघम फीनिक्स के मुख्य कोच शेन बान्ड ने बेथेल की कप्तानी कौशल को सराहा है। उन्होंने कहा कि बेथेल बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और कम उम्र में ही उनकी नेतृत्व सामने आई है। बान्ड के मुताबिक, पिछले साल इंग्लैंड की कप्तानी करते समय हमने उनकी कप्तानी देखी है। बेथेल ने साल 2022 में वेल्श फायर के लिए द हंड्रेड में डेब्यू किया था। इसके बाद 2023 में उन्हें बर्मिंघम फीनिक्स ने टीम में शामिल किया, लेकिन उस सीजन में वह केवल एक ही मैच खेल पाये थे।

इंडियन वेल्स में आर्यना सबालेंका ने नाओमी ओसाका को हराया, क्वार्टरफाइनल में प्रवेश

इंडियन वेल्स, 11 मार्च (एजेंसियां)।

विश्व की नंबर एक बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने ग्रैंड स्लैम विजेताओं की टक्कर में शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को जापान की नाओमी ओसाका को 6-2, 6-4 से हराकर इंडियन वेल्स ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। अब सबालेंका क्वार्टरफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा और विक्टोरिया मबोको के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेंगी।

सबालेंका ने पूरे मुकाबले में आक्रामक खेल दिखाते हुए 31 विनर और आठ ऐस लगाए। उन्होंने पहले सेट में दो बार ओसाका की सर्विस तोड़ते हुए आसानी से सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में ओसाका ने लय पकड़ने की कोशिश की, लेकिन सबालेंका की मजबूत सर्विस को भेदने में वह नाकाम रहीं। सबालेंका ने दूसरे सेट में मिले दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाए और 4-3 की बढ़त बनाने के लिए शानदार फोरहैंड विनर लगाए।

दोनों खिलाड़ियों के बीच यह सिर्फ दूसरा मुकाबला था। इससे पहले 2018 में खेले गए मैच में ओसाका ने जीत हासिल की थी और उसी वर्ष उन्होंने अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। सबालेंका ने मैच के बाद कहा कि उन्होंने कोर्ट पर विविधता लाते हुए लगातार दबाव बनाए रखा, जिससे अहम मौकों पर ओसाका भ्रमित नजर आईं।

तालिया गिब्सन का शानदार प्रदर्शन

इस बीच आस्ट्रेलिया की क्वालीफायर तालिया गिब्सन ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी को 7-5, 2-6, 6-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। 21 वर्षीय गिब्सन ने मैच में कुल 42 विनर लगाए और अपने करियर में पहली बार किसी शीर्ष-10 खिलाड़ी को हराया। पहले सेट में उन्होंने आखिरी क्षणों में ब्रेक हासिल कर बढ़त बनाई। दूसरे सेट में पाओलिनी ने 3-0 की बढ़त के साथ वापसी की, लेकिन निर्णायक सेट में गिब्सन ने आक्रामक खेल दिखाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। विश्व रैंकिंग में 112वें स्थान पर काबिज गिब्सन ने मैच के बाद कहा कि वह इस जीत से बेहद भावुक हैं और खुद भी अपने प्रदर्शन से हैरान हैं। उन्होंने कहा कि उनका आक्रामक खेल उन्हें लगातार मौके बनाने में मदद करता है और इंडियन वेल्स में वह उसी रणनीति के साथ आगे बढ़ रही हैं। अब क्वार्टरफाइनल में गिब्सन का सामना लिंडा नोस्कोवा और अलेक्जेंड्रा ईला के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा।

न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए घोषित की टीम

विश्वकप फाइनल खेले आठ अनुभवी खिलाड़ियों की जगह युवाओं को किया शामिल

आकलैंड, 11 मार्च (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की घरेलू टी20 सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। इस सीरीज में टी20 विश्वकप फाइनल में शामिल रहे आठ अनुभवी खिलाड़ियों को जगह नहीं मिली है। इसमें अनुभवी टिम सिफर्ट, फिन एलन, रचिन रविंद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डेरिल मिचेल, मैट हेनरी और जैकब डफी को जगह नहीं मिली है।

इन खिलाड़ियों में से कई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में भी हिस्सा लेंगे। इस कारण भी इनको आराम दिया गया है। 15 मार्च से होने वाली इस सीरीज में कप्तान मिचेल सैंटनर पहले तीन टी20 मैच ही खेलेंगे। इसके बाद बचे हुए मैचों में टाम लैथम कप्तानी करेंगे। वहीं कैटेने क्लार्क, निक केली और जेडन लेनाक्स को पहली बार शामिल किया गया है। क्लार्क और लेनाक्स को आखिरी दो एकदिवसीय के लिए रखा गया है। डेवोन कानवे की जगह युवा विकेटकीपर बल्लेबाज डेन क्लेवर को टीम में शामिल किया गया है। चयनकर्ता गेविन लार्सन ने कहा, इस टीम का चयन करते समय हमने युवाओं को प्राथमिकता दी। इससे हमें कुछ अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देने और नए चेहरों को अवसर देने का मौका मिला है। यह कई खिलाड़ियों के लिए टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करने का अच्छा अवसर है, क्योंकि हम एक नए विश्वकप चरण की शुरुआत कर रहे हैं।

टीम इस प्रकार है

मिचेल सैंटनर (कप्तान) (तीन मैच), कैटेने क्लार्क (आखिरी दो मैच), जोश क्लार्कसन, डेन क्लेवर (विकेटकीपर) (आखिरी दो मैच), डेवोन कानवे (विकेटकीपर) (पहले तीन मैच), लाकी फर्ग्यूसन (दूसरा और तीसरा मैच), जैक फाल्क्स, बेवन जैकब्स, काइल जैमीसन, निक केली, टाम लैथम (कप्तान) (आखिरी दो मैच), जेडन लेनाक्स (आखिरी दो मैच), कोल मैककोंची, जिम्मी नीशम, टिम राबिन्सन, बेन सीयर्स, नाथन स्मिथ, ईश सोढ़ी।

भारत के सबसे बड़े बिटकाइन घोटाले में पहली गिरफ्तारी, दो भाइयों ने खेला था मुनाफे का खेल

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)।

केंद्रीय जांच ब्यूरो ने लगभग 20,000 करोड़ के बहुचर्चित गेन बिटकाइन क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने डार्विन लैब्स के सह-संस्थापक आयुष वार्ष्णेय को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। सीबीआई के अनुसार, वार्ष्णेय इस मामले के मुख्य आरोपियों में शामिल हैं। एजेंसी ने उनके खिलाफ पहले ही लुक आउट सर्कुलर जारी कर रखा था। सोमवार को जब वह देश छोड़कर भागने की कोशिश कर रहे थे, तब मुंबई एयरपोर्ट पर अलर्ट जारी होने के बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। इसके बाद मंगलवार को उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में क्या आया सामने जांच एजेंसी के मुताबिक, डार्विन लैब्स ने उस डिजिटल ढांचे को तैयार किया था, जिस पर कथित तौर पर चल रहे गेन बिटकाइन घोटाले की पूरी तकनीकी प्रणाली आधारित थी। जांच में डार्विन लैब्स प्राइवेट लिमिटेड और इसके सह-संस्थापकों आयुष वार्ष्णेय, साहिल बघला और निकुंज जैन की भूमिका सामने आई है। निकुंज जैन वर्तमान में वाओमी एआई के फाउंडर और चीफ कैपिटल आफिसर भी हैं। सीबीआई का आरोप है कि इन लोगों ने मिलकर एमसीएपी नामक क्रिप्टो टोकन और उससे जुड़े स्मार्ट कान्ट्रैक्ट को डिजाइन और विकसित किया था, जिसका इस्तेमाल इस कथित क्रिप्टो पोंजी स्कीम में किया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि डार्विन लैब्स ने कई महत्वपूर्ण डिजिटल प्लेटफार्म तैयार किए थे, जिनमें नामक बिटकाइन माइनिंग पूल प्लेटफार्म, बिटकाइन पेमेंट गेटवे, काइन बैंक बिटकाइन वालेट और गेन बिटकाइन वेबसाइट शामिल हैं। इन प्लेटफार्म के जरिए निवेशकों से संपर्क और निवेश कराया जाता था। कब और कैसे हुआ पूरा घोटाला यह घोटाला वर्ष 2015 में गेन बिटकाइन नाम से शुरू हुआ था, जिसे कथित तौर पर वेरिएबलटेक प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर संचालित किया जा रहा था। जांच एजेंसी के मुताबिक इस योजना का मास्टरमाइंड अमित भारद्वाज (अब मृत) और उसका भाई अजय भारद्वाज थे। इस योजना में निवेशकों को 18 महीने तक हर महीने 10% तक बिटकाइन रिटर्न देने का लालच दिया जाता था। लोगों को बाहरी एक्सचेंज से बिटकाइन खरीदकर गेन बिटकाइन में तथाकथित क्लाउड माइनिंग कान्ट्रैक्ट के जरिए जमा करने के लिए कहा जाता था।

न्यूज ब्रीफ

रोडस्टेर एक्स रेंज की कीमतों में बड़ी कटौती की घोषणा

नई दिल्ली। होली महोत्सव के अवसर पर ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी रोडस्टेर एक्स रेंज की कीमतों में बड़ी कटौती की घोषणा की है। ओला इलेक्ट्रिक ने एंट्री-लेवल रोडस्टेर एक्स की शुरुआती कीमत घटाकर 79,999 रुपये कर दी है। कंपनी का कहना है कि अब इलेक्ट्रिक बाइकें पारंपरिक पेट्रोल बाइकों के मुकाबले अधिक किफायती विकल्प बन गई हैं और इससे इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को देश में बढ़ावा मिलेगा। रोडस्टेर एक्स रेंज तीन बैटरी विकल्पों में उपलब्ध है। 2.5 केडब्ल्यूएच बैटरी वाला माडल 79,999 रुपये, 3.5 केडब्ल्यूएच माडल 92,999 रुपये और 4.5 केडब्ल्यूएच माडल 99,999 रुपये में मिलेगा। रोडस्टेर एक्स+ रेंज में 4.5 केडब्ल्यूएच माडल की कीमत 1,09,999 रुपये और 9.1 केडब्ल्यूएच वेरिएंट 1,89,000 रुपये रखी गई है। कंपनी ने कहा है कि इन विकल्पों से विभिन्न बजट और जरूरत वाले ग्राहक इलेक्ट्रिक बाइक खरीद सकते हैं। होली महोत्सव के तहत मुहूर्त महोत्सव आफर भी लान्च किया गया है, जिसमें सीमित समय के लिए चुनिंदा यूनिट्स विशेष कीमत पर उपलब्ध होंगी। इसके अलावा, एस1 प्रो और एस1 प्रो+ स्कूटर पर 8 साल तक की एक्सटेंडेड वारंटी भी दी जाएगी। ओला ने अपने मौजूदा ग्राहकों के लिए ओला इंसाइडर्स कम्युनिटी प्रोग्राम भी शुरू किया है। इस कार्यक्रम के तहत ग्राहक वाहन अपग्रेड, अतिरिक्त फीचर्स और रेफरल जैसे लाभ उठा सकते हैं। पुराने स्कूटर को जेन 3 एस1 और रोडस्टेर में अपग्रेड करने पर करीब 50,000 रुपये तक का फायदा मिलेगा।

टोयोटा की नई लेंड क्रूजर एफजे, बेबी लैंड क्रूजर जल्द होगी लांच

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में टोयोटा की नई लेंड क्रूजर एफजे को जल्द ही लाने की तैयारी है। इसे मिनी फार्च्यूनर या बेबी लैंड क्रूजर के नाम से जाना जा रहा है। बाडी-आन-फ्रेम आईएमवी प्लेटफार्म पर बनी यह एसयूवी फार्च्यूनर, हाइलैक्स और इनोवा क्रिस्टा से शेयर करती है, लेकिन लंबाई में छोटी (4575एमएम) और आफ-रोडिंग में ज्यादा सक्षम है। यह लैंड क्रूजर परिवार का सबसे काम्पैक्ट और किफायती माडल है, जो क्लासिक एफजे क्रूजर की रग्ड डिजाइन के साथ आएगा। इसका बाक्सी और मस्कुलर लुक, चौड़े व्हील आर्च, सी-शेप्ड एलईडी लाइट्स, बोल्ड ग्रिल और साइड-ओपनिंग टेलगेट इसे आक्रामक आफ-रोड लुक देते हैं। 17 इंच के अलाय व्हील्स पर एटी टायर लगाए गए हैं। इंटीरियर में 5-सीटर केबिन, 12.5 इंच टचस्क्रीन, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, ड्यूल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल और रियर सीट रिक्लाइन शामिल हैं। कनेक्टिविटी के लिए एपल कारप्ले, एंड्राइड आटो और टोयोटा कनेक्टेड सर्विसेज मिलती हैं। मल्टी-टेरेन सिलेक्ट, हिल डिसेंट कंट्रोल और 4म4 मोड डायल आफ-रोडिंग को आसान बनाते हैं। सेफ्टी के लिए टोयोटा सेफ्टी सेंस, प्री-कालिजन सिस्टम, आटो ब्रेकिंग, लेन कीप असिस्ट, 6-7 एयरबैग्स, व्हीकल स्टेबिलिटी कंट्रोल और 360ए कैमरा दिए गए हैं। इंजन में 2.7 लीटर पेट्रोल (163 पीएस, 246 एनएम) और 6-स्पीड आटोमैटिक के साथ पार्ट-टाइम 4म4 सिस्टम मिलेगा। भविष्य में 2.0 लीटर स्ट्रान्ग हाइब्रिड व प्लग-इन हाइब्रिड विकल्प भी आएंगे।

मारुति सुजुकी नई टेक्नोलाजी और माडल करेगी पेश

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया अगले दो सालों में 10 लाख रुपये से कम कीमत वाले सेगमेंट में नई टेक्नोलाजी और माडल पेश करने वाली है। 2026-2027 के बीच चार नई कारें लान्च हो सकती हैं, जिनमें सस्ती इलेक्ट्रिक कार, फ्लेक्स-फ्यूल माडल, नई जेनरेशन की बलेनो हैचबैक और एक नई काम्पैक्ट 7-सीटर एमपीवी शामिल हैं। सबसे पहले फ्रोंक्स फ्लेक्स फ्यूल माडल की बात करें तो यह कार ई85 पेट्रोल पर चल सकती है। फिलहाल भारत में बिकने वाली फ्रोंक्स केवल ई20 फ्यूल के साथ कम्पैटिबल है। फ्लेक्स फ्यूल माडल भविष्य में बढ़ते एथेनाल ब्लेंडिंग को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है और इसे 2026 में लान्च किए जाने का अनुमान है। इसके अलावा, कंपनी एक एंट्री-लेवल इलेक्ट्रिक कार भी लाने वाली है, जो सुजुकी ईडब्ल्यूएक्स कान्सेप्ट पर आधारित होगी।

सेडान हयूदै वरना अब नए अवतार में लॉन्च

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)।

लोकप्रिय प्रीमियम सेडान हयूदै वरना अब भारतीय बाजार में नए अवतार में लान्च हो गई है। कंपनी ने इस बार रिस्पेक्ट द यंग कैंपेन के साथ खास तौर पर युवाओं को टारगेट किया है, जो स्टाइल और परफार्मेंस दोनों को महत्व देते हैं। हयूदै मोटर कंपनी ने 2026 माडल की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10,98,400 रुपये रखी है। नई वरना में डिजाइन, टेक्नोलाजी और सेफ्टी के मामले में 25 से ज्यादा बदलाव किए गए हैं। इस अपडेट के साथ यह सेडान अब होंडा सिटी और स्कोडा सेल्विया जैसी कारों को कड़ी टक्कर देने के लिए तैयार है। नई वरना के एक्सटीरियर को पहले से ज्यादा माडर्न और स्पोर्टी बनाया गया है।

इसमें ब्लैक क्रोम रेडिएटर ग्रिल, ड्यूल एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप्स और नए डिजाइन वाले फ्रंट व रियर बंपर दिए गए हैं। इसके अलावा 16-इंच के डायमंड-कट अलाय व्हील्स कार के लुक को और आकर्षक बनाते हैं। कंपनी ने ग्राहकों के लिए दो नए कलर विकल्प क्लासी ब्लू और टाइटन ग्रे मैट भी शामिल किए हैं। कार के इंटीरियर को भी पहले से ज्यादा प्रीमियम बनाया गया है। इसमें डी-कट स्टीयरिंग व्हील, लेदर सीटें और इलेक्ट्रिक एडजस्टमेंट की सुविधा दी गई है। ड्राइवर सीट 8-वे इलेक्ट्रिक एडजस्टमेंट और मेमोरी फंक्शन के साथ आती है, जबकि पैसेंजर सीट को 4-वे इलेक्ट्रिकली एडजस्ट किया जा सकता है। डैशबोर्ड पर 10.25-इंच का इंटीग्रेटेड इंफोटेनमेंट सिस्टम और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है। इसके साथ 6-स्पीड मैनुअल, आईवीटी और 7-स्पीड डीसीटी आटोमैटिक ट्रांसमिशन का विकल्प मिलता है। सेफ्टी के लिहाज से कार में स्मार्टसेंस लेवल-2 अडास, 7 एयरबैग, इनबिल्ट डैशकैम, रेन-सेंसिंग वाइपर्स और टायर प्रेशर मानिटरिंग सिस्टम जैसे 75 से ज्यादा फीचर्स दिए गए हैं। इस सेडान के टाप वेरिएंट की कीमत करीब 18.25 लाख रुपये तक जाती है।

नई इलेक्ट्रिक एसयूवी आईएम6 जल्द होगी पेश

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में एमजी इंडिया जल्द ही अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी आईएम6 को पेश करने की तैयारी कर रही है। यह माडल फुल इंपोर्टेड होगा और केवल सेलेक्ट आउटलेट्स पर उपलब्ध होगा। इस एसयूवी की एक्स-शोरूम कीमत लगभग रुपए 60 लाख रहने की संभावना है। आईएम6 की टक्कर टेसला माडल वाय, बीवायडी सीलियोन 7, हयूदै आयोनिक 5 और किआ ईवी 6 जैसी प्रीमियम इलेक्ट्रिक कारों से होगी। आईएम6 में 100 केडब्ल्यूएच की बैटरी दी गई है, जो 800वी इलेक्ट्रिकल आर्किटेक्चर के साथ आती है और 396 केडब्ल्यू तक की डीसी फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। कंपनी का दावा है कि बैटरी केवल 15 मिनट में 30 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती है। रियर-वील-ड्राइव वेरिएंट 408 एचपी और 500 एनएम टार्क प्रदान करता है, जबकि आल-वील-ड्राइव वर्जन में 778 एचपी और 802 एनएम टार्क मिलता है। आईएम6 आरडब्ल्यूडी 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार 5.4 सेकंड में पकड़ती है, जबकि एडब्ल्यूडी वर्जन केवल 3.4 सेकंड में यह स्पीड हासिल कर लेती है। रेंज की बात करें तो आरडब्ल्यूडी माडल 555 किमी और एडब्ल्यूडी वर्जन 505 किमी की रेंज देता है। डिजाइन की दृष्टि से आईएम6 एक कूपे-क्रासओवर जैसी एसयूवी है। इसमें घुमावदार बाडी पैनल, एल-शेप एलईडी हेडलाइट्स और पीछे की ओर पूरी चौड़ाई वाली लाइट बार शामिल है। इंटीरियर में 26.3 इंच का पैनोरमिक स्क्रीन सेटअप और 10.5 इंच की वर्टिकल स्क्रीन दी गई है। उच्च वेरिएंट में लीडार, एनविडिया ओरिन एक्स और क्वालकाम स्नैपड्रेगन 8295 चिप जैसी इंटरनेशनल स्पेसिफिकेशन तकनीकें मौजूद हैं। एमजी भारत में 2026 तक स्टारलाइट 560 एसयूवी भी लान्च करने वाली है, जो 5-सीटर और 7-सीटर दोनों कान्फिगरेशन में उपलब्ध होगी। यह प्लग-इन हाइब्रिड और प्योर इलेक्ट्रिक दोनों विकल्पों के साथ आएगी और महिंद्रा एक्सयूवी 7एक्सइ, एक्सईवी 9एस और टाटा हेरियर ईवी जैसी गाड़ियों को टक्कर देगी।

पीटर एल्बर्स के इस्तीफे के बाद राहुल भाटिया ने संभाली कमान कर्मियों से कहा-मैं हूं ना

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)।

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो में एक बड़ा नेतृत्व परिवर्तन देखने को मिला है। इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारीपीटर एल्बर्स ने मंगलवार को अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह पिछले तीन साल से अधिक समय से इस पद पर कार्यरत थे। उनके अप्रत्याशित इस्तीफे के बाद, एयरलाइन के सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने कंपनी के कामकाज की पूरी कमान अपने हाथों में ले ली है। नेतृत्व में इस बड़े बदलाव के बीच राहुल भाटिया ने कर्मचारियों को एक भावुक और जिम्मेदारी भरा संदेश भेजा है, जिसके अंत में उन्होंने 2004 की मशहूर बालीवुड ब्लाकबस्टर फिल्म के तर्ज पर खुद को राहुल उर्फ मैं हूं ना कहकर संबोधित किया। दिसंबर की परिचालन बाधाओं और जवाबदेही का जिक्र पीटर एल्बर्स का यह इस्तीफा ऐसे समय में आया है, जब महज तीन महीने पहले एयरलाइन को भारी परिचालन बाधाओं का सामना करना पड़ा था। इस अव्यवस्था के कारण न केवल जनता में भारी रोष देखा गया था, बल्कि नियामक संस्थाओं ने भी सख्त कदम उठाए थे। इस घटना की जिम्मेदारी लेते हुए भाटिया ने अपने पत्र में स्पष्ट किया, पिछले साल दिसंबर में जो कुछ भी हुआ, वह कभी नहीं होना चाहिए था। हमारे ग्राहक इसके हकदार नहीं थे और न ही आप सभी, विशेष रूप से हमारे फ्रंटलाइन कर्मचारी, जिन्हें बिना किसी गलती के इस परेशानी का सबसे ज्यादा खामियाजा भुगतना पड़ा। कर्मचारियों और ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्धता अपने विस्तारित पदभार को ग्रहण करते हुए राहुल भाटिया ने कारपोरेट गवर्नेंस और परिचालन उत्कृष्टता को लेकर अपना दृष्टिकोण साफ किया। उन्होंने कहा, मैं इंडिगो के कामकाज के प्रबंधन की अपनी विस्तारित भूमिका को जिम्मेदारी की गहरी भावना के साथ स्वीकार कर रहा हूं। यह जिम्मेदारी न केवल कंपनी के ग्राहकों और शेयरधारकों के प्रति है, बल्कि हर उस कर्मचारी के प्रति है जो इस एयरलाइन को चलाता है। उन्होंने फ्रंटलाइन कर्मचारियों के धैर्य की सराहना करते हुए कहा, मैं अपने उन सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूं जिन्होंने गरिमा के साथ कंपनी का भार उठाया और इंडिगो की परिचालन अखंडता को बहाल करने के लिए रातों की नींद हराम की। आप वास्तव में इंडिगो की जीवित आत्मा हैं।

अमेरिका में 50 साल बाद बनेगी नई तेल रिफाइनरी

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और ऊर्जा बाजार में बढ़ती अनिश्चितता के बीच मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ी ऊर्जा परियोजना की घोषणा की है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में पिछले 50 वर्षों में पहली बार नई आयल रिफाइनरी बनाई जाएगी। यह रिफाइनरी टेक्सास के ब्राउन्सविल पोर्ट पर बनेगी और इसमें भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज का बड़ा निवेश होगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर कहा कि यह 300 अरब डालर का ऐतिहासिक सौदा है, जिसे अमेरिका के इतिहास की सबसे बड़ी ऊर्जा परियोजनाओं में गिना जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह रिफाइनरी अमेरिकी बाजार को ईंधन उपलब्ध कराएगी, ऊर्जा उत्पादन बढ़ाएगी और देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करेगी। इसके साथ ही इस परियोजना से हजारों नई नौकरियां भी पैदा होंगी और दक्षिण टेक्सास क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी। भारत को ट्रंप ने दिया धन्यवाद ट्रंप ने कहा कि उनकी अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत परमिट प्रक्रिया को सरल बनाने और करों में कमी करने से बड़े निवेश आकर्षित हुए हैं। उनके मुताबिक नई रिफाइनरी दुनिया की सबसे स्वच्छ रिफाइनरियों में से एक होगी और इससे वैश्विक ऊर्जा निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज को इस परियोजना में निवेश के लिए धन्यवाद दिया।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान मजबूती का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना 670 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 720 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,62,390 रुपये से लेकर 1,62,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,48,860 रुपये से लेकर 1,49,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,90,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,62,540 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,49,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,62,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,62,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,62,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,48,860 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,62,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,62,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,62,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,49,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,62,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,62,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,49,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में आमतौर पर खरीदारी का रुख

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार होता रहा। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह का माहौल बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में भी आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा, जिसकी वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक सपाट स्तर पर बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,781.48 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत नैस्डेक ने 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 22,697.10 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 216.72 अंक यानी 0.45 प्रतिशत उछल कर 47,923.23 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 162.72 अंक यानी 1.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,412.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 142 अंक यानी 1.76 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,057.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 559.26 अंक यानी 2.33 प्रतिशत उछल कर 23,968.63 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर मजबूती का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक तेजी के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 75 अंक यानी 0.31 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,290 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.13 प्रतिशत फिसल कर 4,854.19 अंक के स्तर तक गिर गया है।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 1,446.61 अंक यानी 2.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ 55,695 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.42 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,425.94 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1,299.98 अंक यानी 3.82 प्रतिशत उछल कर 34,071.85 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 197.04 अंक यानी 3.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,729.63 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,460.47 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ 4,125.32 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 25,964 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

शांतिनाथ जिनेश्वरधाम में साध्वीजी भगवंतों का भव्य पदार्पण

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

काचीगुड़ा स्थित श्री अचल-गच्छ जैन संघ संचालित श्री शांतिनाथ जिनेश्वरधाम मंदिर में प.पू. साध्वीश्री तत्वपूर्णाश्रीजी महाराजा साहेब आदि भगवंतों का भव्य पदार्पण हुआ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में संघ के चेयरमेन रमण नागड़ा एवं ट्रस्टी पोपटलाल छेड़ा ने बताया कि शासनरत्न, राष्ट्रसंत, अचल-गच्छाधिपति प.पू. आचार्य भगवंत श्री गुणसागरसूरीश्वरजी म.सा. एवं वर्तमान गच्छाधिपति तपस्वीरत्न प.पू. आचार्य भगवंत श्री गुणोदयसागरसूरीश्वरजी म.सा. की आज्ञा-आशीष से तथा साहित्य दिवाकर सौम्य स्वभावी दक्षिण दीपक प.पू. आचार्य भगवंत श्री कलाप्रभसागरसूर-ीश्वरजी म.सा., सरलस्वभावी प.पू. आचार्यश्री कवीन्द्रसागर-सूरीश्वरजी म.सा., ज्योतिषाचार्य प.पू. आचार्यश्री वीरभद्रसागर-सूरीश्वरजी म.सा. एवं आगमोभ्यासी प.पू. महोदयसागरसूरीश्वरजी म.सा. के शुभाशीर्वाद से जन-जन की श्रद्धा और आस्था के केंद्र, जैन-अजैन सभी के प्रिय प.पू. साध्वीश्री तत्वपूर्णाश्रीजी म.सा., प.पू. साध्वीश्री तत्वयशाश्रीजी म.सा., प.पू. साध्वीश्री मुक्तिवर्षाश्रीजी म.सा. तथा प.पू. साध्वीश्री जितयशाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा-3 का बुधवार 11 मार्च 2026 को प्रातः 9 बजे श्री शांतिनाथ जिनेश्वरधाम, काचीगुड़ा, हैदराबाद श्री संघ में भव्य पदार्पण हुआ।

नगर प्रवेश यात्रा के साथ मंदिर पहुंचे गुरुभगवंत

ट्रस्टी अनीश छेड़ा ने बताया कि पूज्य गुरुदेव की नगर प्रवेश यात्रा बुधवार 11 मार्च को प्रातः 6 बजे उप्पल चौरास्ता से विहार कर प्रारंभ हुई और बरकतपुरा चौरास्ता से होते हुए मंदिर पधारी।

इसके बाद बाजे-गाजे और भव्य स्वागत के साथ काचीगुड़ा के पास सामैया प्रातः 8:45 बजे किया गया। गुरुदेव का जिनेश्वरधाम में प्रातः 9 बजे पदार्पण हुआ, तत्पश्चात मंदिर में परमात्मा दर्शन, सामूहिक चैत्यवंदन आदि कार्यक्रम संपन्न हुए।

मांगलिक प्रवचन में दिया जीवन सुधार का संदेश

श्री अचलगच्छ जैन संघ हैदराबाद सिटी द्वारा आयंबिल की व्यवस्था की गई। प्रातः 9:30 से 10:30 बजे तक पूज्यश्री द्वारा मांगलिक प्रवचन एवं व्याख्यान आयोजित किया गया। अपने संबोधन में गुरुदेव ने कहा कि आज फाल्गुन वद 8, दिनांक 11 मार्च 2026 को भगवान श्री ऋषभदेव दादा के जन्म एवं दीक्षा कल्याणक तथा महामांगलिक वर्षीतप आराधना की शुरुआत होती है। उन्होंने वर्षीतप आरंभ करने वालों की अनुमोदना की।

उन्होंने आगे कहा कि हम चेहरे के रंग को तो नहीं बदल सकते, लेकिन जीवन जीने के ढंग को अवश्य सुधार सकते हैं। व्यक्ति का व्यक्तित्व अच्छी सूरत से नहीं, बल्कि अच्छे स्वभाव से महान बनता है। साध्वीश्री तत्व-पूर्णाश्रीजी म.सा. ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में व्यक्ति द्वारा किया गया मात्र दो मिनट का श्रेष्ठ व्यवहार उसकी प्रतिष्ठा और लोकप्रियता को सौ गुना बढ़ा देता है।इस अवसर पर संघ के रमणीक लीलाधर नागड़ा, पोपटलाल छेड़ा, अनीश छेड़ा, विपुल गाला, योगेश गोसर, रिद्धीश जागीरदार, मेहुल छेड़ा, प्रदीप नागड़ा, सुरेश गाला, जयेश नागड़ा, नवीन मारू, शांतिलाल मारू, महेंद्र मारू, जितेंद्र गडा, शैलेश गडा, दिलीप मोता, भरत शाह, भावना छेड़ा, प्रीति गडा, भानुबेन गाला, विमलाबेन भेदा, जयश्री गाला, हर्षा नागड़ा, शोभा गडा, हिना गाला, मनीषा गाला, दीप्ति सावला आदि उपस्थित थे।

राधे-राधे ग्रुप की सेवा समाज के लिए प्रेरणा : मीना गोयल

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने बुधवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर सेवा का कार्य किया गया। इस अवसर पर मीना गोयल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस भाव और समर्पण से सेवा कार्य कर रहा है, वह समाज के लिए प्रेरणा का आधार है। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा कार्यों से जरूरतमंद लोगों को सहायता मिलती है और समाज में परोपकार की भावना भी मजबूत होती है।

कार्यक्रम में अनिल अग्रवाल , गोविंद राम पचेरिया, विनोद तोशनीवाल, शिव भगवान, अरुण विजयवर्गीय, महेश गोयल, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, अर्चना शास्त्री एवं शर्मिला अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सहयोग दिया।

कार्यमंगलम बडेर में हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ श्री विनायक थाली कार्यक्रम

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सीरवी समाज कार्यमंगलम बडेर में बुधवार को श्री विनायक थाली महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। मंगलवार शाम को राजस्थान से पधारे संत सत्यप्रकाश महाराज के सानिध्य में स्थानीय भजन कलाकारों द्वारा विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। संस्था के सभी सदस्यों ने सपरिवार उपस्थित होकर भजन संध्या का लाभ लिया और भक्ति रस में सराबोर हुए।

पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ

बुधवार सुबह मां आईजी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर आरती की गई तथा गणेश भगवान की पूजा-अर्चना के साथ श्री विनायक थाली कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सदस्यों, नजदीकी बडेर की कार्यकारिणी, महिला सेवा मंडल, नवयुवक मंडल, बोलियों के लाभार्थी भामाशाहों एवं समाज के विभिन्न सेवादायी संगठनों का संस्था की ओर से स्वागत किया गया।

सेवाभावी सहयोगियों का किया सम्मान

स्वागत कार्यक्रम में बोली के लाभार्थी राकेश सीरवी ने अतिथियों को माला, साफा एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। संस्था के अध्यक्ष नेमाराम पंवार ने सभी समाज बंधुओं का आभार व्यक्त किया, वहीं सचिव पेमाराम चोयल ने अन्य संस्थाओं के सहयोगी बंधुओं के योगदान की सराहना की।

इस अवसर पर कोषाध्यक्ष कानाराम पंवार, नवयुवक मंडल अध्यक्ष मोहनलाल, गेर मंडल अध्यक्ष नरेश, महिला मंडल अध्यक्ष मोहिनी देवी, सचिव कमला देवी सहित संस्था के सभी सदस्य सपरिवार उपस्थित रहे।

हिन्दी महाविद्यालय में 'एआई द्वारा कौशल उन्नयन' पर विशेष व्याख्यान आयोजित

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हिन्दी महाविद्यालय में एआई द्वारा कौशल उन्नयन विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सी.ए. प्रेमनाथ देगला, सी.ए. विजय श्रीनिवास और सी.ए. विजय कोट्टपल्ली उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संस्थाध्यक्ष सी.ए. लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा, संयुक्त सचिव प्रदीप दत्त, प्राचार्य डॉ. बाला कुमार (हिन्दी महाविद्यालय), डॉ. मदनमोहन (एम.सी. गुप्ता कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट), अध्यापकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। प्राचार्य डॉ. बाला कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए मुख्य वक्ताओं का परिचय कराया। उन्होंने बताया कि हिन्दी महाविद्यालय नगर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में से एक है, जहां हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम से स्नातक तथा परास्नातक स्तर की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। उस्मानिया विश्वविद्यालय में एआई पाठ्यक्रम लागू करने वाला यह पहला कॉलेज है।

एआई के बहुआयामी प्रयोग पर विस्तृत चर्चा

मुख्य वक्ता सी.ए. प्रेमनाथ देगला ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बहुआयामी प्रयोगों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में एआई शिक्षा, चिकित्सा, इंजीनियरिंग सहित कई क्षेत्रों में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने बताया कि यदि एम.एस. वर्ड का प्रयोग किया जाए तो एआई के माध्यम से टेबल बनाना बहुत सरल हो जाता है। इस दौरान उन्होंने छात्रों को एआई की सहायता से टेबल तैयार करना भी सिखाया। उन्होंने कहा कि एआई स्वतः सारणी का निर्माण कर सकता है।

उन्होंने बताया कि कंपनी इनकम स्टेटमेंट (वित्तीय रिपोर्ट) में आय-व्यय और लाभ-हानि को एआई के माध्यम से आसानी से व्यक्त किया जा सकता है। यदि किसी व्यक्ति के वेतन में वृद्धि या कमी होती है तो उसके आधार पर भविष्य के डेटा का विश्लेषण भी किया जा सकता है। उन्होंने डिजिटल डेटा को परिभाषित करते हुए कहा द डेटा इन इलेक्ट्रॉनिक फॉर्म इज कॉल्ड डिजिटल डेटा।

डेटा एनालिसिस के विभिन्न प्रकारों की जानकारी

उन्होंने डेटा एनालिसिस के पांच प्रकार बताए, जिनमें- डिस्क्रिप्टिव एनालिसिस, डायग्नोस्टिक एनालिसिस, प्रिडिक्टिव एनालिसिस, प्रिस्क्रिप्टिव एनालिसिस और कॉग्निटिव एनालिसिस (संज्ञानात्मक)। शामिल हैं। उन्होंने बताया कि एआई डेटा एनालिसिस पर कार्य करता है और इसके लिए रेशियो एनालिसिस की आवश्यकता होती है, जिससे भविष्य की संभावनाओं का अनुमान लगाया जा सकता है। अंकगणित की सभी गणनाएं एआई द्वारा की जा सकती हैं तथा तार्किक कार्यों में भी एआई भविष्य की संभावनाओं का आकलन कर सकता है। चिकित्सा क्षेत्र में भी एआई कैंसर जैसी बीमारियों की भविष्यवाणी करने में सहायक है। डेटा एनालिसिस के माध्यम से पुलिस साइबर क्राइम की जांच में भी सहायता प्राप्त कर सकती है। एआई के माध्यम से चैट जीपीटी, स्तंभ चार्ट और वृत्त चार्ट का उपयोग कर डेटा का विश्लेषण किया जा सकता है।

एआई के उपयोग से विभिन्न कार्य होंगे आसान

सी.ए. विजय श्रीनिवास ने बताया कि एआई की सहायता से होटल बिल और यात्रा बिल जैसे दस्तावेज आसानी से तैयार किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि एआई आधारित टूल्स विभिन्न समस्याओं के समाधान में सहायक सिद्ध होंगे तथा जीएसटी और सुविधा सेवाओं में भी एआई का प्रभावी उपयोग किया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. बाला कुमार ने किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान एवं अन्य सहोधर संस्थानों का राजभाषा कार्यान्वयन निरीक्षण

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान (भाश्रीअनुसं), हैदराबाद में 10 मार्च को श्री राम दयाल शर्मा, संयुक्त निदेशक (राजभाषा), भाकृअनुप, नई दिल्ली के द्वारा भाश्रीअनुसं एवं हैदराबाद स्थित अन्य सहोधर संस्थानों (केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, कुक्कट अनुसंधान निदेशालय तथा राष्ट्रीय मांस अनुसंधान संस्थान) की राजभाषा कार्यान्वयन गतिविधियों का निरीक्षण किया गया। संस्थान में आगमन पर डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्-ीअनुसं के द्वारा उनका स्वागत किया गया। तत्पश्चात उन्होंने संस्थान के राजभाषा कार्यान्यवन प्रतिवेदन में उल्लिखित बिंदु-प्रति-बिंदु गतिविधियों का निरीक्षण किया तथा राजभाषा कार्यान्वयन के सुचारु संचालन हेतु सराहना करते हुए उनमें तीव्रता लाने हेतु कुछ सुझाव दिए। इस पूरे निरीक्षण का समन्वय डॉ. तारा सत्यवती, निदेशक के मार्गदर्शन में डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) के द्वारा किया गया।

एमके कन्वेंशन में आयोजित मेगा इफ्तार पार्टी में विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कारवान स्थित एम.के. कन्वेंशन में सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी गोलकोंडा जोन के अध्यक्ष एवं समाजसेवी मोअज्जम अली द्वारा आयोजित मेगा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे कमेटी के ऑल जोन जनरल सेक्रेटरी एडवोकेट श्रीकिशन शर्मा और जुबली हिल्स की प्रेसिडेंट तेजो विजय कुमारी का आयोजकों की ओर से गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में कमेटी के अन्य कार्यकर्ता और सदस्य भी उपस्थित रहे।

जैन तीर्थंकरों के जन्म कल्याणक दिवसों पर अवकाश व मांस की दुकानें बंद कराने की मांग

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल ने जैन समाज की विभिन्न मांगों को रखते हुए अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं तथा जी.एच.एम.सी. अधिकारियों से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने जैन तीर्थंकरों के जन्म कल्याणक दिवसों पर अवकाश घोषित करने तथा मांस की दुकानों को बंद रखने की मांग की।

विभिन्न नेताओं और अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन

यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार जैन समाज के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव और भगवान महावीर के जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर समाज के प्रतिनिधियों ने राज्यसभा सांसद एवं बीजेपी बीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. लक्ष्मण, जी.एच.एम.सी. कमिश्नर आर.वी. करनन, जी.एच.एम.सी. के चीफ वेटरनरी अधिकारी डॉ. वकील तथा बीआरएस के वरिष्ठ नेता एवं अंबरपेट विधायक कालेरू वेंकटेश से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार तक जैन समाज की मांगों को पहुंचाने का आग्रह किया।

जन्म कल्याणक दिवसों पर राष्ट्रीय अवकाश की मांग

जैन समाज की मांग है कि जैन समुदाय की पहचान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हर वर्ष प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव और अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर के जन्म कल्याणक दिवस पर देश के सभी राज्यों में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए तथा इन दोनों दिनों मांसाहार की दुकानों और कत्लखानों को पूरी तरह बंद रखा जाए। इस वर्ष ये तिथियां क्रमशः 12 मार्च और 29 मार्च 2026 को पड़ रही हैं।

अहिंसा और शांति के संदेश का सम्मान जरूरी

जैन समाज का कहना है कि जैन धर्म अहिंसा और शांति का संदेश देने वाला धर्म है, लेकिन दुर्भाग्य से अब तक सरकारों ने इस शांतिप्रिय समुदाय को पर्याप्त महत्व नहीं दिया है।

जहां देशभर में अन्य धर्मों के त्योहारों पर कई-कई छुट्टियां होती हैं, वहीं जैन धर्म के किसी भी त्योहार या जन्म कल्याणक दिवस पर देशभर में सार्वजानिक अवकाश का प्रावधान नहीं है। कुछ राज्यों में भगवान महावीर के जन्म कल्याणक पर छुट्टी दी जाती है, लेकिन दक्षिण भारत के राज्यों में यह लागू नहीं है।

नेताओं ने दिया सकारात्मक आश्वासन

राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने आश्वासन दिया कि वे पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी संसद में इस विषय को उठाकर जैन समाज का सहयोग करेंगे।

वहीं कालेरू वेंकटेश ने बताया कि वे तेलंगाना के मुख्यमंत्री को इस विषय में पत्र लिखेंगे और आगामी विधानसभा सत्र में भी इस मुद्दे को उठाकर भगवान महावीर जयंती को सार्वजनिक अवकाश घोषित कराने का प्रयास करेंगे।

जी.एच.एम.सी. कमिश्नर आर.वी. करनन ने कहा कि हर वर्ष महावीर जयंती के अवसर पर मांस की दुकानों को बंद रखा जाता है और इस वर्ष भी जल्द ही इस संबंध में अधिसूचना जारी की जाएगी। इस अवसर पर श्री जैन सेवा संघ एवं श्री महावीर स्वामी जैन मंदिर फिलखाना के पूर्व अध्यक्ष जैन रत्न जसराज श्रीश्रीमाल जैन, ऑल इंडिया जैन माइनॉरिटी फेडरेशन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मुकेश चौहान जैन, श्री कच्छी मित्र मंडल के ट्रस्टी योगेश गोसर, जैन माइनॉरिटी काउंसिल के मंत्री रिद्धीश जागीरदार जैन, स्वाती जैन, नम्रता लोहाडे जैन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केबीआर पार्क पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर बुधवार को शीतलाष्टमी के अवसर पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, संजय गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

टीएनजीओ यूनियन और असद अनवर मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा भव्य इफ्तार दावत का आयोजन

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। को हैदराबाद के नामपल्ली स्थित गृहकल्पा, टीएनजीओ भवन में पवित्र रमजान के अवसर पर एक भव्य इफ्तार दावत का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम असद अनवर मेमोरियल ट्रस्ट और टीएनजीओ यूनियन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जो पूरी तरह आध्यात्मिक और भाईचारे के माहौल में संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता टीएनजीओ यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष श्री मारम जगदीश्वर और महासचिव डॉ. एस.एम. हुसैनी मुजीब ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ढत्र्च्चठखएड तेलंगाना के उपाध्यक्ष मोहम्मद फहीम कुरैशी, लाइब्रेरी चेयरमैन डॉ. रियाज अहमद, मत्स्य पालन चेयरमैन श्री मेट्टू साईकुमार और हैदराबाद लाइब्रेरी चेयरमैन श्री केसीरेड्डी उपेंद्र रेड्डी ने शिरकत की।

इन अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

सभा को संबोधित करते हुए अतिथियों ने रमजान के पवित्र महीने की महिमा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि उपवास (रोज़ा) न केवल आत्मिक शांति प्रदान करता है, बल्कि समाज में एकता और अनुशासन की भावना को भी सुदृढ़ करता है। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे आयोजन विभिन्न समुदायों के बीच प्रेम और सौहार्द को बढ़ावा देते हैं।

इफ्तार के समय सभी ने मिलकर विशेष प्रार्थनाएं कीं और सामूहिक रूप से अपना उपवास खोला। इस अवसर पर टीएनजीओ यूनियन के अन्य प्रतिनिधि, कर्मचारी नेता और असद अनवर मेमोरियल ट्रस्ट के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को रमजान की शुभकामनाएं दीं और गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की।

कांग्रेस मुस्लिमों को केवल वोट बैंक समझती है : तलसानी

हैदराबाद, 11 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री और सनतनगर के विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि कांग्रेस पार्टी मुस्लिम समुदाय को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करती है। बुधवार शाम मोंडा डिवीजन स्थित इस्लामिया मस्जिद में आयोजित इफ्तार पार्टी में शामिल होने के दौरान उन्होंने यह बात कही। कार्यक्रम में विधायक ने नमाज के बाद रोजेदारों को फल खिलाकर उनका उपवास खुलवाया। इस अवसर पर उन्होंने रमजान के पवित्र महीने के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि मुस्लिम भाई-बहन पूरे महीने अत्यंत भक्ति और श्रद्धा के साथ कठिन उपवास रखते हैं। उन्होंने इफ्तार का आयोजन करने वाले अय्यूब और आसिफ की सराहना की। विधायक तलसानी ने बीआरएस सरकार के कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि केसीआर के नेतृत्व में सरकार खुद इफ्तार पार्टियों का आयोजन करती थी।

उन्होंने बताया कि उस समय न केवल रमजान किट के माध्यम से नए कपड़े बांटे जाते थे, बल्कि मस्जिदों और ईदगाहों में भी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाती थीं। उन्होंने गर्व से कहा कि देश में कहीं और न मिलने वाला सम्मानजनक वेतन मौलानाओं और इमामों को देने का श्रेय भी केसीआर सरकार को ही जाता है। कांग्रेस की वर्तमान कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार करते हुए तलसानी ने कहा, सत्ता में आने के बाद कांग्रेस ने मुस्लिम समुदाय की सुध लेना छोड़ दिया है। बीआरएस सरकार द्वारा शुरू किए गए सभी कल्याणकारी कार्यक्रमों को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि कांग्रेस केवल वोटों के लिए राजनीति करती है, जबकि वास्तविक विकास से उसका कोई लेना-देना नहीं है। विधायक ने वैश्विक परिस्थितियों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अमेरिका, ईरान और इराक के बीच चल रहे युद्ध के कारण आने वाले दिनों में बड़ी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मस्जिद में हाल ही में हुए विकास कार्यों का निरीक्षण भी किया।

इस कार्यक्रम में बीआरएस डिवीजन अध्यक्ष आकुला हरिकृष्णा, नेता तलसानी स्काई लैब यादव, तलसानी शिव यादव, मस्जिद-ए-इस्लामिया कमेटी के अध्यक्ष हमीद, साबिर जानी, अजमत और अन्य स्थानीय नेता व कार्यकर्ता भारी संख्या में मौजूद रहे।

निजामपेट प्रगति नगर स्थित मंदिर में शीतला माता की पूजा-अर्चना करती हुई महिलाएं।

लोक भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर शिव प्रताप शुक्ल जी, राज्यपाल तेलंगाना का स्वागत कर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए भाजपा नेता अविनाश देवड़ा।

राघव रत्ना टॉवर स्थित समाज सेवी अमृतकुमार जैन के कार्यालय में ऋषि श्रृंग भवन में आगामी रविवार दि. 15 मार्च को आयोजित होने वाले महा तम्बोला की प्रचार सामग्री का लोकार्पण करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमृत कुमार जैन। इस अवसर पर रामदेव नागला, भगवानदास कौशिक, अनिल जायलवाल, श्रीलाल पारीक, अमर जायलवाल व संदीप जयलवाल एवं अन्य उपस्थित थे।

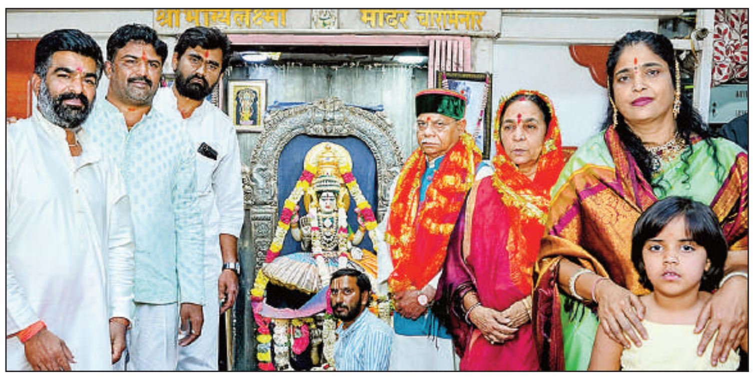

तेलंगाना के नवनियुक्त राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने अपनी नई जिम्मेदारी संभालने के बाद ऐतिहासिक चारमीनार स्थित प्रसिद्ध माँ भाग्यलक्ष्मी मंदिर का दौरा किया। राजभवन की कमान संभालने के उपरांत उन्होंने देवी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और राज्य की सुख-समृद्धि की कामना की।

समाज सेवी प्रशांत शांतिलाल जी गोलेच्छा के जन्मदिन के उपलक्ष्य में उन्हें बधाई देते हुए अनिल पारिक, उदय शाह, श्रीमत तातेड़ (विक्की), सम्यक गोलेच्छा एवं अन्य।

साई किरण को भारती कृष्ण तीर्थ महाराज स्मारक गणित प्रतिभा पुरस्कार

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सिटिज़न्स काउंसिल (टीसीसी) की राज्य इकाई ने घोषणा की है कि प्रसिद्ध गणितज्ञ और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैदिक गणित विशेषज्ञ डॉ. बी. साई किरण को भारती कृष्ण तीर्थ महाराज स्मारक गणित प्रतिभा पुरस्कार – 2026 के लिए चयनित किया गया है।

तेलंगाना सिटिज़न्स काउंसिल के राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने बताया कि यह पुरस्कार 14 मार्च 2026 (शनिवार) सुबह 10 बजे एनी बेसेंट महिला डिग्री कॉलेज, दिलसुखनगर, हैदराबाद में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान किया जाएगा। यह कार्यक्रम विश्व गणित दिवस तथा जगद्गुरु भारती कृष्ण तीर्थ महाराज की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने वैदिक गणित को पुनः प्रकाश में लाकर विश्वभर में लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक डॉ. बी. साई किरण एक प्रतिष्ठित गणितज्ञ, वैदिक गणित विशेषज्ञ और सामाजिक चिंतक के रूप में व्यापक पहचान रखते हैं। पिछले 25 वर्षों से वे अनेक सेमिनार, कार्यशालाएँ और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते हुए वैदिक गणित तथा उसके आधुनिक शिक्षा में उपयोग को बढ़ावा दे रहे हैं। इसके माध्यम से उन्होंने हजारों विद्यार्थियों और शिक्षकों को प्रेरित किया है। इस कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित शिक्षाविद और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। तेलंगाना काउंसिल ऑफ हायर एजुकेशन के उपाध्यक्ष प्रो. एटिकला पुरुषोत्तम मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। अन्य वक्ताओं में उस्मानिया विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. डी. चेन्नप्पा, उस्मानिया विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर तथा एनएसएस समन्वयक डॉ. रवितेजा चौहान, एनी बेसेंट कॉलेज के सचिव डॉ. श्याम सुंदर रेड्डी तथा एनी बेसेंट कॉलेज की प्राचार्य डॉ. श्रीमती राजवल्ली शामिल होंगे।तेलंगाना सिटिज़न्स काउंसिल ने शिक्षाविदों, छात्रों और आम जनता से इस कार्यक्रम में भाग लेकर गणित की इस प्रेरणादायक भावना का उत्सव मनाने का आग्रह किया है।

खम्मम: वेलुगु मटला के भूमि पीड़ितों के लिए न्याय की मांग

डॉ. विशारदन महाराज का अनशन शुरू

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। खम्मम जिले के वेलुगु मटला क्षेत्र के भूमि पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर संघर्ष तेज हो गया है। बीसी, एससी, एसटी (बीसी, एससी, एसटी) संयुक्त कार्य समिति (जेएसी) के अध्यक्ष डॉ. विशारदन महाराज ने राज्य जेएसी कार्यालय में औपचारिक रूप से अपनी भूख हड़ताल (निराहार दीक्षा) शुरू कर दी है।इस अवसर पर प्रजा एकता पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष श्री बोनाला श्रीनिवास ने धरना स्थल का दौरा किया और डॉ. विशारदन महाराज के अनशन को अपना पूर्ण समर्थन घोषित किया। श्रीनिवास ने जोर देकर कहा कि गरीबों और पीड़ितों की भूमि की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में पीड़ितों को सड़कों पर उतरना पड़ रहा है।भूख हड़ताल को संबोधित करते हुए बोनाला श्रीनिवास ने आश्वासन दिया कि जब तक भूमि पीड़ितों को पूर्ण न्याय नहीं मिल जाता, उनकी पार्टी और कार्यकर्ता इस लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर साथ रहेंगे। उन्होंने मांग की कि सरकार तुरंत हस्तक्षेप करे और वर्षों से लंबित इस भूमि विवाद को सुलझाकर वास्तविक हकदारों को उनके अधिकार दिलाए।

राज्य जेएसी कार्यालय में आयोजित इस दीक्षा कार्यक्रम में विभिन्न नागरिक समाज संगठनों और दलित व बहुजन संघों के नेताओं ने शिरकत की। डॉ. विश-ारदन महाराज ने संकल्प लिया कि प्रशासन की अनदेखी के खिलाफ यह शांतिपूर्ण संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक पीड़ितों के चेहरे पर मुस्कान नहीं आ जाती।

दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) द्वारा बुधवार, दि. 11 मार्च 2026 को सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम ऑडिटोरियम में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस गौरवशाली समारोह में दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। उनके साथ अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री सत्य प्रकाश, रेलवे सुरक्षा आयुक्त (एससी सर्कल) सुश्री माधवी, और प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री सिद्धार्थ काटी सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समारोह का मुख्य आकर्षण रेलवे मिक्स्ड हाई स्कूल के छात्रों द्वारा प्रस्तुत नाटक और नृत्य रहा। साथ ही, एक महिला रेल कर्मचारी द्वारा दी गई कुचिपुड़ी नृत्य की प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने वर्ष 2025-2026 के लिए विभिन्न विभागों की सर्वश्रेष्ठ महिला कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए और वक्तृत्व व निबंध लेखन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया।

सभा को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने इस वर्ष के विषय पाने के लिए देना पर चर्चा की। उन्होंने जोर देकर कहा कि सशक्तिकरण की असली कुंजी शिक्षा है। उन्होंने समानता और न्यायसंगतता के बीच के अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा कि जहाँ समानता का अर्थ सभी को समान अधिकार देना है, वहीं न्यायसंगतता का अर्थ विशिष्ट समस्याओं के समाधान के लिए संसाधन और सहायता प्रदान कर निष्पक्ष परिणाम सुनिश्चित करना है।

उन्होंने गर्व के साथ उल्लेख किया कि दक्षिण मध्य रेलवे के पांच महत्वपूर्ण विभाग परिचालन, वाणिज्यिक, सुरक्षा, वित्त, चिकित्सा और गुंटूर मंडल का नेतृत्व कुशल महिला अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है।

प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सिद्धार्थ काटी ने स्वागत भाषण में बताया कि दक्षिण मध्य रेलवे में लगभग 8,000 महिला कर्मचारी कार्यरत हैं। ये महिलाएं लोको पायलट, ट्रैक मेंटेनर और ट्रेन मैनेजर जैसे संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण पदों पर पूरी निष्ठा से कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं परिवार और कार्यस्थल के बीच बेहतरीन संतुलन बनाकर सफलता प्राप्त कर रही हैं। कार्यस्थल पर शिकायतों के निवारण के लिए शी पोर्टल और शाइन ऐप जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं ताकि एक सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित हो सके।

कार्यक्रम के दौरान रेलवे सुरक्षा आयुक्त सुश्री माधवी, सुश्री के. पदमजा, सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर, सुश्री हेमा सुनीता, डॉ. निर्मला राजाराम, सुश्री इति पांडे और सुश्री सुदेशना सेन ने भी अपने विचार साझा किए।

उन्होंने महिला कर्मचारियों को अपने स्वास्थ्य और वित्तीय स्थिरता पर निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने संदेश दिया कि महिलाओं को कभी हार नहीं माननी चाहिए और अपने हक के लिए बोलने से कभी नहीं डरना चाहिए।

शीतला अष्टमी पर राधे-राधे ग्रुप ने किया अन्नदान

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शीतला अष्टमी के पावन अवसर पर नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्यक्रम में जरूरतमंदों और राहगीरों को श्रद्धा भाव से भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने बताया कि शीतला अष्टमी का पर्व सेवा और श्रद्धा का संदेश देता है, इसलिए इस दिन विशेष रूप से अन्नदान कर जरूरतमंदों की सहायता की गई। राधे-राधे ग्रुप द्वारा समाज सेवा के ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित होते हैं।

कार्यक्रम में ग्रुप के कई सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई। राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि भविष्य में भी इसी तरह सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

इस अवसर पर सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता उमाकांत अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा,कैलाश चंद केडिया, संजय गोयल, प्रतिका अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

राजस्थान प्रवास पर ब्रह्मधाम व खेतेश्वर धाम पहुंचे सिंघी

आरती में भाग लेकर देश की सुख-समृद्धि व विश्व शांति की कामना की

हुब्बल्ली, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पीएम 15 सूत्रीय अल्पसंख्यक कल्याण कार्यक्रम समिति के सदस्य तथा दक्षिण पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति (जेडआरयूसीसी) के सदस्य महेंद्र सिंघी ने अपने राजस्थान प्रवास के दौरान बालोतरा जिले के आसोतरा स्थित ब्रह्मधाम व खेतेश्वर धाम के दर्शन किए। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर में आयोजित आरती में भाग लिया तथा देश में सुख, समृद्धि, विश्व शांति और मानव कल्याण के लिए प्रार्थना की। सिंघी ने कहा कि ऐसे पवित्र तीर्थस्थलों के दर्शन से मन को शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि समाज में आपसी भाईचारे, सद्भाव और शांति बनाए रखने के लिए आध्यात्मिक मूल्यों का महत्व बहुत बड़ा है। दर्शन के दौरान धाम समिति के जगदीश राजपुरोहित, युवा नेता विक्रम सिंह राजपुरोहित, भाजपा नेता गोविंद सिंह कालूडी और जोगसिंह महेचा सहित अन्य लोगों ने मेमेंटो भेंट कर व शॉल ओढ़ाकर सिंघी का सम्मान किया। इस दौरान प्रवीण कुमार जैन असाड़ा, स्थानकवासी समाज के गौरव अध्यक्ष बाबूलाल पारेख, महामंत्री प्रकाश कटारिया, कोषाध्यक्ष कांतिलाल बोहरा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस सम्मान के लिए सिंघी ने सभी का आभार व्यक्त किया तथा संत खेतारामजी महाराज से जुड़े अपने अनुभव और विचार भी साझा किए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री कावुरी सांभाशिवा राव का निधन

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने जताया शोक

विजयवाड़ा, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ राजनीतिज्ञ कावुरी सांभाशिवा राव (82) का बुधवार को हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया।

उनके परिवार के अनुसार, सात मार्च को मस्तिष्काघात के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।एक अक्टूबर 1943 को जन्मे श्री राव ने एनआईटी (तत्कालीन आईआईटी) वारंगल से इंजीनियरिंग में स्नातक किया था। वह एक सफल उद्योगपति भी थे। वह अपने राजनीतिक जीवन में पांच बार लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुए। श्री राव ने मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में कैबिनेट रैंक के कपड़ा मंत्री के रूप में कार्य किया। साल 2014 में आंध्र प्रदेश के विभाजन के विरोध में उन्होंने केंद्रीय मंत्री पद और कांग्रेस कार्य समिति से इस्तीफा दे दिया था। बाद में वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए थे।आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।आंध्र प्रदेश के मंत्री अनम रामनारायण रेड्डी ने भी सांभाशिवा राव के साथ अपने पुराने संबंधों को याद करते हुए उनके निधन पर दुख जताया है। उनके निधन से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के राजनीतिक हलकों में शोक की लहर दौड़ गई है।

बैंगलूरु में श्री गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केंद्र में विराजित ज्ञानमुनि जी मा.सा. आदि ठाणा-2 के दर्शन वंदन करते हुए नवरत्नमल गुंदेचा, गौतम डंक, रणजीतमल गुंदेचा और माणकचंद पोकरणा।

माथुर वैश्य इंटरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब का होली मिलन समारोह धूमधाम से सम्पन्न

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। माथुर वैश्य इंटरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब द्वारा होली मिलन का कार्यक्रम गोशामहल स्थित दुर्गा कॉम्प्लेक्स में प्राची गुप्ता के निवास पर धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सभी उपस्थित महिलाओं ने ढोलक-मंजीरों की थाप पर होली के गीतों और नृत्य-संगीत का आनंद लिया तथा रंग-गुलाल एवं फूलों की होली खेली।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में वकील मेघा रानी अग्रवाल, जो भाजपा से विधायक पद की प्रत्याशी रह चुकी हैं, तथा सेंट्रल गवर्नमेंट की सीनियर पैनल सलाहकार एवं अधिवक्ता चंदना जैन की उपस्थिति सभी के लिए उत्साहवर्धक रही।कार्यक्रम के दौरान एक रोचक प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें जो महिला रंगरंगीली राधारानी बनकर कान्हा बनी अरुणा गुप्ता के साथ सुंदर रास नृत्य प्रस्तुत करेगी, उसे पुरस्कृत किया जाना था। इस प्रतियोगिता में श्वेता कतरौलिया प्रथम स्थान पर रहीं, जिन्हें मेघा रानी अग्रवाल ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर मेघा रानी अग्रवाल को दुपट्टा और माला पहनाकर सम्मानित भी किया गया।होली मिलन समारोह में केंद्रीय कैबिनेट सदस्य अरुणा गुप्ता, अध्यक्षा दिव्या गुप्ता, कोषाध्यक्ष कविता, सचिव रश्मि, कार्यकारिणी सदस्य श्वेता कतरौलिया, प्राची, सोनिया, शैफाली, पूनम, ज्योति, पूजा, अंजलि, सुहाना, आंचल गुप्ता सहित कई गणमान्य महिलाएं विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने घर पर बने स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया और आनंदोत्सव मनाते हुए अपने-अपने घर के लिए प्रस्थान किया।

बीकानेर के अखिल पुरोहित ने रचा वैश्विक मुकाम

जर्मनी की प्रतिष्ठित कंपनी ने दिया सवा करोड़ रुपये का प्रस्ताव

बीकानेर, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीकानेर के अखिल पुरोहित को जर्मनी की प्रतिष्ठित कंपनी ने सवा करोड़ रुपये का प्रस्ताव दिया है। युवा विपणन विशेषज्ञ अखिल पुरोहित ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। जर्मनी के म्यूनिख स्थित प्रतिष्ठित वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी नेमेट्शेक समूह ने उन्हें उत्पाद विपणन प्रबंधक, रणनीतिक खाता प्रबंधन के वरिष्ठ पद पर नियुक्त किया है। इस पद के लिए कंपनी ने उन्हें लगभग एक लाख दस हजार यूरो वार्षिक वेतन, यानी करीब सवा करोड़ रुपये का आकर्षक पैकेज प्रदान किया है। अखिल पुरोहित ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है और वे जल्द ही इस नई भूमिका

में कार्यभार संभालेंगे।

अखिल पुरोहित की उपलब्धि केवल उनका पद या वेतन नहीं है, बल्कि उनका व्यापक अंतरराष्ट्रीय अनुभव भी उन्हें विशिष्ट बनाता है। उन्होंने अब तक दुनिया के 84 देशों की यात्रा की है। इन यात्राओं में व्यक्तिगत यात्राओं के साथ-साथ पेशेवर दौरे भी शामिल हैं। यूरोप, मध्य पूर्व, एशिया और अन्य महाद्वीपों में काम के दौरान मिली यह वैश्विक उपलब्धि उन्हें विभिन्न संस्कृतियों, बाजारों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की गहरी समझ प्रदान करता है। बीकानेर जैसे शहर से निकलकर दुनिया के 84 देशों की यात्रा करना अपने आप में एक असाधारण उपलब्धि मानी जा रही है। यह उनकी जिज्ञासु सोच, साहस और वैश्विक दृष्टिकोण का प्रमाण है।

अखिल पुरोहित मूल रूप से बीकानेर, राजस्थान के निवासी हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उच्च शिक्षा प्राप्त की और इसके बाद वैश्विक प्रौद्योगिकी विपणन क्षेत्र में अपना करियर बनाया।

नेमेट्शेक समूह में नियुक्ति से पहले वे विश्वप्रसिद्ध प्रौद्योगिकी कंपनी ऑटोडेस्क में एंटरप्राइज अकाउंट बेस्ड मार्केटिंग मैनेजर के रूप में कार्यरत थे। उनके कार्यक्षेत्र में यूरोप के महत्वपूर्ण उद्योग क्षेत्र जैसे रेल, सड़क, बुनियादी ढांचा और जल प्रबंधन शामिल रहे हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी विपणन संघ से अकाउंट बेस्ड मार्केटिंग में पेशेवर प्रमाणन भी प्राप्त किया है। नेमेट्शेक समूह यूरोप की अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनियों में से एक है। यह कंपनी स्थापत्य, निर्माण, मीडिया और मनोरंजन उद्योगों के लिए उन्नत सॉफ्टवेयर समाधान विकसित करती है। कंपनी का मुख्यालय म्यूनिख, जर्मनी में है और इसकी उपस्थिति विश्व के अनेक देशों में फैली हुई है।अखिल पुरोहित को जो पद सौंपा गया है वह रणनीतिक खातों और उत्पाद विपणन से सीधे जुड़ा हुआ है।

बिहार के गया शहर में 45 किमी एलपीजी गैस पाइप लाइन परियोजना वर्षों से खटाई में : कांग्रेस

पटना, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार प्रदेश के गयाजी शहर में 2023 में ही पानी की तरह घर- घर पाइप लाइन के जरिए रसोई गैस पहुंचाने की योजना गया नगर निगम द्वारा 45 किलोमीटर गैस पाइप लाइन बिछाने वाले ठेकेदार को सड़क, गली कोड़ने हेतु एन ओ सी यानी अनापत्ति प्रमाणपत्र नहीं देने के कारण यह योजना वर्षों से खटाई में पड़ा हुआ है। उपर्युक्त बातें बिहार प्रदेश काँग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला काँग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, राम प्रमोद सिंह, दामोदर गोस्वामी, प्रद्युम्न दुबे, शिव कुमार चौरसिया, टिंकू गिरी, राजीव कुमार सिंह उर्फ लबी सिंह, सुजीत गुप्ता आदि कहा कि गया जी शहर में वर्षों पहले गैस पाइप लाइन परियोजना का कार्यान्वयन केवल मानपूर के वार्ड नंबर 50, 51, 52, 53 के लगभग तीन- चार हज़ार घरों में ही पाईप लाइन से गैस चूल्हा जल रहा है जबकि गया नगर निगम अगर 2021 में पाइप लाइन बिछाने वाले ठेकेदार को अनापत्ति प्रमाणपत्र दे देता तो आज सभी घरों में पाइप लाइन से गैस चूल्हा जलता तथा उन्हें गैस सिलेंडर के लिए लाइन नहीं

लगाने पड़ते। इन सभी नेताओं ने कहा कि आज ईरान-इजराइल युद्ध के चलते भारत में कामर्शियल गैस की आपूर्ति बंद करने, घरेलु गैस के दाम में 60 रुपया की वृद्धि, गैस बुकिंग 18 दिन के बदले 25 दिन करने के सरकारी आदेश से पूरे देश में हाहाकार मचा हुआ है, आमजन गैस सिलेंडर के लिए नंबर में लगे हैं 1000 रुपया के जगह 2000 से 3000 तक में गैस सिलेंडर ब्लैक हो रहा है। इस बीच नेताओं ने कहा आज गयाजी में ऐसा हाहाकार के लिए गया नगर निगम जिम्मेवार है क्योंकि इसी के द्वारा पाइप लाइन बिछाने वाले ठीकदार से द्वारा नगर सरकार को मोटी रकम नहीं देने के कारण अनापत्ति प्रमाणपत्र नहीं मिलना मुख्य कारण है। इस संबंध में नेताओं ने कहा कि यदि गया जी में 2023 में ही घर- घर पाइप लाइन से गैस मिलता तो आज गया वासियों को सिलिंडर के झमेला से मुक्त रहता ।

DAILY शुभ लाभ
Classifieds
FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, NISHA SATHEESH, is legally wedded spouse of Service No. JC-671616P, Rank: SUB & HONY Lt, Name: SATHEESH KUMAR G, Unit: HQ TELANGANA and ANDHRA SUB AREA, residing at Vill: MANCODE, PO: MANCODE, TEH: VILAVAN CODE, Dist: KANIYA KUMARI, State: TAMILNADU, Pin: 629152, I have Changed my Name from NISHA SATHEESH to KUMARI NISHA R, My date of birth is 30-05-1979.

CHANGE OF NAME
I, SARASWATI AMMA, is legally dependent Mother of Service No. JC-671616P, Rank: SUB & HONY Lt, Name: SATHEESH KUMAR G, Unit: HQ TELANGANA and ANDHRA SUB AREA, residing at Vill: MANCODE, PO: MANCODE, TEH: VILAVAN CODE, Dist: KANIYA KUMARI, State: TAMIL NADU, Pin: 629152, I have Changed my name from SARASWATI AMMA to SARASWATHY AMMA GANGADHARAN PILLAI, My Date of Birth is 07-09-1947, Affidavit Singed by advocate and Notary P DAYAVATHI, LLM, Vide date.11.03.2026

CHANGE OF NAME
I, POONAM Spouse of Army No.6949617F Nk VINOD KUMAR SINGH, R/o.Vill:Vinowa, Gram & PO:Malookpur, Teh:Nawabgang, Dist:Barabanki-225301 have changed my name from POONAM to POONAM DEVI vide affidavit dt:11-03-2026 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, PON MALAR Spouse of Army No.15825574L Nk SELVA RAJ S of AOC Records, C/o.56 APO, Secunderabad have changed my name from PON MALAR to PONMALAR vide affidavit dt:11-03-2026 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, SRAVANI A Spouse of Service No. 16119550P Hav APPAL REDDY SIVANANDHA REDDY, Residing at H.No.2/45, Village & PO-T Sadipiralla, Teh:Kamalapuram, Dist:Cuddapah, Andhra Pradesh-516289 have changed my name from SRAVANI A to YANAMAREDDY SRAVANI vide affidavit dt:11-03-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले का भंडाफोड़

सिम कार्ड की आपूर्ति करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद शहर की साइबर क्राइम पुलिस ने अवैध सट्टेबाजी ऑपरेशनों के लिए सिम कार्ड की आपूर्ति कर बड़े पैमाने पर ऑनलाइन धोखाधड़ी की सुविधा प्रदान करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान मोहम्मद सईद उद्दीन, मोहम्मद ताजुद्दीन, मोहम्मद यूनुस और एमडी अय्यूब के रूप में हुई है, जो सभी हैदराबाद के चारमीनार क्षेत्र के निवासी हैं।

आरोपियों पर आरोप है कि उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों और दोस्तों के नाम पर प्राप्त सिम कार्ड उपलब्ध कराए, जिनका उपयोग बाद में सोशल मीडिया विज्ञापनों और पीड़ितों के साथ संचार के माध्यम से धोखाधड़ी वाले ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफार्मों को बढ़ावा देने के लिए किया गया था।

डेढ़ करोड़ की धोखाधड़ी

शिकायत के अनुसार, हैदराबाद के एक 36 वर्षीय निवासी से व्हाट्सएप संदेशों और फोन कॉल्स के माध्यम से ''इएढखछ्एदउकअछत्रृए'' नामक ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म के प्रतिनिधियों के रूप में संपर्क किया गया था। जालसाजों ने उसे क्रिकेट सट्टेबाजी, तीन पत्ती और कैसीनो जैसे ऑनलाइन खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया और भारी मुनाफे का वादा किया। शुरुआत में पीड़ित ने 20,001 रुपये का निवेश किया और 5,000 रुपये का लाभ प्राप्त किया, जिससे प्लेटफॉर्म पर उसका विश्वास बढ़ गया।

जालसाजों के बार-बार उकसाने पर उसने बैंक ट्रांसफर, यूपीआई आईडी, क्यूआर कोड और कैश डिपॉजिट मशीनों के माध्यम से पैसे जमा किए। 2025 से जनवरी 2026 के बीच पीड़ित ने अपने और अपनी पत्नी के बैंक खातों से लगभग 1.5 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। हालांकि शुरुआत में उसे रिटर्न के रूप में लगभग 20 लाख रुपये मिले, लेकिन बाद में आरोपियों ने सट्टेबाजी प्रणाली में हेरफेर किया, निकासीरोक दी और उसे कई अन्य वेबसाइटों पर भेज दिया, जिससे उसे भारी वित्तीय हानि हुई।

दुबई कनेक्शन और सिम कार्ड की तस्करी

जांच में खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपी मोहम्मद सईद उद्दीन पहले दुबई में एक क्रिकेट सट्टेबाजी कॉल सेंटर में काम कर चुका था। भारत लौटने के बाद, उसने परिचितों से प्रति सिम कार्ड 600 रुपये की पेशकश कर सिम कार्ड का इंतजाम किया। सह-आरोपी मोहम्मद ताजुद्दीन, मोहम्मद यूनुस और एमडी अय्यूब ने अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के नाम पर पंजीकृत सिम कार्ड एकत्र किए और उन्हें सईद उद्दीन को सौंप दिया।

सईद उद्दीन ने बाद में लगभग 250 सिम कार्ड दुबई पहुँचाए और गुजरात के मुदस्सिर नामक एक अन्य आरोपी को आपूर्ति की, जिसने प्रति सिम कार्ड 1,200 रुपये का भुगतान किया।

इन सिम कार्डों का उपयोग नेटवर्क के अन्य सदस्यों द्वारा अवैध सट्टेबाजी वेबसाइटों को संचालित करने और पीड़ितों को पैसे जमा करने के लिए लुभाने हेतु 'कस्टमर सपोर्ट' प्रतिनिधि बनकर संपर्क करने के लिए किया गया था।

पुलिस की कार्रवाई और कानूनी धाराएं

पुलिस ने इस मामले में आईटी अधिनियम की धारा 66सी और 66डी, भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और 319(2), और तेलंगाना गेमिंग एक्ट की धारा 3 और 4 के तहत मामला दर्ज किया है। ऑपरेशन के दौरान पांच मोबाइल फोन जब्त किए गए। इस मामले का खुलासा पुलिस निरीक्षक पी. शिव चंद्र के नेतृत्व में साइबर क्राइम पुलिस की टीम ने किया। पुलिस अब पैसे के लेन-देन का पता लगाने, धोखाधड़ी से जुड़े अतिरिक्त बैंक खातों को फ्रीज करने और रैकेट में शामिल अन्य फरार आरोपियों को पकड़ने के प्रयास कर रही है।

कविता की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल तीसरे दिन भी जारी

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष कलवकुंतला कविता ने वेणुगुमटला पीड़ितों के समर्थन में बुधवार को लगातार तीसरे दिन अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रखी। कविता वर्तमान में हैदराबाद स्थित तेलंगाना जागृति कार्यालय में उपवास कर रही हैं। बुधवार सुबह उन्हें विरोध स्थल पर विभिन्न समाचार पत्र पढ़ते देखा गया।

यह आंदोलन तब शुरू हुआ, जब सुश्री कविता ने सामाजिक-धार्मिक नेता और कार्यकर्ता विशारदन महाराज और अन्य नेताओं के साथ मिलकर सोमवार को वेणुगुमटला के पीड़ितों के साथ खम्मम जिला परिषद केंद्र पर बड़ा विरोध प्रदर्शन आयोजित किया था। उसी दिन बाद में पुलिस ने कविता और कई अन्य लोगों को हिरासत में ले लिया, जिन्हें बाद में रिहा कर दिया गया। रिहाई के बाद जागृति अध्यक्ष ने वेणुगुमटला पीड़ितों के साथ खम्मम के अंबेडकर भवन में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी।

मंगलवार सुबह पुलिस ने सुश्री कविता और अन्य नेताओं को दोबारा हिरासत में लिया और उन्हें हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया। तब से वे पीड़ितों के लिए न्याय की मांग करते हुए तेलंगाना जागृति कार्यालय में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रखे हुई हैं। फरवरी 2026 के अंत में खम्मम जिला प्रशासन ने वेलुगुमटला के विनोबा नगर और नवोदय कॉलोनी में बड़ा बेदखली अभियान चलाया था। आरोप है कि लगभग 750 से 1,000 झोपड़ियों और कच्चे मकानों को बुलडोजर से ढहा दिया गया है। यह जमीन करीब 31 एकड़ है और इसे 'भूदान भूमि' बताया जा रहा है। पीड़ितों का दावा है कि उन्हें यह जमीन सालों पहले भूदान बोर्ड ने आवंटित की थी और उनके पास इसके पट्टे भी हैं। सुश्री कविता ने प्रशासन के आधी रात को बुलडोजर चलाये जाने पर सवाल उठाया है और यह भी कहा है कि ऐसे समय में जब बच्चों की 10वीं और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं चल रही थीं, इसका क्या औचित्य था? उन्होंने यह भी बताया कि कई छात्रों के हॉल टिकट भी मलबे में दब गये। इतना ही नहीं सुश्री कविता ने कहा है कि जब तक पीड़ितों को न्याय नहीं मिल जाता, वह अपना भूख हड़ताल जारी रखेंगी। सुश्री कविता ने मांग की है कि सरकार लिखित में आश्वासन दे कि जिन गरीबों के घर गिराये गये हैं, उन्हें उसी स्थान पर दोबारा घर बनाकर दिये जायेंगे।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी कल करेंगे 5,812 करोड़ रुपये की मूसी कायाकल्प योजना का अनावरण

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्य सरकार ने शुक्रवार को हैदराबाद के एक सितारा होटल में आयोजित होने वाले 'Musi Invites' कार्यक्रम के लिए राजनीतिक दलों के नेताओं, विधायकों, बुद्धिजीवियों और प्रमुख उद्योग मंडलों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी मूसी कायाकल्प परियोजना के लाभों पर एक पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन देंगे और 'गांधी सरोवर' परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट जारी करेंगे, जो मूसी नदी विकास योजना के पहले चरण का हिस्सा है।आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, डीपीआर का मुख्य उद्देश्य नदी में ताजे पानी का निरंतर प्रवाह सुनिश्चित करना, वायु गुणवत्ता में सुधार और किनारों पर एक सुखद वातावरण बनाना है। इस परियोजना के तहत नदी के किनारों को पार्कों, मनोरंजक सुविधाओं और

आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक जीवंत शहरी स्थान में बदलने की परिकल्पना की गई है। हिमायतसागर और गंडिपेट से बापूघाट तक 20 किलोमीटर के हिस्से में बड़े पैमाने पर विकास का प्रस्ताव है। सरकार गोदावरी के पानी को इसमें एकीकृत कर बापूघाट पर त्रिवेणी संगम बनाने की योजना बना रही है।

मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने इस परियोजना को दो जोनों में विभाजित किया है: जोन-1: हिमायतसागर से गांधी सरोवर तक (अनुमानित लागत 1,684 करोड़)। जोन-2: गंडिपेट से गांधी सरोवर तक (अनुमानित लागत 1,992 करोड़)।योजना में नदी के एक तरफ 100 फीट और दूसरी तरफ 80 फीट चौड़ी सड़क, फुटपाथ, साइकिल ट्रैक और नागरिक सुविधाएं शामिल हैं। पूरी लंगर हौज स्थित बापूघाट पर 34 एकड़ सरकारी भूमि को 'गांधी सरोवर पर्यटन परियोजना' के तहत 400 करोड़ की लागत से विकसित किया जाएगा। यहाँ 100 मीटर ऊंचे टॉवर में मीटिंग हॉल, संग्रहालय और महात्मा गांधी पर एक प्रदर्शनी होगी, जिसके ऊपर 35 से 50 मीटर ऊंची गांधी जी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

इसके पीछे 'लंदन आई' की तरह एक रंगीन गोलाकार आकृति बनाई जाएगी जो चरखे का प्रतीक होगी। नदी के ताजे पानी के प्रवाह को बनाए रखने के लिए कालेश्वरम परियोजना से सालाना 5 टीएमसी गोदावरी जल लाने के लिए पाइपलाइन का काम भी जारी है।

डिप्टी सीएम भट्टी का बड़ा कदम: भूदान कॉलोनी के विस्थापितों को मिले घर के पट्टे और इंदिराम्मा आवास पत्र

नलगोंडा, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने बुधवार को 'विनोभा नवोदय भूदान कॉलोनी' से विस्थापित परिवारों को हाउस साइट पट्टा और इंदिराम्मा आवास स्वीकृति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि खम्मम जिले के वेलुगुमटला में इन परिवारों के लिए एक 'मॉडल कॉलोनी' विकसित की जाएगी।

जिला कलेक्टरेट में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि गरीब परिवार गरिमा और कानूनी सुरक्षा के साथ रहें।

वेलुगुमटला में बनेगी मॉडल कॉलोनी: 412 परिवारों को लाभ

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि वेलुगुमटला में 412 परिवारों को पात्र लाभार्थी के रूप में पहचाना गया है। इन सभी को बिना किसी भेदभाव के हाउस साइट पट्टा और इंदिराम्मा आवास योजना का लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान कई परिवारों को मौके पर ही दस्तावेज सौंपे गए।

उन्होंने आरोप लगाया कि एक माफिया नेटवर्क वर्षों से इन गरीबों से पैसे वसूल रहा था, लेकिन उन्हें बुनियादी सुविधाएं नहीं दे रहा था। अब सरकार ने हस्तक्षेप कर इन परिवारों के आवास को नियमित कर दिया है।

शिक्षा और बुनियादी ढांचे पर जोर: खुलेगा तेलंगाना पब्लिक स्कूल

भट्टी विक्रमार्क ने घोषणा की कि आवास वितरण के बाद वेलुगुमटला में बची हुई 16 एकड़ भूमि का उपयोग 'तेलंगाना पब्लिक स्कूल' और अन्य सरकारी शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना के लिए किया जाएगा। नई कॉलोनी में बिजली, पीने का पानी, सड़कें, अस्पताल, सामुदायिक भवन और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स जैसी सभी आधुनिक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को तुरंत निर्माण कार्य शुरू करने का निर्देश देते हुए कहा कि दिसंबर 9 तक इस मॉडल कॉलोनी का काम पूरा हो जाना चाहिए।

पिछली सरकार और भू-माफिया पर निशाना

राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि भूदान कॉलोनी के निवासी 2017 से बिना बिजली और पानी के रह रहे थे। उन्होंने आश्वासन दिया कि निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए एक सप्ताह के भीतर पानी की आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। वहीं, कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि जिन लोगों ने निवासियों से अवैध रूप से पैसे वसूले हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और वह राशि वसूल की जाएगी। उन्होंने भूदान भूमि पर अतिक्रमण के लिए पिछली बीआरएस सरकार की अनियमितताओं को जिम्मेदार ठहराया।

अल्पसंख्यक सब-प्लान का वादा पूरा करे सरकार फ्रंट ने मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन से की मांग

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एससी, एसटी, बीसी और मुस्लिम फ्रंट ने बुधवार को अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन से मुलाकात की और चुनाव के दौरान कांग्रेस द्वारा किए गए 'अल्पसंख्यक सब-प्लान' के वादे को लागू करने का आग्रह किया। फ्रंट के अध्यक्ष एम. सनाउल्लाह खान के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सचिवालय में मंत्री से भेंट की और इस संबंध में एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

दो वर्ष पूरे होने पर बधाई, लेकिन वादे पर सवाल

प्रतिनिधिमंडल ने कांग्रेस सरकार को सत्ता में दो वर्ष से अधिक का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा करने पर बधाई दी। हालांकि, उन्होंने याद दिलाया कि अनुसूचित जाति के लिए विशेष घटक योजना और जनजातीय सब-प्लान की तर्ज पर मुस्लिम समुदाय के लिए जो 'अल्पसंख्यक सब-प्लान' लाने का वादा किया गया था, वह अब तक अधूरा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि समुदाय के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए इस योजना का कार्यान्वयन अनिवार्य है।

सच्चर कमेटी की रिपोर्ट और पिछड़ेपन का हवाला

मंत्री के साथ चर्चा के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सच्चर कमेटी के निष्कर्षों का संदर्भ दिया। उन्होंने कहा कि दावों के बावजूद मुस्लिम समुदाय कई क्षेत्रों में अभी भी पिछड़ेपन का सामना कर रहा है और कई कल्याणकारी उपाय केवल कागजों तक ही सीमित रह गए हैं। फ्रंट का कहना है कि पूर्व में अपनाए गए क्षेत्र-आधारित विकास और लक्ष्य-आधारित योजनाओं के प्रशासनिक और सामाजिक चुनौतियों के कारण अपेक्षित परिणाम नहीं मिले हैं।

बुनियादी ढांचे और योजनाओं में उचित हिस्सेदारी की अपील

फ्रंट ने सरकार से एक समर्पित अल्पसंख्यक सब-प्लान शुरू करने का आग्रह किया ताकि स्वास्थ्य, सड़क और सिंचाई जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के साथ-साथ लाभार्थी-उन्मुख योजनाओं में अल्पसंख्यकों की उचित हिस्सेदारी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने आशा व्यक्त की कि राज्य सरकार अल्पसंख्यक समुदायों के कल्याण और सर्वांगीण विकास की दिशा में जल्द ही ठोस कदम उठाएगी।

मेधा पाटकर ने मूसी जन आंदोलन को दिया समर्थन

रिवरफ्रंट डीपीआर रोकने की मांग

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। नर्मदा बचाओ आंदोलन की प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर ने मूसी जन आंदोलन के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त की है। यह आंदोलन मूसी रिवरफ्रंट विकास से जुड़ी 'गांधी सरोवर परियोजना' के कारण होने वाले विस्थापन के खिलाफ लड़ रहा है। पाटकर ने विस्थापित होने वाले परिवारों के अधिकारों की रक्षा के लिए सरकार से अपनी योजनाओं पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है।मेधा पाटकर को 13 मार्च 2026 को मूसी नदी पुनरुद्धार (चरण-1) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के अनावरण के लिए आधिकारिक निमंत्रण मिला था। इसके जवाब में उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को तीन पन्नों का एक प्रतिवेदन भेजा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि 13 मार्च को होने वाले डीपीआर अनावरण कार्यक्रम को फिलहाल रोक दिया जाए और प्रभावितों की चिंताओं पर ध्यान दिया जाए।अपने प्रतिवेदन में पाटकर ने कहा कि यह परियोजना शहरी कामकाजी गरीबों, मध्यम वर्गीय परिवारों और सेवानिवृत्त अधिकारियों सहित हजारों घरों को विस्थापित कर सकती है। उन्होंने ऐतिहासिक विरासत संरचनाओं पर मंडराते खतरे और मधु पार्क रिज अपार्टमेंट के निवासियों द्वारा किए जा रहे कड़े विरोध का भी उल्लेख किया। उन्होंने तर्क दिया कि देश के अन्य हिस्सों में इसी तरह की रिवरफ्रंट परियोजनाओं ने गंभीर सामाजिक और पर्यावरणीय चिंताएं पैदा की हैं।

पी.एल. श्रीनिवास तेलंगाना भाजपा के आधिकारिक प्रवक्ता नियुक्त

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को पी.एल. श्रीनिवास को तेलंगाना राज्य के लिए अपना आधिकारिक प्रवक्ता नियुक्त किया है।

पार्टी ने कहा कि सार्वजनिक संबंधों में उनके व्यापक अनुभव और राज्य के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य की गहरी समझ से तेलंगाना में भाजपा की संचार रणनीति और जनसंपर्क को काफी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

पार्टी नेतृत्व के प्रति व्यक्त किया आभार

अपनी नियुक्ति के बाद, पी.एल. श्रीनिवास ने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को सौंपने के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और तेलंगाना भाजपा के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि नेतृत्व का यह भरोसा उनके लिए प्रेरणादायक है।

पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुँचाने का संकल्प

श्रीनिवास ने विश्वास दिलाया कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ पार्टी के सिद्धांतों को आगे बढ़ाएंगे।

उन्होंने कहा, ''मेरा मुख्य लक्ष्य पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों और कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुँचाना है।'' उन्होंने जोर देकर कहा कि वे राज्य में पार्टी की आवाज को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

एआईओटीआरटी के आर.के. जैन ने विशाखापट्टणम में केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले से भेंट कर उन्हें संस्था की गतिविधियों से रूबरू कराया।।

बंजारा हिल्स सड़क दुर्घटना: 10 साल बाद आरोपी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी

हैदराबाद, 11 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बंजारा हिल्स पुलिस ने 2016 के बहुचर्चित और दुखद सड़क हादसे के एक आरोपी के. विष्णु विनीत के खिलाफ 'रेड कॉर्नर नोटिस' जारी किया है। इस हादसे में तीन लोगों की जान चली गई थी। पुलिस का कहना है कि विनीत की मुकदमे के दौरान उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है।

बंजारा हिल्स पुलिस के अनुसार, विनीत मुकदमे की कार्यवाही के दौरान भारत छोड़कर विदेश भाग गया था और वर्तमान में उसके संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) में रहने की संभावना है। यह मामला जल्द ही स्थानीय अदालत में सुनवाई के लिए आने वाला है।

यह हृदयविदारक दुर्घटना 1 जुलाई 2016 को बंजारा हिल्स के रोड नंबर 3 पर हुई थी। 9 वर्षीय मासूम राम्या अपने चाचा पी. राजेश और दादा पी. मधुसूदन चारी के साथ स्कूल से घर लौट रही थी, तभी यह हादसा हुआ।पुलिस के अनुसार, विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने सड़क के डिवाइडर को पार किया और उनके वाहन से जा टकराई। इस हादसे में घायल होने के बाद राम्या, राजेश और मधुसूदन चारी तीनों की मौत हो गई थी।

जांच में पाया गया कि दुर्घटना के समय कार आर. श्रविल चला रहा था, जिसने हादसे से पहले एक पब में शराब का सेवन किया था। विष्णु विनीत उस समय श्रविल के साथ कार में मौजूद था। पुलिस ने बताया कि श्रविल बंजारा हिल्स से पंजागुट्टा की ओर अत्यधिक गति से कार चला रहा था। पंजागुट्टा श्मशान घाट के पास वाहन अनियंत्रित हो गया, डिवाइडर को तोड़ते हुए दूसरी तरफ से आ रही कार पर जा गिरा।पुलिस ने श्रविल और विनीत दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोप पत्र दाखिल किया था। विनीत की अनुपस्थिति के कारण अब उसे वापस लाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रेड कॉर्नर नोटिस का सहारा लिया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.